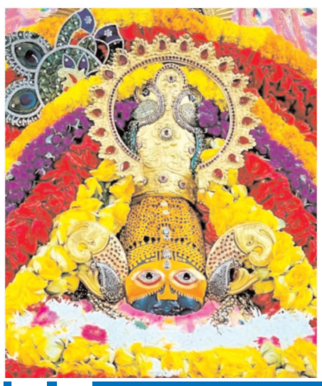

RNI No. GUJHIN/2010/35230

महानगर मेट्रो

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

कार्यालय :- सी-8 रिची हाउस, स्वामी नारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

महानगर मेट्रो
राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें
सरबजीत माकन
+91-9638877700
mahanagarmetro7@gmail.com

वर्ष :16 । अंक:05। पेज:12। mahanagarmetro7@gmail.com || अहमदाबाद, 31 अगस्त 2026 (सोमवार) || सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-/

भारत-उज्बेकिस्तान संबंधों को नई उड़ान

5 अरब डॉलर व्यापार का लक्ष्य, रक्षा, एआई, ऊर्जा में बढ़ेगा सहयोग

भारत और उज्बेकिस्तान के रिश्ते अब 'व्यापक रणनीतिक साझेदारी' के स्तर पर: पीएम मोदी

एजेंसी

चित्रकूट । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कहा कि भारत और उज्बेकिस्तान ने अपने संबंधों को व्यापक रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक बढ़ाने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि इस साझेदारी के तहत 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार में 5 अरब डॉलर का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उज्बेकिस्तान के राष्ट्रपति शावकत मिर्जियोयेव के साथ एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि दोनों देशों की आकांक्षाएं एक जैसी हैं और वे व्यापार, प्रौद्योगिकी, रक्षा, ऊर्जा, बुनियादी ढांचे और अन्य रणनीतिक क्षेत्रों में सहयोग का विस्तार करना चाहते हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि उज्बेकिस्तान मध्य एशिया के केंद्र में है और इस क्षेत्र

के साथ भारत की भागीदारी के केंद्र में है। उन्होंने उल्लेख किया कि 2026 में भारत-उज्बेकिस्तान रणनीतिक साझेदारी के 15 वर्ष पूरे हो जाएंगे। मोदी ने कहा कि दोनों देश अब अपने संबंधों को एक व्यापक और अधिक महत्वाकांक्षी ढांचा देने की दिशा में काम कर रहे हैं।

पीएम मोदी ने कहा कि भारत और उज्बेकिस्तान की सोच और आकांक्षाओं में गहरी समानताएं हैं। युवा, नवाचार, समावेशी विकास और आधुनिक प्रौद्योगिकी, यंग उज्बेकिस्तान और डेवलप्ड इंडिया 2047 दोनों के मूल सिद्धांतों में निहित हैं। इसी साझा दृष्टिकोण का अनुसरण करते हुए, हम दोनों देशों के लोगों के कल्याण के लिए निरंतर प्रयासरत हैं। इस वर्ष हमारी रणनीतिक साझेदारी के 15 वर्ष पूरे हो रहे हैं। इस विशेष अवसर पर, हमने अपने संबंधों को व्यापक रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक बढ़ाने का निर्णय लिया है। ' उन्होंने आगे कहा कि हमारा द्विपक्षीय व्यापार 1 अरब डॉलर से ज्यादा हो गया है। अब हमने 2030 तक 5 अरब डॉलर के व्यापार का लक्ष्य निर्धारित किया है। दोनों पक्षों ने डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना, एआई, महत्वपूर्ण खनिजों, स्वच्छ ऊर्जा, अंतरिक्ष और परमाणु ऊर्जा में सहयोग पर भी चर्चा की।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि हम अवसंरचना विकास में पारस्परिक लाभप्रद सहयोग को बढ़ाने के लिए मिलकर काम करेंगे। डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना, एआई, महत्वपूर्ण खनिज, स्वच्छ ऊर्जा, अंतरिक्ष और परमाणु ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में सहयोग हमारे संबंधों को भविष्य के लिए तैयार कर रहा है।

रक्षा एवं सुरक्षा

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि दोनों देशों के रक्षा उद्योगों के बीच प्रत्यक्ष संपर्क, सह-उत्पादन और सह-विकास के माध्यम से रक्षा और सुरक्षा सहयोग का विस्तार किया जाएगा। उन्होंने कहा कि हमारे दोनों देशों के बीच घनिष्ठ रक्षा एवं सुरक्षा सहयोग हमारे गहरे आपसी विश्वास को दर्शाता है। भविष्य में हम दोनों देशों के रक्षा उद्योगों के बीच प्रत्यक्ष संपर्क, सह-उत्पादन और सह-विकास को बढ़ावा देंगे। मोदी ने कहा कि भारत और उज्बेकिस्तान आतंकवाद, उग्रवाद और अलगाववाद से लड़ने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि हमारा मानना है कि आतंकवाद, उग्रवाद और अलगाववाद पूरे क्षेत्र के लिए गंभीर चुनौतियां पेश करते हैं। इन खतरों के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति बनाए रखना हमारा साझा संकल्प रहा है और आगे भी रहेगा।

'मेरी भी महत्वाकांक्षा है कि मैं मुख्यमंत्री बनूं'

यूपी के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य का बड़ा बयान

एजेंसी

लखनऊ । उत्तर प्रदेश में अगले साल यानी 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर बीजेपी ने संगठनात्मक स्तर पर अपनी तैयारी शुरू कर दी है। हाल ही में जब बीजेपी ने अपनी राष्ट्रीय कार्यकारिणी का ऐलान किया था तो उसमें यूपी से 8 चेहरों को जगह दी थी। इसी से साफ हो गया था कि पार्टी यूपी में तीसरी बार सत्ता में वापसी को लेकर कोई कसर नहीं छोड़ेगी। इस बीच यूपी चुनाव से पहले प्रदेश के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने एक बड़ा बयान दे दिया है। उन्होंने पहली बार मीडिया के सामने यह जाहिर किया है कि वह भी यूपी के मुख्यमंत्री बनना चाहते हैं। एबीपी न्यूज को दिए इंटरव्यू में केशव प्रसाद मौर्य ने खुलकर सीएम बनने की इच्छा जाहिर की है। उन्होंने कहा है, 'मेरी भी महत्वाकांक्षा है कि मैं मुख्यमंत्री बनूं, लेकिन मेरे चाहने से नहीं होगा। मेरी पार्टी का नेतृत्व तय करेगा कि कौन क्या करेगा। '

'चेहरा तय करना मेरा काम नहीं है': केशव प्रसाद मौर्य से इस इंटरव्यू के दौरान यह सवाल किया गया कि क्या 2027 का विधानसभा चुनाव योगी आदित्यनाथ के चेहरे पर ही लड़ा जाएगा या फिर 2027 में चेहरा केशव प्रसाद मौर्य होंगे? इस सवाल का जवाब देते हुए डिप्टी सीएम ने कहा कि यह तय करना मेरा नहीं है, यह पार्टी का काम है। उन्होंने कहा कि 2017 और 2022 में पार्टी ने ही तय किया था तो आगे भी पार्टी जो तय करेगी वो सभी को मंजूर होगा।

'ऑपरेशन सिंदूर' में महिला पायलटों और सैनिकों ने आतंकवाद के खिलाफ महत्वपूर्ण भूमिका निभाई : राजनाथ सिंह

'लखपति दीदी जैसी पहलों से महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाया जा रहा है'

एजेंसी

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को लखनऊ में वीरांगना अवंतीबाई लोधी की प्रतिमा के अनावरण समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि आज, सैनिक स्कूलों के दरवाजे लड़कियों के लिए खोले गए हैं। 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' योजना से लड़कियों को सशक्त बनाया जा रहा है। लखपति दीदी जैसी पहलों से महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाया जा रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान महिला पायलटों और महिला सैनिकों ने पाकिस्तान और पीओके में आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा, ''हमारे देश की वीरांगनाओं ने रणभूमि में भी अपना शौर्य दिखाया है और राजपाट में भी सुशासन के नए कीर्तिमान लिखे हैं। भारत की महिलाओं ने हर युग में अपनी क्षमता साबित की है। आज भारत की महिलाएं सेना, पुलिस, विज्ञान, खेल, शिक्षा, प्रशासन और हर क्षेत्र में अपनी क्षमता का परिचय दे रही हैं। वे सियाचिन की ऊंचाइयों से लेकर समंदर की गहराइयों तक देश की सुरक्षा को और भी मजबूत कर रही हैं।'' रक्षा मंत्री ने कहा कि यह नए भारत की नारी शक्ति है जो हर क्षेत्र में आगे

बढ़कर नेतृत्व कर रही है। नारी शक्ति को और आत्मविश्वासी और सशक्त बनाने के लिए सरकार ने उन्हें अधिकार, अवसर, सुरक्षा और सम्मान देने का काम किया है।

उन्होंने कहा कि वीरांगना अवंतीबाई लोधी की इस प्रतिमा का लोकार्पण करके, वह बहुत गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं। 1857 में स्वतंत्रता के प्रथम संग्राम में उन्होंने जिस साहस के साथ अंग्रेजों का सामना किया, वह भारतीय इतिहास का गौरवपूर्ण अध्याय है। लखनऊ में वीरांगना ऊदा देवी पासी जी और गोरखपुर में वीरांगना झलकारी बाई कोरी जी के नाम पर पीएसी की बटालियनों का नाम रखा गया है। ऐसे ही बदायूं में रानी अवंतीबाई लोधी जी के नाम पर पीएसी की नई बटालियन का गठन किया जा रहा है।

राजनाथ सिंह ने कहा-

'हमारे देश की वीरांगनाओं ने रणभूमि में भी अपना शौर्य दिखाया है और राजपाट में भी सुशासन के नए कीर्तिमान लिखे हैं। भारत की महिलाओं ने हर युग में अपनी क्षमता साबित की है। आज भारत की महिलाएं, सेना, पुलिस, विज्ञान, खेल, शिक्षा, प्रशासन और हर क्षेत्र में अपनी क्षमता का परिचय दे रही हैं।''

नेपाल पहुंचा भारतीय फोरेंसिक दल, नेपाली टीम संग मिलकर करेगा काम

राजदूत नवीन श्रीवास्तव ने नेपाल पहुंचे भारतीय फोरेंसिक टीम के सदस्यों से मुलाकात की।

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल में भारत के राजदूत नवीन श्रीवास्तव ने काठमांडू पहुंचे भारतीय फोरेंसिक टीम से मुलाकात की। ये दल नेपाल की टीम संग मिलकर त्रासदी में जान गंवाने वाले लोगों की पहचान करने में मदद करेगी। इस आपदा के बाद भारत सहित कई देशों के परिवार अपने लापता परिजनों की जानकारी का इंतजार कर रहे हैं। विदेश मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर नेपाल स्थित भारतीय दूतावास की पोस्ट को शेयर करते हुए लिखा, राजदूत नवीन श्रीवास्तव ने नेपाल पहुंचे भारतीय फोरेंसिक टीम के सदस्यों से मुलाकात की। ये टीम अपने नेपाली समकक्षों के साथ मिलकर फ्लैश फ्लड का शिकार हुए लोगों के शवों की

पहचान में मदद करने के लिए डीएनए नमूनों का मिलान करेगी। वहीं, राजदूत श्रीवास्तव की एक्स पोस्ट के मुताबिक, 'राहत सामग्री लेकर पहुंची चौथी फ्लाइट में आए भारतीय फोरेंसिक टीम के सदस्यों से काठमांडू में मुलाकात की। वे अपने नेपाली समकक्षों संग मिलकर रसुवा में आई भयानक बाढ़ के दौरान जान गंवाने वालों के डीएनए सैंपल का मिलान करेंगे। भारत से 11 टन राहत सामग्री लेकर चौथी फ्लाइट रविवार को नेपाल पहुंची। विदेश मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बताया कि भारतीय वायुसेना का सी-130 विमान राहत सामग्री के साथ नेपाल पहुंच गया है। इस विमान में सर्च और रेस्क्यू ऑपरेशन में मदद करने वाली एक टनल टेक्निकल टीम और जरूरी उपकरण भेजे गए हैं।

नेपाल में बाढ़ पीड़ितों के लिए आगे आया डब्ल्यूएचओ, जारी किए 1.5 लाख डॉलर

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल में आई भीषण बाढ़ को देश की सबसे बड़ी त्रासदियों में से एक बताया जा रहा है। इस मुश्किल घड़ी में विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने मदद का हाथ बढ़ाया है। डब्ल्यूएचओ ने नेपाल में बाढ़ प्रभावित समुदायों की तत्काल स्वास्थ्य जरूरतों को पूरा करने के लिए दक्षिण-पूर्व एशिया क्षेत्रीय स्वास्थ्य आपातकालीन कोष से 1 लाख 50 हजार डॉलर की आपातकालीन राशि जारी की है। डब्ल्यूएचओ के दक्षिण-पूर्व एशिया क्षेत्रीय कार्यालय के प्रभारी डॉ. नीलेश बुद्धा ने कहा, 'आपातकालीन फंड तत्काल प्राथमिकताओं को पूरा करने में मदद करेगा। डब्ल्यूएचओ राहत और रिकवरी प्रयासों के जरिए नेपाल का समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध है। '

आरक्षण विवाद पर तेजस्वी यादव बोले-

दम है तो आरक्षित सीटों से इस्तीफा देकर सामान्य सीट से चुनाव लड़ें

एजेंसी

पटना। बिहार में आरक्षण की समीक्षा को लेकर जारी सियासी घमासान के बीच राजद के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष तेजस्वी यादव ने एनडीए नेताओं पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि आरक्षण को खत्म करने की ताकत किसी में नहीं है। तेजस्वी ने भाजपा, आरएसएस और एनडीए के सहयोगी दलों पर आरक्षण को लेकर दोहरा रवैया अपनाने का आरोप लगाते हुए कहा कि अगर नेताओं में दम है तो वे अपनी आरक्षित सीटों से इस्तीफा देकर सामान्य सीट से चुनाव लड़कर दिखाएं। मीडिया से बातचीत में तेजस्वी यादव ने कहा, 'एक बात समझने की जरूरत है कि अभी तक कोई पैदा नहीं हुआ है जो आरक्षण को खत्म कर सके। इन लोगों को नागपुर से खबर जाती है कि एक पक्ष में बोलो और एक विपक्ष में बोलो। ' तेजस्वी यादव ने कहा कि उन्होंने कभी

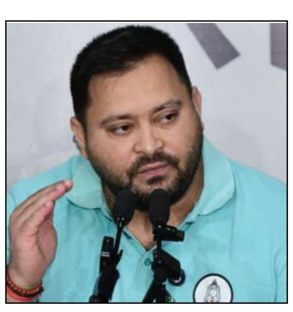

आरक्षण का इस्तेमाल नहीं किया और न ही इसका लाभ उठाया। वहीं, उन्होंने हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा के प्रमुख जीतन राम मांझी और लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के प्रमुख चिराग पासवान का नाम लेते हुए कहा कि ये लोग लगातार आरक्षित सीटों से चुनाव लड़ते रहे हैं और इसके बावजूद आरक्षण को लेकर इस तरह के बयान दे रहे हैं। तेजस्वी ने आरोप लगाया कि जो लोग आरक्षण को खत्म करना चाहते हैं, चिराग पासवान, जीतन राम मांझी, नीतीश कुमार की पार्टी और उपेंद्र कुशवाहा उनके साथ खड़े हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और भाजपा शुरू से ही आरक्षण विरोधी रही हैं और आरक्षण को समाप्त करना चाहती हैं। उन्होंने एनडीए नेताओं को चुनौती देते हुए कहा, 'लुका-छिपी मत खेलिए। अगर दम है तो अपनी आरक्षित सीटों से इस्तीफा दे दीजिए और सामान्य सीट से चुनाव लड़कर देख लीजिए।'

'यह देश संविधान से चलेगा मनुस्मृति से नहीं'

आरएसएस मुख्यालय के बाहर यूथ कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जलाई मनुस्मृति

एजेंसी

लखनऊ । उत्तर प्रदेश में अगले साल यानी 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के कथित 'शुद्धिकरण' के मामले में यूथ कांग्रेस ने रविवार को आरएसएस मुख्यालय के बाहर प्रदर्शन किया। इस दौरान आईवाईसी कार्यकर्ताओं ने संघ और बीजेपी को 'भेदभावपूर्ण और जातिवादी' विचारधारा वाला बताया। कार्यकर्ताओं ने इस दौरान मनुस्मृति के पन्ने भी जलाए। यूथ कांग्रेस का यह प्रदर्शन राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब ने प्रदर्शन की अगुवाई में झंडेवालान में स्थित आरएसएस मुख्यालय के बाहर हुआ। इस दौरान प्रदर्शन कर रहे कार्यकर्ताओं के हाथों में संविधान की एक प्रति थी और उन्होंने युवा कांग्रेस के अन्य कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर मनुस्मृति के खिलाफ नारे लगाए। तस्वीरों में प्रदर्शनकारियों को संविधान की प्रस्तावना की प्रतियां, मनुस्मृति का विरोध करने वाले पोस्टर और इस प्राचीन ग्रंथ की प्रतियां लिये हुए देखा गया। इस प्रदर्शन के दौरान यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ताओं को मनुस्मृति के पन्ने जलाते हुए देखा गया, जबकि आधी जली हुई प्रतियां और 'मनुस्मृति को नकारो' लिखे पोस्टर जमीन पर पड़े थे। उदय भानु चिब ने आरोप लगाया कि देश में संविधान की विचारधारा और भाजपा-संघ की विचारधारा के बीच लड़ाई चल रही है। उन्होंने दावा किया कि भाजपा-संघ की विचारधारा मनुस्मृति से प्रेरित है और 'दलित-विरोधी' है और देश जो है संविधान से चलेगा मनुस्मृति से नहीं।'

हिमाचल प्रदेश पर भी मंडरा रहा नेपाल जैसी त्रासदी का खतरा

67 जोखिम भरी ग्लेशियल झीलों की हुई पहचान

एजेंसी

शिमला। नेपाल में आई भीषण बाढ़ की वजह हिमालयी क्षेत्र में ग्लेशियर/बर्फ और चट्टानों का अचानक खिसकना था। बर्फ के चट्टानों या ग्लेशियर के खिसकने से भोटेकोशी नदी में अचानक पानी का प्रवाह बढ़ गया और फिर बाढ़ का पानी और मलबे नेपाल में तबाही मचा दी। इस त्रासदी के बाद अब दुनियाभर के वैज्ञानिक उन ग्लेशियर की पहचान में जुट गए हैं जो भविष्य में इस तरह की तबाही मचा सकते हैं। इस बीच हिमाचल प्रदेश में भी ऐसी 67 झीलों की पहचान की गई है जो जोखिम से भरी हैं और भविष्य में नेपाल जैसी त्रासदी को अंजाम दे सकती हैं। न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक, डिजास्टर मैनेजमेंट के स्पेशल सेक्रेटरी पुष्पेंद्र राणा ने बताया है कि हिमाचल प्रदेश में 67 जोखिम वाली ग्लेशियल झीलों की पहचान की गई है। इनमें दूर-दराज और

ऊंचे इलाकों की कई झीलें शामिल हैं। इनमें से 4 झीलों के लिए आपदा प्रबंधन विभाग अर्ली वॉर्निंग सिस्टम लगाने पर काम कर रहा है।

4 झीलें मचा सकती हैं तबाही

पुष्पेंद्र राणा के मुताबिक, यह चार झीलें किन्नौर और लाहौल-स्पीति में हैं। राज्य सैटेलाइट इमेजरी और दूसरे साइंटिफिक डेटा का इस्तेमाल करके इन झीलों की पहचान की गई है और आपदा प्रबंधन विभाग इन झीलों पर विशेष नजर रखे हुए है। पुष्पेंद्र राणा के मुताबिक, जिन झीलों को आइडेंटिफाई किया गया है वह उस श्रेणी की हैं जो ग्लेशियल के फटने के बाद बाढ़ का खतरा पैदा कर सकती हैं।यह सेंसर लगाने और दूर-दराज की जगहों से रियल-टाइम डेटा भेजने के लिए टेक्निकल सॉल्यूशन भी ढूंढ रहा है, जहां पारंपरिक कम्युनिकेशन नेटवर्क मौजूद नहीं हैं।

तलाकशुदा पत्नी को गुजारा-भत्ता नहीं दी तो सैलरी से कटेगी रकम, ओडिशा सरकार का बड़ा आदेश

सीएम शिकायत सेल तक पहुंच रहे ऐसे मामले

एजेंसी

भुवनेश्वर। तलाक के बाद गुजारा-भत्ता यानी एलिमनी का भुगतान नहीं करने वाले सरकारी कर्मचारियों पर अब ओडिशा सरकार सख्ती करने जा रही है। मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने निर्देश दिया है कि यदि किसी कर्मचारी को अदालत ने तलाकशुदा पत्नी या बच्चों को हर महीने गुजारा-भत्ता देने का आदेश दिया है और कर्मचारी इसका पालन नहीं करता, तो संबंधित रकम उसकी मासिक सैलरी से काट ली जाए। कटौती के बाद राशि इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से सीधे संबंधित महिला या बच्चे के बैंक खाते में ट्रांसफर की जाएगी। सरकार का यह फैसला उन मामलों को देखते हुए लिया गया है, जिनमें अदालत के स्पष्ट आदेश के बावजूद कर्मचारियों द्वारा गुजारा-भत्ता देने में लापरवाही की शिकायतें सामने आ रही थीं। मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से जारी बयान के मुताबिक, शिकायत सुनवाई के दौरान हर बार ऐसे दो-तीन मामले सामने आते हैं, जिनमें सरकारी कर्मचारी अदालत के आदेश के बावजूद अपनी तलाकशुदा पत्नी या बच्चों को नियमित गुजारा-भत्ता नहीं दे रहे होते हैं। इन शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए मुख्यमंत्री ने संबंधित विभागों को वेतन से रकम काटकर भुगतान सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार के कर्मचारी होने के नाते अदालत के आदेश की अवहेलना स्वीकार नहीं की जा सकती। तलाकशुदा महिलाओं और बच्चों के साथ ऐसा व्यवहार भी उचित नहीं है।

कैसे कटेगी कर्मचारी की सैलरी?

मुख्यमंत्री के निर्देश के बाद राज्य सरकार ने भुगतान की प्रक्रिया भी स्पष्ट की है। अदालत से गुजारा-भत्ता देने का आदेश मिलने के बाद संबंधित डिविजनल डीडीओ कर्मचारी का मासिक वेतन बिल तैयार करेगा। वेतन तैयार करते समय अदालत द्वारा निर्धारित गुजारा-भत्ते की रकम कर्मचारी की सैलरी से काट ली जाएगी। इसके बाद यह राशि इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से सीधे तलाकशुदा महिला या बच्चे के बैंक खाते में जमा कराई जाएगी। इससे भुगतान में देरी या कर्मचारी की ओर से जानबूझकर की जाने वाली अनदेखी को रोकने की कोशिश होगी।

सरकार ने गुजारा-भत्ता से जुड़े मामलों को बेहतर तरीके से ट्रैक करने के लिए मानव संसाधन प्रबंधन प्रणाली (एचआरएमएस) में भी आवश्यक सुधार करने का निर्देश दिया है। इसका उद्देश्य ऐसे मामलों में रिकॉर्ड रखने और वेतन कटौती की प्रक्रिया को अधिक व्यवस्थित बनाना है।

महानगर मेट्रो
www.mahanagarmetro.com
अहमदाबाद, (सोमवार)
31 अगस्त 2026

दारूबंदी के दावों के बीच वलसाड में भाजपा के ही नेता निकले देशी शराब के 'सौदागर'

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वलसाड। गुजरात में दारूबंदी के कड़े अमल के दावे करने वाली भाजपा सरकार के सामने वलसाड से एक ऐसा मामला सामने आया है, जिसने राजनीतिक हलकों में हलचल पैदा कर दी है। वलसाड में पुलिस की कार्रवाई के दौरान सत्ताधारी भाजपा से जुड़े लोगों के कथित तौर पर देशी शराब के अवैध कारोबार में शामिल होने की बात सामने आई है। बताया जा रहा है कि शराब के इस कथित अड्डे से जुड़े लोगों में एक स्थानीय सरपंच और भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा का एक पदाधिकारी भी शामिल है। इस मामले के सामने आने के बाद गुजरात सरकार के दारूबंदी कानून और 'जीरो टॉलरेंस' नीति को लेकर विपक्ष की ओर से भी सवाल उठाए जा रहे हैं। वलसाड में पुलिस की छापेमारी के बाद शराब के कथित अवैध कारोबार को लेकर चौंकाने वाली जानकारी सामने आई है। आरोप है कि इस कारोबार से जुड़े प्रमुख लोगों में एक स्थानीय सरपंच और भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा का पदाधिकारी शामिल था। मामले ने इसलिए भी तूल पकड़ लिया है क्योंकि जिन लोगों पर कथित रूप से अवैध शराब कारोबार से जुड़े होने के आरोप लगे हैं, वे राजनीतिक और स्थानीय स्तर पर जिम्मेदार पदों से जुड़े बताए जा रहे हैं। गुजरात में दारूबंदी कानून के कड़े पालन को लेकर सरकार लगातार अपनी नीति और कार्रवाई का हवाला देती रही है। ऐसे में सत्ताधारी दल से जुड़े पदाधिकारियों के कथित रूप से अवैध शराब कारोबार से जुड़े होने की खबर सामने आने के बाद सरकार की कार्यप्रणाली पर सवाल उठने लगे हैं। विपक्ष और स्थानीय स्तर पर अब यह सवाल उठाया जा रहा है कि यदि दारूबंदी कानून सभी के लिए समान है.

5 करोड़ रुपये की कथित धोखाधड़ी में सनसनीखेज खुलासा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जूनागढ़। सौराष्ट्र के राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्र में 5 करोड़ रुपये की कथित धोखाधड़ी को लेकर एक बेहद चौंकाने वाला विवाद सामने आया है। जूनागढ़ जिले के भेसाण निवासी किसान और भाजपा के अग्रणी नेता करशनभाई डोबरिया ने सोशल मीडिया पर लाइव आकर अपनी आपबीती सुनाई। उन्होंने भाजपा सरकार और पाटीदार समाज की प्रमुख सामाजिक संस्था खोडलधाम से जुड़े बड़े नेताओं पर 5 करोड़ रुपये की कथित धोखाधड़ी के मामले में गंभीर आरोप लगाए हैं। करशनभाई डोबरिया का आरोप है कि व्यापार-कारोबार के नाम पर दिए गए करोड़ों रुपये उन्हें वापस नहीं मिले। कथित तौर पर धोखाधड़ी करने वाले व्यक्ति के खिलाफ कार्रवाई नहीं होने के कारण पूरा डोबरिया परिवार मानसिक परेशानी और गंभीर आर्थिक संकट से गुजर रहा है। करशनभाई डोबरिया ने लाइव वीडियो में आक्रोश व्यक्त करते हुए कहा कि उनके साथ करोड़ों रुपये की धोखाधड़ी की गई है। उनका दावा है कि जब उन्होंने अपने हक के पैसे वापस मांगने और कानूनी कार्रवाई की कोशिश की, तो उन्हें न्याय दिलाने के बजाय सत्ताधारी दल के बड़े नेताओं और खोडलधाम संस्था से जुड़े प्रभावशाली लोगों द्वारा कथित आरोपी को संरक्षण दिया गया।

भेसाण के भाजपा नेता करशनभाई डोबरिया लाइव आए, खोडलधाम और भाजपा के दिग्गज नेताओं पर लगाए गंभीर आरोप

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जूनागढ़। सौराष्ट्र के राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्र में 5 करोड़ रुपये की कथित धोखाधड़ी को लेकर एक बेहद चौंकाने वाला विवाद सामने आया है। जूनागढ़ जिले के भेसाण निवासी किसान और भाजपा के अग्रणी नेता करशनभाई डोबरिया ने सोशल मीडिया पर लाइव आकर अपनी आपबीती सुनाई। उन्होंने भाजपा सरकार और पाटीदार समाज की प्रमुख सामाजिक संस्था खोडलधाम से जुड़े बड़े नेताओं पर 5 करोड़ रुपये की कथित धोखाधड़ी के मामले में गंभीर आरोप लगाए हैं। करशनभाई डोबरिया का आरोप है कि व्यापार-कारोबार के नाम पर दिए गए करोड़ों रुपये उन्हें वापस नहीं मिले। कथित तौर पर धोखाधड़ी करने वाले व्यक्ति के खिलाफ कार्रवाई नहीं होने के कारण पूरा डोबरिया परिवार मानसिक परेशानी और गंभीर आर्थिक संकट से गुजर रहा है। करशनभाई डोबरिया ने लाइव वीडियो में आक्रोश व्यक्त करते हुए कहा कि उनके साथ करोड़ों रुपये की धोखाधड़ी की गई है। उनका दावा है कि जब उन्होंने अपने हक के पैसे वापस मांगने और कानूनी कार्रवाई की कोशिश की, तो उन्हें न्याय दिलाने के बजाय सत्ताधारी दल के बड़े नेताओं और खोडलधाम संस्था से जुड़े प्रभावशाली लोगों द्वारा कथित आरोपी को संरक्षण दिया गया। करशनभाई का आरोप है कि सत्ताधारी दल से जुड़े प्रभावशाली लोगों के कथित दबाव के कारण आरोपी के खिलाफ पुलिस थाने में उचित शिकायत दर्ज कराने और कड़ी कार्रवाई कराने में भी बाधाएं आ रही हैं। अपने साथ हुए कथित अन्याय के खिलाफ संघर्ष कर रहे करशनभाई डोबरिया ने दावा किया कि उन्होंने गुजरात के गृहमंत्री हर्ष संघवी तक लिखित और मौखिक रूप से अपनी शिकायत पहुंचाई है।

याजखोरी के काले कारोबार पर बड़ा प्रहारः भाजपा नेता राजू करपड़ा समेत 79 साहूकारों के लाइसेंस रद्द

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गुजरात। राज्य में अवैध याजखोरी और साहूकारों के कथित उत्पीड़न के खिलाफ चल रही मुहिम के बीच एक बड़ी कार्रवाई सामने आई है। नियमों का उल्लंघन कर कथित तौर पर जरूरतमंद लोगों से अत्यधिक ब्याज वसूलने के मामले में भाजपा नेता राजू करपड़ा समेत कुल 79 साहूकारों के धन उधार देने के लाइसेंस रद्द कर दिए गए हैं। इसके साथ ही इन सभी पर अगले 3 वर्षों तक नया लाइसेंस हासिल करने और धन उधार देने पर प्रतिबंध लगाया गया है। प्रशासन की इस कार्रवाई के बाद साहूकारी और याजखोरी के कारोबार से जुड़े लोगों में हड़कंप मच गया है। कार्रवाई सामने आने के बाद आम लोगों के बीच सबसे बड़ा सवाल यही उठ रहा है कि आखिर इन साहूकारों द्वारा कितना अत्यधिक ब्याज वसूला गया होगा कि प्रशासन को लाइसेंस रद्द करने जैसा सख्त कदम उठाना पड़ा। आरोप है कि निर्धारित ब्याज दरों से अधिक रकम वसूलकर गरीब, किसान और मध्यमवर्गीय परिवारों पर आर्थिक बोझ डाला जा रहा था। जरूरत के समय पैसा लेने वाले लोगों से कथित तौर पर भारी ब्याज वसूले जाने की शिकायतें लंबे समय से सामने आती रही हैं। ऐसे में भाजपा नेता राजू करपड़ा का नाम भी 79 साहूकारों की सूची में सामने आने के बाद राजनीतिक स्तर पर भी सवाल उठने लगे हैं। साहूकारों के कथित चंगुल में फंसकर कई जरूरतमंद परिवार आर्थिक संकट का सामना करते हैं। अत्यधिक ब्याज और कर्ज के दबाव के कारण लोगों के सामने गंभीर परिस्थितियां पैदा होने के मामले भी समय-समय पर सामने आते रहे हैं। ऐसे में धन उधार देने के कारोबार में नियमों का पालन सुनिश्चित करने और अवैध ब्याज वसूली पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से प्रशासन की यह कार्रवाई महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

महानगर मेट्रो सुपर एक्सक्लूसिव

अनंता हॉस्पिटल मौत का सौदागर

लाखों लूट रहे मेडिकल माफिया की खुली तानाशाही

निकोल के मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल में एक्सपायर दवाइयां और नकली वेंटिलेटर देकर रिटायर्ड PSI को मार डाला गया

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

अहमदाबाद। जिस हॉस्पिटल को मरीज और उनके परिवार वाले 'फरिश्ता' मानते हैं, वह अब 'मौत का घर' और 'सफेद कोट पहने कसाइयों' का अड्डा बन गया है। अहमदाबाद के निकोल इलाके के सबसे बड़े अनंता हॉस्पिटल से एक सनसनीखेज और दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है, जिसने पूरे गुजरात के मेडिकल जगत और प्रशासन को हिलाकर रख दिया है। खाकी वर्दी पहनकर ज़िंदगी भर जनता की रक्षा करने वाले रिटायर्ड PSI भी इस मेडिकल माफिया की क्रूरता का शिकार हो गए हैं।

जान बचाने गए थे और मौत के मुंह में धकेल दिए गए!

रिटायर्ड PSI को इलाज के लिए निकोल के अनंता हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था। लेकिन हॉस्पिटल के डॉक्टरों और एडमिनिस्ट्रेटर्स के लिए, मरीज़ की जान नहीं, बल्कि उसके रिश्तेदारों की जेब से निकलने वाले लाखों रुपये मेन मकसद थे।

एक्सपायर हो चुकी दवाओं का इस्तेमालः मरीज़ को ठीक करने के नाम पर एक्सपायर और खतरनाक दवाएं दी गईं।

डर देकर साइन करवानाः मरीज़ के घरवालों को डराकर और इमोशनल ब्लैकमेल करके कागज़ों पर साइन करवाए गए।

बेवजह वेंटिलेटरः मरीज़ को गलत तरीके से और बेवजह वेंटिलेटर पर रखा गया, ताकि हर दिन लाखों रुपये का बिल बन सके।

नतीजा यह हुआ कि लालची डॉक्टरों के गलत इलाज और

लाखों रुपये लिए गए, लेकिन जान नहीं बची!

इलाज के नाम पर परिवार से लाखों रुपये लिए गए। पैसे भी चले गए और घर का खंभा भी छीन लिया गया। परिवार का आरोप है कि यह सिर्फ़ लापरवाही नहीं है, बल्कि पैसे के लालच में हत्या की साज़िश है। इस घटना के बाद पूरे अहमदाबाद में अनंता हॉस्पिटल के ख़िलाफ़ भारी गुस्सा है। ज़ोरदार मांग की गई है कि इन कसाई डॉक्टरों पर केस दर्ज करके उन्हें जेल भेजा जाए और हॉस्पिटल का लाइसेंस तुरंत कैंसिल किया जाए।

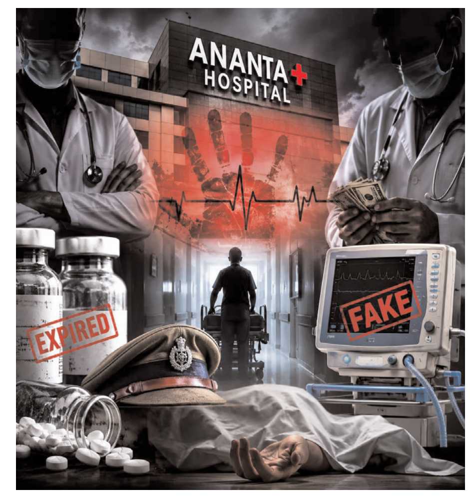

लापरवाही की वजह से एक रिटायर्ड PSI ने हॉस्पिटल के बेड पर ही आखिरी सांस ली।

एक पुलिस ऑफिसर की इस लेवल की गद्दारी, आम आदमी का क्या?

सबसे बड़ा और ज्वलंत सवाल यह है कि अगर एक मरीज़ के साथ धोखाधड़ी और हत्या जैसी लापरवाही एक ऐसे इंसान के परिवार के साथ दिखाई जा रही है जो खुद पुलिस डिपार्टमेंट में रहा हो, जिसे कानून और नियमों की जानकारी हो, तो उस आम और गरीब आदमी की क्या हालत होती होगी जो हर दिन इस हॉस्पिटल में आता है? क्या अनंता हॉस्पिटल सिर्फ़ मरीज़ों को लूटने और मारने के लिए खुला रखा गया है?

अहमदाबाद पूर्व में सेक्टर-2 पुलिस की बड़ी कार्रवाई हथियार अभियान में 250 से अधिक घातक हथियार जमा

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

अहमदाबाद। असामाजिक तत्वों और अवैध हथियारों पर लगाम कसने के लिए अहमदाबाद शहर के पूर्वी क्षेत्र में सेक्टर-2 पुलिस ने घातक हथियारों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया। पुलिस द्वारा चलाए गए इस अभियान में दो दिनों के भीतर 250 से अधिक घातक हथियार पुलिस के समक्ष जमा किए जाने की जानकारी सामने आई है। पुलिस की इस कार्रवाई का उद्देश्य क्षेत्र में कानून-व्यवस्था मजबूत करना और अपराध पर अंकुश लगाना बताया गया है। सेक्टर-2 के अंतर्गत आने वाले विभिन्न पुलिस थाना क्षेत्रों में लगातार दो दिनों तक यह अभियान चलाया गया। पुलिस के अनुसार यह केवल सामान्य जांच अभियान तक सीमित नहीं था, बल्कि लोगों में कानून के प्रति जागरूकता और अवैध हथियारों के खिलाफ भय पैदा करने के साथ-साथ सुरक्षित वातावरण तैयार करने के उद्देश्य से व्यवस्थित तरीके से चलाया गया। सोशल मीडिया के जरिए जागरूकता पुलिस की डिजिटल टीमों ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से लोगों को अवैध और घातक हथियार रखने के कानूनी परिणामों के बारे में जानकारी दी और हथियार रखने वालों से उन्हें पुलिस के समक्ष जमा करने की अपील की। पुलिस टीमों ने केवल पुलिस थानों तक सीमित रहने के बजाय क्षेत्र की गलियों, सड़कों और प्रमुख चौराहों पर सार्वजनिक उद्घोषणा प्रणाली के माध्यम से लोगों को जागरूक किया।

दांता-हड़ाद तालुका की आंगनबाड़ी का नाम खराब होने से पहले विवादित वितरणकर्ता को बदलने की मांग

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

दांता-हड़ाद। दांता-हड़ाद तालुका में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सीडीपीओ द्वारा वर्तमान में सराहनीय कार्य किए जाने की चर्चा स्थानीय स्तर पर है। आंगनबाड़ी केंद्रों की गतिविधियां अच्छी तरह संचालित हो रही हैं, लेकिन वितरण की जिम्मेदारी कथित तौर पर विवादों में रहे व्यक्ति को सौंपे जाने के बाद लोगों में नाराजगी देखने को मिल रही है। स्थानीय लोगों की मांग है कि दांता-हड़ाद तालुका की आंगनबाड़ी व्यवस्था की छवि खराब होने से पहले वितरण की जिम्मेदारी संभाल रहे संबंधित व्यक्ति को तत्काल बदला जाए। लोगों

का कहना है कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सीडीपीओ की अच्छी कार्यप्रणाली के कारण विभाग के प्रति लोगों का विश्वास बढ़ा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि आंगनबाड़ी की बेहतर कार्यप्रणाली के बीच वितरण प्रक्रिया को लेकर किसी तरह का विवाद पैदा नहीं होना चाहिए। विभाग की छवि और लोगों के विश्वास को बनाए रखने के लिए संबंधित अधिकारियों को समय रहते उचित निर्णय लेना चाहिए। लोगों की मांग है कि विवादों में रहे वितरणकर्ता को हटाकर किसी पारदर्शी और भरोसेमंद व्यक्ति को वितरण की जिम्मेदारी सौंपी जाए, ताकि आंगनबाड़ी की सेवाओं को लेकर किसी तरह की शंका या विवाद की स्थिति पैदा न हो। फिलहाल स्थानीय स्तर पर एक ही मांग जोर पकड़ रही है कि संबंधित अधिकारियों द्वारा मामले को गंभीरता से लेते हुए जल्द निर्णय लिया जाए और आंगनबाड़ी की अच्छी छवि को बरकरार रखा जाए।

क्राइम ब्रांच की बड़ी कार्रवाईः पासा के तहत फरार शराबबंदी और संपत्ति संबंधी अपराधों के दो आरोपी गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। शहर में असामाजिक तत्वों और आपराधिक गतिविधियों में शामिल लोगों के खिलाफ अहमदाबाद क्राइम ब्रांच ने कार्रवाई तेज कर दी है। कागड़ापीठ पुलिस थाना क्षेत्र में शराबबंदी और संपत्ति संबंधी अपराधों में शामिल तथा लंबे समय से पासा के निरोधात्मक आदेश की तामील से बचकर फरार चल रहे दो आरोपियों को क्राइम ब्रांच की टीम ने ईसनपुर और दाणीलीमड़ा क्षेत्र से गिरफ्तार किया है।

दोनों आरोपियों के खिलाफ जारी हुआ था पासा आदेश

गिरफ्तार किए गए पहले आरोपी की पहचान ऋत्विक भरतभाई दवे (उम्र 24 वर्ष) के रूप में हुई है। वह अहमदाबाद के ईसनपुर क्षेत्र में विशालनगर, पानी की टंकी के पास, गोविंदवाड़ी में रहता है। कागड़ापीठ पुलिस थाने में उसके खिलाफ दर्ज शराबबंदी से जुड़े मामलों को ध्यान में रखते हुए अहमदाबाद शहर पुलिस आयुक्त ने आदेश 650/2026, दिनांक 24 अगस्त 2026 के तहत उसे राजकोट मध्यवर्ती जेल में पासा निरोधात्मक हिरासत में भेजने का आदेश जारी किया था। दूसरे आरोपी की पहचान मोहम्मदसोयब

अब्दुलसहमद गुलामरसूल शेख (उम्र 32 वर्ष) के रूप में हुई है। वह दाणीलीमड़ा में पुलिस लाइन के सामने आबादनगर के छापरा क्षेत्र में रहता है। उसके खिलाफ दर्ज संपत्ति संबंधी अपराधों को ध्यान में रखते हुए पुलिस आयुक्त ने आदेश क्रमांक पीसीबी/डीटीएन/पासा/653/2026, दिनांक 24 अगस्त 2026 के तहत उसे भी राजकोट मध्यवर्ती जेल भेजने का पासा आदेश जारी किया था। दोनों आरोपियों के खिलाफ पासा के तहत निरोधात्मक आदेश जारी होने के बावजूद वे पुलिस की गिरफ्तारी से बचने के लिए लगातार फरार चल रहे थे और पुलिस के समक्ष उपस्थित नहीं हो रहे थे। क्राइम ब्रांच की टीम ने पुख्ता सूचना और तकनीकी खुफिया जानकारी के आधार पर 30 अगस्त 2026 को दोनों आरोपियों को अलग-अलग इलाकों से पकड़ लिया। गिरफ्तारी के बाद दोनों आरोपियों को पासा आदेश की विधिवत तामील कराने के लिए कागड़ापीठ पुलिस थाने को सौंपने की प्रक्रिया शुरू की गई है। ऋत्विक दवे के खिलाफ कागड़ापीठ पुलिस थाने में शराबबंदी अधिनियम से जुड़े दो मामले दर्ज हैं। कागड़ापीठ पुलिस थाना पार्ट-सी अपराध 11191025250369/2025, शराबबंदी अधिनियम की धारा 65(ए)(ए), 116(बी), 81 और 98(2) के तहत। मोहम्मदसोयब शेख के खिलाफ भी कागड़ापीठ पुलिस थाने में पहले से मामले दर्ज हैं। कागड़ापीठ पुलिस थाना सेकंड अपराध क्रमांक 225/2018 जुआ अधिनियम की धारा 12 के तहत। कागड़ापीठ पुलिस थाना पार्ट 11191011252206780/2022, गुजरात पुलिस अधिनियम के तहत। क्राइम ब्रांच की इस कार्रवाई के बाद आपराधिक गतिविधियों में शामिल तत्वों में हड़कंप मच गया है। पुलिस द्वारा पासा आदेश के तहत फरार आरोपियों की धरपकड़ की कार्रवाई आगे भी जारी रहने की बात कही गई है।

मसाला कारोबारियों पर FSSAI का बड़ा एक्शनः 'एवरेस्ट' और 'लालजी गोधू' की हींग की बिक्री पर तत्काल रोक!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। भारत में करोड़ों लोगों की रसोई में रोजाना इस्तेमाल होने वाले मसाला उत्पादों को लेकर खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण ने सख्त रुख अपनाया है। मसाला क्षेत्र की चर्चित कंपनी 'एवरेस्ट फूड प्रोडक्ट्स' की मिश्रित हींग पाउडर की बिक्री पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाए जाने की जानकारी सामने आई है। FSSAI की प्रयोगशाला जांच में एवरेस्ट की हींग के नमूने निर्धारित गुणवत्ता मानकों पर खरे नहीं उतरे। सरकारी मानकों के अनुसार हींग में कम से कम 5 प्रतिशत अल्कोहल-सॉल्युबल एक्सट्रैक्ट होना जरूरी है। लेकिन जांच के दौरान एवरेस्ट के नमूनों में यह मात्रा शून्य से लेकर 3.29 प्रतिशत और अधिकतम 4.4 प्रतिशत तक ही पाई गई। इसके अलावा उत्पाद की लेबलिंग में भी खामियां सामने आने और उपभोक्ताओं को भ्रमित करने वाली जानकारी होने की बात कही गई है। इसी सख्त जांच अभियान के तहत FSSAI ने एक अन्य चर्चित ब्रांड 'लालजी गोधू' की हींग को लेकर भी गुणवत्ता में कमी और मिलावट से संबंधित कार्रवाई के आदेश जारी किए हैं। खाद्य उत्पादों की गुणवत्ता को लेकर हुई इस कार्रवाई के बाद खाद्य बाजार में हलचल बढ़ गई है। हींग के उत्पादों पर कार्रवाई के बाद अब नागरिकों और उपभोक्ता संगठनों की ओर से खाद्य क्षेत्र में गुणवत्ता और सुरक्षा को लेकर व्यापक सवाल उठाए जा रहे हैं। बाजार में बच्चों द्वारा खाए जाने वाले वेफर, बिस्किट, नाश्ते और पैकेज्ड खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। आरोप लगाया जा रहा है कि कुछ बड़े खाद्य निर्माता घटिया गुणवत्ता वाले आटे, रसायनयुक्त पाम ऑयल और अत्यधिक परिरक्षकों का इस्तेमाल करते हैं।

चेन्नई से नाडोल आशापुरा माताजी धाम के लिए 3000 किलोमीटर की पैदल यात्रा शुरू

चेन्नई से नाडोल आशापुरा माताजी धाम के लिए 3000 किलोमीटर की पैदल यात्रा शुरू, 60 दिनों में पहुंचेंगे श्रद्धालु

महानगर मेट्रो ब्यूरो

चेन्नई। राजस्थान के पाली जिले स्थित प्रसिद्ध श्री नाडोल आशापुरा माताजी धाम के दर्शन के लिए चेन्नई से करीब 3000 किलोमीटर लंबी पैदल धार्मिक यात्रा का भव्य शुभारंभ हुआ। माली समाज के श्रद्धालुओं की ओर से शुरू की गई इस यात्रा को लेकर समाजजनों में खासा उत्साह देखने को मिला। गाजे-बाजे, भक्ति गीतों और माता के जयकारों के बीच श्रद्धालुओं ने आस्था और संकल्प के साथ नाडोल धाम की ओर कदम बढ़ाए। माली समाज के पिंटू भाई जावाल, राजू भाई सवणा और मनीष भाई माली ओड़ा सहित श्रद्धालु इस पैदल यात्रा में शामिल हुए हैं। यात्रियों का लक्ष्य करीब 3000 किलोमीटर की दूरी पैदल तय कर लगभग 60 दिनों में श्री नाडोल आशापुरा माताजी धाम पहुंचना है। लंबी दूरी और करीब दो महीने की यात्रा होने के बावजूद श्रद्धालुओं में उत्साह और भक्ति का भाव देखते ही बन रहा था। सुबह करीब 8 बजे यात्रा का शुभारंभ धार्मिक एवं भक्तिमय वातावरण में किया गया। यात्रा शुरू होने से पहले श्रद्धालुओं और समाजजनों की मौजूदगी में आशापुरा माताजी की भव्य आरती की गई। इसके बाद ढोल-नगाड़ों और भक्ति गीतों के साथ यात्रियों को विदाई दी गई। श्रद्धालु आशापुरा माताजी के जयकारे लगाते हुए पैदल यात्रा पर रवाना हुए। इस दौरान बड़ी संख्या में समाजबंधुओं ने यात्रियों का स्वागत कर उन्हें शुभकामनाएं दीं। यात्रा के शुभारंभ अवसर पर माली समाज की ओर से पैदल यात्रियों के सम्मान और स्वागत का विशेष आयोजन किया गया। समाज के लोगों ने यात्रियों के प्रति अपनी श्रद्धा और सहयोग व्यक्त करते हुए कहा कि यह यात्रा केवल एक धार्मिक यात्रा नहीं, बल्कि आस्था, विश्वास और संकल्प का प्रतीक है। यात्रियों के सुरक्षित और सफल सफर के लिए माताजी से प्रार्थना भी की गई। यात्रा के पहले दिन श्रद्धालुओं का रात्रि विश्राम पुनमवली में निर्धारित किया गया है। इसके बाद यात्रा विभिन्न पड़ावों से होते हुए आगे बढ़ेगी। करीब 3000 किलोमीटर की दूरी तय करने के दौरान यात्रियों को कई शहरों और गांवों से होकर गुजरना होगा। यात्रा को लेकर श्रद्धालुओं ने पूरी तैयारी की है और निर्धारित समय में नाडोल धाम पहुंचने का संकल्प लिया है। श्रद्धालुओं ने कहा कि आशापुरा माताजी के प्रति उनकी गहरी आस्था और विश्वास ही उन्हें इतनी लंबी पैदल यात्रा के लिए प्रेरित कर रहा है।

छोटाउदेपुर के सिंगला के पास भीषण सड़क हादसा पेड़ से टकराई तेज रफ्तार वोक्सवैगन कार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

छोटाउदेपुर। छोटाउदेपुर के पास स्थित सिंगला घाटी में आज शाम एक भीषण सड़क हादसा हो गया। तेज रफ्तार से जा रही एक वोक्सवैगन कार अचानक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पेड़ से जोरदार तरीके से जा टकराई। हादसे में कार सवार दो लोगों को गंभीर चोटें आई हैं। ####अचानक स्टेयरिंग से खोया नियंत्रण, पेड़ से जा भिड़ी कार प्राप्त जानकारी के अनुसार, सिंगला गांव के पास आज शाम चिमनभाई रमणभाई राठवा और भुवनभाई सुरतनभाई राठवा वोक्सवैगन कार से जा रहे थे। बताया जा रहा है कि कार तेज रफ्तार में थी। पेट्रोल पंप के पास कुछ दूरी पर अचानक चालक का स्टेयरिंग से नियंत्रण छूट गया। नियंत्रण खोने के बाद कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे एक पेड़ से जोरदार टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और उसके परखच्चे उड़ गए। हादसे के दौरान कार की एयरबैग भी खुल गई। हादसे में कार में सवार दोनों लोगों को गंभीर चोटें आईं। दुर्घटना होते ही आसपास के लोग और वहां से गुजर रहे वाहन चालक मौके पर एकत्र हो गए। स्थानीय लोगों ने दोनों घायलों को कार से बाहर निकालने और उन्हें उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाने में मदद की। इसके बाद दोनों घायलों को 108 एंबुलेंस के माध्यम से छोटाउदेपुर सिविल अस्पताल ले जाया गया, जहां उनका उपचार शुरू किया गया। बढ़ते यातायात के बीच हादसों पर रोक लगाने की जरूरत हादसा इतना भीषण था कि कार की हालत देखकर ही दुर्घटना की गंभीरता का अंदाजा लगाया जा सकता है।

श्रमिक की मौत से खंभात का कलमसर सुलगा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

खंभात। आणंद जिले के खंभात तहसील के कलमसर गांव में स्थित 'रोहन डाइज एंड इंटरमीडिएट' कंपनी में हुए एक दर्दनाक हादसे में श्रमिक रणजीतसिंह नटुभाई सिंधा की मौत हो गई। घटना के बाद पूरे इलाके में शोक के साथ भारी आक्रोश फैल गया है। परिवार का पालन-पोषण करने वाले घर के मुखिया की मौत से परिजन और ग्रामीण सदमे में हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि औद्योगिक सुरक्षा नियमों की कथित अनदेखी और कंपनी प्रबंधन की गंभीर लापरवाही के कारण यह हादसा हुआ। ग्रामीणों ने मामले की निष्पक्ष जांच कर जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग की है। रणजीतसिंह सिंधा की मौत को ग्रामीण महज हादसा मानने को तैयार नहीं हैं। उनका आरोप है कि यह कंपनी प्रबंधन की गंभीर लापरवाही का परिणाम है। स्थानीय लोगों ने भारतीय न्याय संहिता के तहत आपराधिक लापरवाही से हुई मौत के मामले में कंपनी के जिम्मेदार मालिकों और प्रबंधन के खिलाफ तत्काल प्राथमिकी दर्ज करने की मांग की है।

अंतरराष्ट्रीय मंच से RSS प्रमुख मोहन भागवत का बड़ा बयान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

न्यूयॉर्क। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने अमेरिका के न्यूयॉर्क में आयोजित 'वन वर्ल्ड, वन ह्यूमैनिटी' अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में हिंदुत्व, विश्व शांति और सामाजिक एकता को लेकर महत्वपूर्ण वक्तव्य दिया। उन्होंने हिंदुत्व के स्वरूप को स्पष्ट करते हुए कहा कि भारत में रहने वाले मुसलमानों को देश से बाहर निकालने की सोच हिंदुत्व नहीं है। भागवत के अनुसार, यदि कोई हिंदू यह मानता है कि भारत में मुसलमानों के लिए कोई स्थान नहीं है या उन्हें देश से बाहर निकाल देना चाहिए, तो वह वास्तविक अर्थों में हिंदू नहीं है। उनके इस बयान की चर्चा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी हो रही है। कार्यक्रम के दौरान हिंदू राष्ट्र को लेकर मुस्लिम समुदाय में उठने वाली आशंकाओं का उल्लेख करते हुए मोहन भागवत ने कहा कि जब हिंदू राष्ट्र की बात होती है, तो कई मुस्लिम भाई यह सवाल करते हैं कि क्या हिंदू राष्ट्र में उनके लिए जगह नहीं होगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि हिंदुत्व किसी को बाहर करने का आदेश नहीं देता। उनके मुताबिक, सभी धर्मों और पंथों को साथ लेकर चलना ही भारतीय संस्कृति और हिंदुत्व की वास्तविक पहचान है। मोहन भागवत ने धार्मिक विविधता पर अपनी बात रखते हुए कहा कि अलग-अलग धर्मों की पूजा-पद्धतियां और धार्मिक रीति-रिवाज अलग हो सकते हैं, लेकिन अंततः सभी रास्ते एक ही ईश्वरीय सत्य की ओर जाते हैं। उन्होंने धार्मिक कर्मकांड और मानवता के बीच अंतर समझाते हुए कहा कि धार्मिक विधि-विधान केवल ईश्वर की ओर संकेत करने का माध्यम हैं, जबकि वास्तविक धर्म मानवता की सेवा और सत्य की खोज में है। भागवत ने भारत की प्राचीन अवधारणा 'वसुधैव कुटुम्बकम्'का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत ने सदियों से पूरे विश्व को एक परिवार के रूप में देखा है। उन्होंने कहा कि विविधता प्रकृति की सुंदरता है और उसे स्वीकार करना तथा उसकी रक्षा करना प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। उन्होंने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवकों द्वारा किए जाने वाले सेवा कार्यों का भी उल्लेख किया। उनका कहना था कि प्राकृतिक आपदा या किसी संकट के समय सेवा करते हुए संघ स्वयंसेवक धर्म और जाति के आधार पर भेदभाव नहीं करते, बल्कि जरूरतमंद हर इंसान की मदद करना ही उनका उद्देश्य है।

खाकी के कथित अहंकार के खिलाफ कानून की लड़ाईः चांदखेड़ा थाने में धारा 307 को लेकर पुलिस और वकील आमने-सामने

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति को लेकर उठ रहे सवालों के बीच पुलिस तंत्र की कथित मनमानी का एक और मामला सामने आया है। चांदखेड़ा पुलिस थाने में अपनी शिकायत को लेकर पहुंचे वकीलों और पीड़ित परिवार की पुलिस अधिकारी के साथ कहासुनी हो गई, जिसके बाद थाने में काफी हंगामा हुआ। इस घटना ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या गंभीर अपराधों में सही कानूनी धाराएं दर्ज कराने के लिए भी पीड़ितों और उनके वकीलों को पुलिस थानों के चक्कर लगाने पड़ेंगे? मामले के अनुसार,

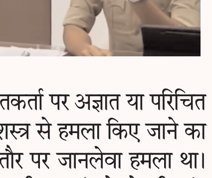

चांदखेड़ा इलाके में हुई एक हिंसक घटना में शिकायतकर्ता पर अज्ञात या परिचित व्यक्तियों द्वारा सिर पर धारदार हथियार जैसे घातक शस्त्र से हमला किए जाने का आरोप है। पीड़ित परिवार का दावा है कि यह सीधे तौर पर जानलेवा हमला था। परिवार और उनके वकील जब मामले में उचित कानूनी धाराएं जोड़ने की मांग को लेकर चांदखेड़ा पुलिस थाने पहुंचे, तो आरोप है कि चांदखेड़ा के पुलिस निरीक्षक ने 'चोट गंभीर नहीं है' का हवाला देते हुए भारतीय दंड संहिता की धारा 307 यानी हत्या के प्रयास की धारा जोड़ने से साफ इनकार कर दिया। ीड़ित पक्ष और वकीलों का आरोप है कि यह समस्या केवल चांदखेड़ा पुलिस थाने तक सीमित नहीं है। उनका कहना है कि कई पुलिस थानों में अपनी शिकायतों को लेकर पहुंचने वाले वकीलों और पीड़ितों की बात को गंभीरता से नहीं सुना जाता। आरोप यह भी लगाया जा रहा है कि गंभीर अपराधों को हल्की धाराओं के तहत दर्ज कर मामले को कमजोर करने की कोशिश की जाती है। यदि कानून की रक्षा के लिए काम करने वाले वकीलों को भी पुलिस अधिकारियों के सामने अपनी बात रखने में परेशानी का सामना करना पड़े, तो आम नागरिक की स्थिति का अंदाजा लगाया जा सकता है। इस पूरे मामले को लेकर पीड़ित परिवार और वकीलों ने कड़ा विरोध जताया है। वकीलों का कहना है कि सिर जैसे संवेदनशील अंग पर धारदार हथियार से हमला करना गंभीर घटना है और परिस्थितियों के आधार पर इसमें हत्या के प्रयास की धारा लागू किए जाने की आवश्यकता की जांच होनी चाहिए। घटना से जुड़ा वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आने के बाद अधिवक्ता समुदाय और बार काउंसिल से जुड़े सदस्यों में भी नाराजगी की बात सामने आई है। वकीलों ने सवाल उठाया है कि क्या किसी बड़ी घटना के बाद ही पुलिस प्रशासन जागेगा? फिलहाल इस मामले में लगाए गए आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि और पुलिस की ओर से विस्तृत प्रतिक्रिया सामने आना बाकी है। पूरे घटनाक्रम में पुलिस जांच और उपलब्ध चिकित्सकीय रिपोर्ट के आधार पर ही यह स्पष्ट होगा कि किन कानूनी धाराओं का प्रावधान बनता है।

छोटाउदेपुर के वाघस्थल डूंगर की तलहटी में युवक का संदिग्ध हालत में शव मिला, इलाके में मचा हड़कंप

महानगर मेट्रो ब्यूरो

छोटाउदेपुर। छोटाउदेपुर के पास स्थित सिंगला घाटी में आज शाम एक भीषण सड़क हादसा हो गया। तेज रफ्तार से जा रही एक वोक्सवैगन कार अचानक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पेड़ से जोरदार तरीके से जा टकराई। हादसे में कार सवार दो लोगों को गंभीर चोटें आई हैं।

अचानक स्टेयरिंग से खोया नियंत्रण, पेड़ से जा भिड़ी कार

प्राप्त जानकारी के अनुसार, सिंगला गांव के पास आज शाम चिमनभाई रमणभाई राठवा और भुवनभाई सुरतनभाई राठवा वोक्सवैगन कार से जा रहे थे। बताया जा रहा है कि कार तेज रफ्तार में थी। पेट्रोल पंप के पास कुछ दूरी पर अचानक चालक का स्टेयरिंग से नियंत्रण छूट गया।नियंत्रण खोने के बाद कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे एक पेड़ से जोरदार टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और उसके परखच्चे उड़ गए। हादसे के दौरान कार की एयरबैग भी खुल गई।

दोनों घायलों को 108 एंबुलेंस से अस्पताल पहुंचाया

हादसे में कार में सवार दोनों लोगों को गंभीर चोटें आईं। दुर्घटना होते ही आसपास के लोग और वहां से गुजर रहे वाहन चालक मौके पर एकत्र हो गए। स्थानीय लोगों ने दोनों घायलों को कार से बाहर निकालने और उन्हें उपचार के लिए अस्पताल

पहुंचाने में मदद की।इसके बाद दोनों घायलों को 108 एंबुलेंस के माध्यम से छोटाउदेपुर सिविल अस्पताल ले जाया गया, जहां उनका उपचार शुरू किया गया। हादसा इतना भीषण था कि कार की हालत देखकर की गंभीरता का अंदाजा लगाया

पुस्तक पढ़े बिना ही विरोध का बवंडरः क्या विरोध के पीछे कोई ठोस तथ्य है या सिर्फ धार्मिक राजनीति?

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। वर्तमान समय में सोशल मीडिया से लेकर गलियों तक एक ही सवाल गूंज रहा है–आखिर इस पुस्तक का विरोध करने का मूल कारण क्या है? विचार करने वाली बात यह है कि क्या विरोध करने वाले लोगों ने वास्तव में इस पुस्तक के पन्ने पलटकर इसे पढ़ने की कोशिश की है, या फिर केवल देखादेखी और भावनाओं में बहकर विरोध किया जा रहा है? पुस्तक को लेकर बढ़ते विरोध के बीच अब यह सवाल भी उठ रहा है कि आखिर इसमें ऐसा क्या लिखा है, जिसे लेकर इतना विवाद खड़ा किया जा रहा है? क्या वाकई पुस्तक में देश या धर्म विरोधी बातें हैं?

क्या पुस्तक में हिंदू या भारत विरोधी कोई बात लिखी है?

निष्पक्षता और गंभीरता से देखा जाए तो विरोध करने वाले समूहों के सामने कई तीखे सवाल खड़े होते हैं। विरोध प्रदर्शन कर रहे संगठनों और सड़कों पर उतरने वाले लोगों से पूछा जा रहा है कि क्या वे पुस्तक का ऐसा कोई अध्याय या पन्ना सामने रख सकते हैं, जिसमें भारत की अखंडता या हिंदू धर्म की भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाली बात लिखी हो? अब तक विरोध के बीच यह सवाल बना हुआ है कि आखिर पुस्तक के किस हिस्से को

आधार बनाकर इसे देश या धर्म विरोधी बताया जा रहा है। एक अन्य महत्वपूर्ण सवाल यह भी है कि क्या पुस्तक में किसी भी तरह आतंकवाद, उग्रवाद या हिंसा फैलाने की अपील की गई है?द्व पुस्तक के पाठकों और प्रबुद्ध वर्ग का मानना है कि इसमें इस्लाम के नाम पर आतंकवाद, उग्रवाद या अशांति फैलाने की कोई बात नहीं कही गई है। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि पुस्तक के विरोध का वास्तविक आधार आखिर क्या है? विवाद के बीच सबसे बड़ा सवाल यह भी उठ रहा है कि बजरंग दल या अन्य विरोध करने वाले संगठनों के कितने कार्यकर्ताओं और नेताओं ने वास्तव में इस पुस्तक का अध्ययन किया है? अगर पुस्तक पढ़ी ही नहीं गई है, तो फिर उसके विरोध का आधार क्या है? क्या केवल सुनी-सुनाई बातों, धारणाओं या भावनाओं के आधार पर किसी पुस्तक का विरोध करना उचित है? यही सवाल अब लोगों के बीच चर्चा का विषय बनता जा रहा है। लोकतांत्रिक देश में प्रत्येक नागरिक को पढ़ने, किसी विषय पर विचार करने, उसकी आलोचना करने और अपने विचार रखने का संवैधानिक अधिकार है। लेकिन जब किसी पुस्तक को बना पढ़े ही धर्म या देश के लिए खतरा घोषित कर दिया जाता है, तो समाज की वैचारिक परिपक्वता पर भी सवाल खड़े होते हैं। यदि किसी पुस्तक की किसी बात से आपत्ति है, तो उसके संबंधित अंश को सामने रखकर तथ्यों के आधार पर बहस की जा सकती है। इससे यह भी स्पष्ट होगा कि विरोध वास्तविक सामग्री के आधार पर हो रहा है या केवल धारणा और भावनाओं के आधार पर। जब तक विरोध करने वाले पक्ष की ओर से ऐसा कोई ठोस तथ्य सामने नहीं रखा जाता, जिससे यह साबित हो कि पुस्तक देश या समाज के लिए नुकसानदायक है, तब तक इस विरोध को लेकर सवाल बने रहेंगे। ऐसे विवादों में जनता को भी बिना पूरी जानकारी के किसी निष्कर्ष पर पहुंचने के बजाय*सच्चाई और तथ्यों की जांच करनी चाहिए। किसी भी पुस्तक का विरोध हो या समर्थन–उसकी सामग्री को समझना और उसके बाद अपनी राय बनाना ही लोकतांत्रिक और जिम्मेदार तरीका है।

डभोई के महुड़ी भागोल माछीवाड़ में 3 महीने से नारकीय हालात, घर-घर में बीमारी के बिस्तर

वार्ड नंबर 4 में गंदे पानी के भराव और गंदगी से मच्छरों का प्रकोप, 12 से ज्यादा लोग बीमार; नगरपालिका प्रशासन पर लापरवाही के आरोप

महानगर मेट्रो ब्यूरो

डभोई। डभोई नगरपालिका क्षेत्र के महुड़ी भागोल माछीवाड़ इलाके के रहवासी पिछले तीन महीनों से गंदगी और बदहाल व्यवस्था के बीच जीवन जीने को मजबूर हैं। क्षेत्र में गंदे पानी की निकासी की उचित व्यवस्था नहीं होने के कारण एक ही स्थान पर लंबे समय से पानी जमा है। इसके चलते पूरे इलाके में काई और गंदगी का साम्राज्य फैल गया है।

पानी के भराव और दुर्गंध से लोग परेशान

इलाके में लंबे समय से जमा गंदे पानी के कारण चारों तरफ असहनीय दुर्गंध फैल रही है। स्थिति ऐसी हो गई है कि स्थानीय लोगों के लिए अपने ही घरों में रहना मुश्किल हो रहा है।गंदगी और जमा पानी के कारण मच्छरों का प्रकोप भी चिंताजनक स्तर तक बढ़ गया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि समय रहते सफाई और पानी निकासी की व्यवस्था नहीं की गई तो क्षेत्र में गंभीर बीमारी फैलने का खतरा बढ़ सकता है।

घर-घर बीमारी, 12 से ज्यादा लोग बीमार

स्थानीय लोगों के मुताबिक, गंदगी और मच्छरों के बढ़ते प्रकोप के कारण क्षेत्र में *12 से ज्यादा लोग बीमार* हो चुके हैं। कई घरों में लोग बीमारी से जूझ रहे हैं।

रहवासियों का कहना है कि यदि नगरपालिका का स्वास्थ्य विभाग मौके पर पहुंचकर स्थिति का निरीक्षण करे, तो उसे वास्तविक स्थिति का अंदाजा हो सकेगा कि लोग किस तरह के अस्वास्थ्यकर वातावरण में रहने को मजबूर हैं।

वार्ड नंबर 4 के जनप्रतिनिधियों पर भी सवाल

महुड़ी भागोल माछीवाड़ क्षेत्र वार्ड नंबर 4 में आता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस वार्ड से चुने गए प्रतिनिधि डभोई नगरपालिका के उपाध्यक्ष पद पर भी हैं।रहवासियों ने आरोप लगाया कि उन्होंने क्षेत्र के विकास और प्राथमिक सुविधाओं की उम्मीद में कांग्रेस के प्रतिनिधियों को चुना था, लेकिन चुनाव के बाद क्षेत्र की मूलभूत समस्याओं के समाधान को लेकर अपेक्षित ध्यान नहीं दिया जा रहा है।

बार-बार शिकायत के बावजूद समस्या जस की तस

स्थानीय लोगों के अनुसार, पिछले तीन महीनों में नगरपालिका प्रशासन और निर्वाचित जनप्रतिनिधियों को कई बार लिखित और मौखिक रूप से शिकायत की जा चुकी है। इसके बावजूद अब तक समस्या का स्थायी समाधान नहीं हुआ है।लगातार पानी जमा रहने और गंदगी के कारण लोगों में भारी नाराजगी है। रहवासियों का सवाल है कि यदि इस गंदगी के कारण कोई गंभीर बीमारी फैलती है या कोई अप्रिय घटना होती है, तो इसकी जिम्मेदारी कौन लेगा?

लोगों का सीधा सवाल—बड़ी बीमारी फैलेगी तभी जागेगा प्रशासन?

स्थानीय लोगों की मांग है कि नगरपालिका प्रशासन तत्काल इलाके में सफाई अभियान चलाए, जमा पानी की निकासी कराए, मच्छरों के नियंत्रण के लिए दवा का छिड़काव करे और समस्या का स्थायी समाधान करे। अब सवाल यह है कि क्या प्रशासन किसी बड़ी बीमारी या अप्रिय घटना के बाद जागेगा, या फिर समय रहते महुड़ी भागोल माछीवाड़ के लोगों को इस नारकीय स्थिति से राहत दिलाने के लिए ठोस कदम उठाएगा?

अहमदाबाद के निकोल में पति की खूनी सनकः रूठी पत्नी पर चाकू से 4-5 वार कर किया लहूलुहान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। शहर के पूर्वी क्षेत्र के निकोल इलाके से एक बेहद हृदयविदारक और सनसनीखेज घटना सामने आई है। घरेलू विवाद और पति-पत्नी के बीच चल रहे मनमुटाव ने एक परिवार का दर्दनाक अंत कर दिया। नाराज होकर मायके गई पत्नी को मनाने पहुंचे पति ने कथित तौर पर अपना आपा खो दिया और पत्नी पर चाकू से जानलेवा हमला कर दिया। पत्नी को गंभीर हालत में छोड़कर फरार हुए पति ने बाद में बोटाद के पास ट्रेन के आगे कूदकर आत्महत्या कर ली। प्राप्त जानकारी के अनुसार, पति-पत्नी के बीच पिछले कुछ समय से पारिवारिक मामलों को लेकर विवाद चल रहा था। इसी वजह से नाराज पत्नी निकोल स्थित अपने मायके चली गई थी। पत्नी को समझाकर वापस घर ले जाने के लिए पति निकोल पहुंचा था। बताया जा रहा है कि बातचीत के दौरान दोनों के बीच अचानक विवाद बढ़ गया। देखते ही देखते पति का गुस्सा इतना बढ़ गया कि उसने अपने पास रखी धारदार चाकू निकाल ली और पत्नी पर एक के बाद एक 4 से 5 वार कर दिए। हमले में पत्नी गंभीर रूप से घायल होकर लहूलुहान हो गई। उसकी चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग मौके पर जमा हो गए और तत्काल उसे गंभीर हालत में उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। फिलहाल घायल महिला की हालत बेहद गंभीर बताई जा रही है और वह अस्पताल में जिंदगी और मौत के बीच जूझ रही है। पत्नी पर जानलेवा हमला करने के बाद आरोपी पति मौके से फरार हो गया। बताया जा रहा है कि वह अहमदाबाद से सीधे बोटाद की ओर चला गया। बोटाद में रेलवे ट्रैक के पास पहुंचने के बाद उसने चलती ट्रेन के आगे छलांग लगा दी, जिससे उसकी मौत हो गई। इस घटना में एक तरफ पत्नी गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती है, जबकि दूसरी तरफ पति की मौत हो गई। दंपती के बीच हुए विवाद के इस दर्दनाक अंत से दोनों परिवारों में मातम छा गया है। घटना की सूचना मिलते ही निकोल पुलिस की टीम घटनास्थल और अस्पताल पहुंची। पुलिस ने पत्नी पर किए गए हमले के मामले में हत्या के प्रयास सहित अन्य गंभीर धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। वहीं, बोटाद पुलिस ने रेलवे ट्रैक पर हुई मौत के मामले में आकस्मिक मृत्यु की कार्रवाई करते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस अब पूरे घटनाक्रम की कड़ियां जोड़कर मामले की जांच कर रही है। पारिवारिक विवाद से शुरू हुई इस घटना ने दोनों परिवारों को गहरे सदमे में डाल दिया है।

छोटाउदेपुर के वाघस्थल डूंगर की तलहटी में युवक का संदिग्ध हालत में शव मिला, इलाके में मचा हड़कंप!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

छोटाउदेपुर। छोटाउदेपुर से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। शहर के प्रसिद्ध *वाघस्थल डूंगर की तलहटी* में एक युवक का संदिग्ध हालत में शव मिलने से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। मृतक युवक की पहचान मानका गांव निवासी मेहुल राठवा के रूप में हुई है। युवक की मौत हादसे में हुई, उसने आत्महत्या की या फिर इसके पीछे किसी साजिश अथवा हत्या का मामला है, इसे लेकर कई सवाल खड़े हो गए हैं।घटना के अनुसार, वाघस्थल डूंगर की तलहटी में एक युवक का शव पड़े होने की जानकारी मिलते ही आसपास के लोगों की भीड़ मौके पर जमा हो गई। स्थानीय लोगों ने तत्काल इसकी सूचना पुलिस को दी। जानकारी मिलते ही पुलिस का दल घटनास्थल पर पहुंचा और मामले की प्रारंभिक जांच शुरू की।प्राथमिक जांच में मृतक की पहचान मानका गांव के रहने वाले मेहुल राठवा के रूप में हुई। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पंचनामा की कार्रवाई पूरी की और पोस्टमार्टम के लिए सरकारी अस्पताल भेज दिया।सबसे बड़ा सवाल यह है कि मेहुल राठवा वाघस्थल डूंगर की तलहटी तक कैसे पहुंचा और उसकी मौत किन परिस्थितियों में हुई। फिलहाल इन सवालों के जवाब सामने नहीं आए हैं और पूरा मामला रहस्य बना हुआ है।पुलिस ने मृतक के परिजनों के साथ-साथ आसपास के लोगों से भी पूछताछ शुरू कर दी है। घटनास्थल और आसपास के इलाके की जानकारी जुटाकर पुलिस मौत की वजह तक पहुंचने का प्रयास कर रही है।फिलहाल पुलिस ने पूरे मामले में मामला दर्ज कर विभिन्न पहलुओं से जांच शुरू कर दी है। पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि युवक की मौत दुर्घटना के कारण हुई,

तालाब से अज्ञात व्यक्ति का शव मिलने से मचा हड़कंप, पुलिस जांच में जुटी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

छोटाउदेपुर। छोटाउदेपुर शहर से एक बड़ी खबर सामने आई है। शहर में स्थित श्री गंगेश्वर महादेव मंदिर के पास बने तालाब से एक अज्ञात पुरुष का शव मिलने के बाद पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। शव मिलने की सूचना फैलते ही घटनास्थल पर स्थानीय लोगों की भीड़ जमा हो गई। मिली जानकारी के अनुसार, श्री गंगेश्वर महादेव मंदिर के समीप स्थित तालाब में आज स्थानीय लोगों ने एक पुरुष का शव पानी में तैरता हुआ देखा। तालाब में शव होने की खबर तेजी से आसपास के इलाके में फैल गई, जिसके बाद बड़ी संख्या में लोग मौके पर पहुंच गए।स्थानीय लोगों ने तत्काल घटना की सूचना पुलिस और अग्निशमन विभाग को दी। सूचना मिलते ही छोटाउदेपुर पुलिस की टीम और दमकल विभाग का दल मौके पर पहुंचा।

दमकल टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद निकाला शव

घटना की गंभीरता को देखते हुए दमकल विभाग की टीम ने तालाब से शव बाहर निकालने के लिए कार्रवाई शुरू की। काफी मशक्कत के बाद शव को तालाब से बाहर निकाला गया।फिलहाल मृतक की पहचान नहीं हो सकी है। मृतक कौन है और उसकी मौत किन परिस्थितियों में हुई, इसे लेकर भी अभी कोई स्पष्ट जानकारी सामने नहीं आई है।

पहचान और मौत के कारण का पता लगाने में जुटी पुलिस

पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति के शव को कब्जे में लेकर उसकी पहचान कराने की दिशा में कार्रवाई शुरू कर दी है। साथ ही, व्यक्ति की मौत किन परिस्थितियों में हुई, इसका पता लगाने के लिए पुलिस ने आगे की कानूनी जांच शुरू कर दी है।पुलिस जांच पूरी होने के बाद ही मामले में मौत की वास्तविक वजह और मृतक की पहचान को लेकर स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

वडोदरा में 'Sunday on Cycle' रैली का धमाकेदार आगाजः मेयर और पुलिस कमिश्नर ने साइकिल चलाकर दिया फिटनेस का संदेश

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वडोदरा। । संस्कारी नगरी वडोदरा में रविवार की खुशनुमा सुबह नागरिकों को स्वास्थ्य और फिटनेस के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से ÒSunday on CycleÓ साइकिल रैली का भव्य आयोजन किया गया। 'शहरवासी स्वस्थ रहें और फिटनेस के प्रति जागरूक बनें' के संदेश के साथ आयोजित इस रैली में पूरा वडोदरा शहर उत्साह और उमंग से सराबोर नजर आया। समा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स से कमाटीबाग तक पहुंचा फिटनेस का संदेशसाइकिल रैली की शुरुआत समा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स से हरी झंडी दिखाकर की गई। इसके बाद रैली शहर के प्रमुख मार्गों से होते हुए ऐतिहासिक *कमाटीबाग* पहुंची, जहां इसका समापन हुआ रैली के मार्ग में जगह-जगह नागरिकों ने साइकिल सवारों का स्वागत किया और 'फिट वडोदरा' के इस अभियान की सराहना की। रैली के माध्यम से लोगों को नियमित साइकिल चलाने, शारीरिक रूप से सक्रिय रहने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया गया।

31 अगस्त 2026 का दैनिक राशिफल

1 मेष राशि (21 मार्च – 19 अप्रैल)
आज का दिन आपके लिए उत्साह और नई ऊर्जा लेकर आएगा। कार्यक्षेत्र में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिल सकती है। व्यापार में लाभ के अवसर बनेंगे। परिवार में किसी सदस्य से चल रही नाराजगी दूर हो सकती है। खर्चों पर नियंत्रण रखें और जल्दबाजी में कोई बड़ा निर्णय न लें।

2 वृषभ राशि (20 अप्रैल – 20 मई)
आज आपको मेहनत का अच्छा परिणाम मिल सकता है। नौकरी में अधिकारियों का सहयोग मिलेगा और व्यापार में नई योजना पर काम शुरु हो सकता है। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी, लेकिन अनावश्यक खरीदारी से बचें। परिवार के साथ सुखद समय बिताने का अवसर मिलेगा।

3 मिथुन राशि (21 मई – 20 जून)
आज का दिन सामान्य से बेहतर रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपकी बात को महत्व मिलेगा और किसी पुराने काम में व्यरुलता मिल सकती है। विद्यार्थियों को पढ़ाई में एकाग्रता बनाए रखने की जरूरत है। रिश्तों में मधुरता आएगी। स्वास्थ्य को लेकर लापरवाही न करें।

4 कर्क राशि (21 जून – 22 जुलाई)
आज आपको अपने काम में विशेष सावधानी बरतनी होगी। किसी महत्वपूर्ण कार्य में देरी हो सकती है, लेकिन धैर्य रखने से स्थिति संभल जाएगी। धन संबंधी मामलों में सोच-समझकर निर्णय लें। घर में किसी बड़े सदस्य की सलाह आपके लिए लाभदायक साबित होगी।

5 सिंह राशि (23 जुलाई – 22 अगस्त)
आज आत्मविश्वास बढ़ेगा और कई महत्वपूर्ण काम पूरे होंगे। नौकरी और व्यापार में आगे बढ़ने के अवसर मिल सकते हैं। धन लाभ की संभावना है। सामाजिक क्षेत्र में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी। प्रेम संबंधों में नजदीकी बढ़ेगी और परिवार में खुशी का माहौल रहेगा।

6 कन्या राशि (23 अगस्त – 22 सितंबर)
आज आपको अपनी मेहनत और योजना का लाभ मिलेगा। नौकरी में नई जिम्मेदारी मिल सकती है। व्यापारियों के लिए दिन लाभदायक रहेगा। किसी पुराने मित्र से मुलाकात हो सकती है। घरेलू मामलों में छोटी बात को लेकर तनाव लेने से बचें और अपनी वाणी पर संयम रखें।

7 तुला राशि (23 सितंबर – 22 अक्टूबर)
आज आर्थिक मामलों में सकारात्मक बदलाव देखने को मिल सकता है। रुका हुआ पैसा वापस मिलने की संभावना है। कार्यक्षेत्र में सहकर्मियों का सहयोग मिलेगा। परिवार के साथ किसी महत्वपूर्ण विषय पर चर्चा हो सकती है। प्रेम संबंधों में विश्वास बनाए रखें और मन की बात खुलकर कहें।

8 वृश्चिक राशि (23 अक्टूबर – 21 नवंबर)
आज आपको किसी भी काम में जल्दबाजी करने से बचना चाहिए। कार्यक्षेत्र में अवितिरक्त मेहनत करनी पड़ सकती है। धन का लेन-देन सावधानी से करें। परिवार के किसी सदस्य की चिंता आपको परेशान कर सकती है। शाम के समय किसी शुभ समाचार से मन प्रसन्न होगा।

9 धनु राशि (22 नवंबर – 21 दिसंबर)
आज का दिन आपके लिए शुभ रहेगा। नए अवसर सामने आएंगे और कार्यक्षेत्र में आपकी स्थिति मजबूत होगी। व्यापार में अछा के नए रास्ते खुल सकते हैं। यात्रा का योग बन सकता है। परिवार में सुख-शांति रहेगी। किसी पुराने मित्र से महत्वपूर्ण सहायता मिल सकती है।

10 मकर राशि (22 दिसंबर – 19 जनवरी)
आज काम का दबाव अधिक रह सकता है, लेकिन आपकी मेहनत रंग लाएगी। नौकरी में वरिष्ठ अधिकारियों से प्रशंसा मिल सकती है। व्यापार में सोच-समझकर निवेश करें। पारिवारिक जीवन में सामान्य स्थिति बनी रहेगी। स्वास्थ्य के लिए पर्याप्त आराम और संतुलित दिनचर्या जरूरी है।

11 कुंभ राशि (20 जनवरी – 18 फरवरी)
आज नए विचारों पर काम करने का अवसर मिलेगा। नौकरी में तरक्की या नई जिम्मेदारी की संभावना बन सकती है। व्यापार में अच्छा लाभ मिल सकता है। आर्थिक स्थिति बेहतर होगी। दोस्तों और परिवार के साथ समय बिताने से मन प्रसन्न रहेगा। किसी विवाद से दूरी बनाए रखें।

12 मीन राशि (19 फरवरी – 20 मार्च)
आज आपका दिन सकारात्मक रहेगा. रुके हुए काम पूरे होने से राहत मिलेगी। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत की सराहना होगी। धन लाभ के अवसर मिल सकते हैं। परिवार में किसी शुभ कार्य की चर्चा हो सकती है। प्रेम जीवन में मधुरता रहेगी। महत्वपूर्ण निर्णय लेते समय भावनाओं के बजाय विवेक से काम लें।

आज का मंत्र : ॐ नमो भगवते वासुदेवाय नमः ।
सकारात्मक सोच रखें, ईश्वर का स्मरण करें और दिन को शुभ बनाएं।

दुनिया के लिए चिंता का विषय बना अलनीनो

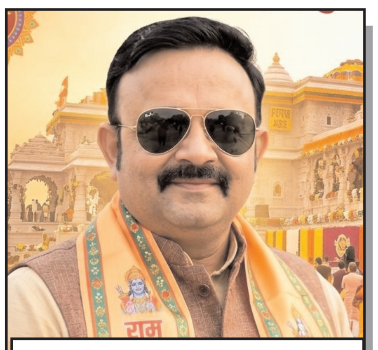

पवन माकन
ग्रुप एडिटर, महानगर मेट्रो

धरती हमें लगातार संकेत दे रही है। कभी रिकॉर्ड गर्मी के रूप में, कभी असामान्य बारिश के रूप में और कभी सूखे तथा बाढ़ के एक साथ बढ़ते खतरे के रूप में। अब आवश्यकता भय पैदा करने की नहीं, बल्कि समय रहते तैयारी करने की है। विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन कायम किए बिना भविष्य सुरक्षित नहीं किया जा सकता।अल नीनो को रोकना हमारे हाथ में नहीं है, लेकिन उसके प्रभावों से होने वाले नुकसान को कम करना निश्चित रूप से हमारे हाथ में है।

धरती का बदलता मिजाज अब केवल वैज्ञानिकों के शोध और मौसम विशेषज्ञों की रिपोर्ट तक सीमित विषय नहीं रह गया है। इसका असर आम आदमी के जीवन से लेकर कृषि, जल संसाधन, अर्थव्यवस्था और स्वास्थ्य तक स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है। कहीं आसमान से बरसती आग लोगों को बेहाल कर रही है, तो कहीं कुछ ही घंटों में होने वाली मूसलाधार बारिश शहरों को जलमग्न कर रही है। कहीं किसान बारिश का इंतजार करते-करते परेशान हैं, तो कहीं अत्यधिक वर्षा उनकी महीनों की मेहनत को बहा ले जा रही है। मौसम के इस बदलते और असामान्य स्वरूप के बीच अल नीनो एक बार फिर दुनिया के लिए चिंता का विषय बनकर सामने आता है।

अल नीनो प्रशांत महासागर के मध्य और पूर्वी हिस्से में समुद्री सतह के तापमान के सामान्य से अधिक गर्म होने से जुड़ी एक प्राकृतिक जलवायु घटना है। इसका प्रभाव केवल प्रशांत महासागर तक सीमित नहीं रहता, बल्कि दुनिया के विभिन्न क्षेत्रों में तापमान, वर्षा और हवाओं के पैटर्न को प्रभावित कर सकता है। यह घटना प्राकृतिक जलवायु चक्र का हिस्सा है और हजारों वर्षों से पृथ्वी की जलवायु व्यवस्था में इसका अस्तित्व रहा है। लेकिन आज परिस्थितियां पहले जैसी नहीं हैं। मानव गतिविधियों के कारण पृथ्वी का औसत तापमान लगातार बढ़ रहा है। ऐसे में अल नीनो और बढ़ते वैश्विक तापमान का मेल मौसम की चरम स्थितियों को और अधिक गंभीर बना सकता है।

सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर अल नीनो को लेकर इतनी चिंता क्यों है? इसका उत्तर इसके व्यापक प्रभावों में छिपा है। अल नीनो के दौरान दुनिया के कई हिस्सों में तापमान सामान्य से अधिक बढ़ सकता है, जबकि कुछ क्षेत्रों में वर्षा के स्वरूप में बड़ा बदलाव देखने को मिलता है। भारत जैसे कृषि प्रधान देश के लिए यह स्थिति विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। देश की बड़ी आबादी प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से कृषि पर निर्भर है और आज भी खेती का एक बड़ा हिस्सा मानसूनी बारिश पर आधारित है। यदि बारिश सामान्य से कम होती है या उसका वितरण असमान रहता है, तो इसका सीधा असर खरीफ फसलों पर पड़ सकता है।

धान, मक्का, दालें, तिलहन और अन्य फसलों की पैदावार प्रभावित होने का खतरा बढ़ जाता है। उत्पादन में कमी का असर केवल किसान तक सीमित नहीं रहता। इससे खाद्य पदार्थों की कीमतें बढ़ सकती हैं और महंगाई पर दबाव पैदा हो सकता है। पहले से ही महंगाई और रोजगार जैसी चुनौतियों से जूझ रहे आम परिवारों के लिए खाद्य कीमतों में बढ़ोतरी अतिरिक्त बोझ बन सकती है।

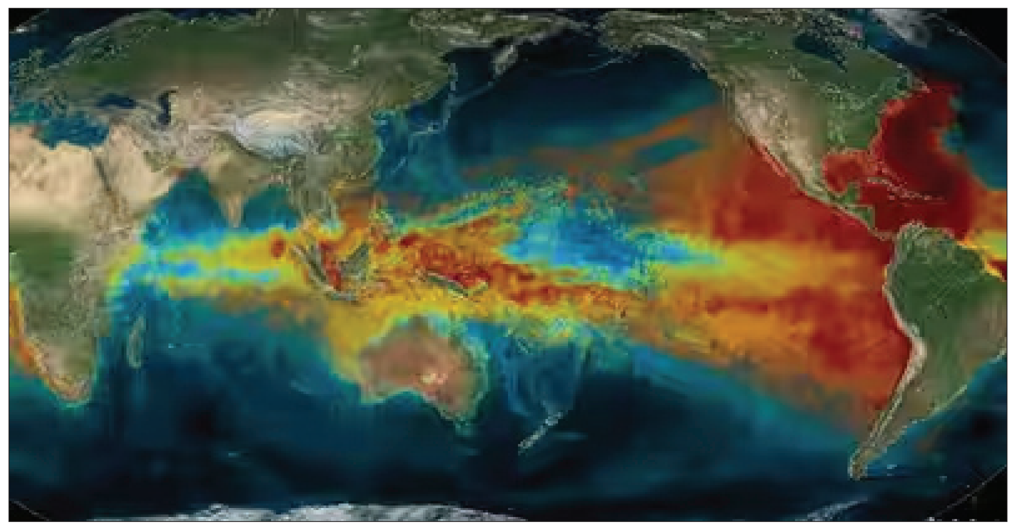

लेकिन तस्वीर का दूसरा पहलू भी कम गंभीर नहीं है। जलवायु परिवर्तन के कारण जब वातावरण अधिक गर्म होता है, तो उसमें नमी धारण करने की क्षमता बढ़ती है। परिणामस्वरूप कई बार कम समय में अत्यधिक बारिश होने लगती है। ऐसी बारिश सामान्य मानसून से अलग होती है। कुछ घंटों में इतनी वर्षा हो जाती है कि शहरों की जल निकासी व्यवस्था जवाब दे देती है, नदियां उफान पर आ जाती हैं और पहाड़ी क्षेत्रों में भूस्खलन का खतरा बढ़ जाता है। यानी एक ओर सूखे जैसी स्थिति और दूसरी ओर अचानक बाढ़–दोनों परिस्थितियां एक ही बदलती जलवायु व्यवस्था का हिस्सा बन सकती हैं।

भारत के लिए यह खतरा इसलिए भी गंभीर है क्योंकि देश की भौगोलिक विविधता बहुत अधिक है। हिमालयी क्षेत्र में भारी बारिश और बादल फटने जैसी घटनाएं जान-माल को नुकसान पहुंचा सकती हैं। मैदानी इलाकों में नदियों का जलस्तर बढ़? से बाढ़ की स्थिति पैदा हो सकती है। वहीं महानगरों में कुछ घंटों की तेज बारिश ही यातायात, बिजली, सीवर और जनजीवन को अस्त-व्यस्त करने के लिए पर्याप्त है। ऐसे में यह समझना होगा कि केवल बारिश की कुल मात्रा देखना पर्याप्त नहीं है; **बारिश कब, कितनी तेजी से और किस क्षेत्र में होती है**, यह भी उतना ही महत्वपूर्ण है।

अल नीनो का असर समुद्री और स्थलीय पारिस्थितिकी पर भी पड़ सकता है। समुद्र का तापमान बढड़े से समुद्री जीव-जंतुओं और मछली उत्पादन पर असर पड़ सकता है। समुद्र दुनिया की जलवायु प्रणाली का महत्वपूर्ण नियामक है। इसलिए समुद्र के तापमान में होने वाला बदलाव लंबे समय तक वातावरण और मौसम को प्रभावित कर सकता है। यदि समुद्रों का तापमान लगातार बढ़ता रहा तो समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र पर दबाव और बढ़ेगा।

स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी बदलता मौसम बड़ी चुनौती बन रहा है। अत्यधिक गर्मी से हीट स्ट्रोक और डिहाइड्रेशन जैसी समस्याएं बढ़ सकती हैं। कमजोर वर्ग, बुजुर्ग, बच्चे और खुले में काम करने वाले श्रमिक सबसे अधिक प्रभावित होते हैं। दूसरी ओर बाढ़ के बाद जलजनित बीमारियों और मच्छरों से फैलने वाली बीमारियों का खतरा बढ़ सकता है। इस प्रकार जलवायु परिवर्तन और अल नीनो का प्रभाव केवल मौसम विभाग के आंकड़ों तक सीमित नहीं, बल्कि सार्वजनिक स्वास्थ्य का भी विषय है।

अर्थव्यवस्था पर इसके प्रभाव को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। कृषि उत्पादन में कमी, बिजली की मांग में वृद्धि, जल संकट, बाढ़ से बुनियादी ढांचे को नुकसान और स्वास्थ्य संबंधी खर्च–इन सभी का आर्थिक बोझ सरकार और जनता दोनों को उठाना पड़ता है। अत्यधिक गर्मी में बिजली की मांग बढ़ती है, जबकि जल संकट से उद्योग और कृषि दोनों प्रभावित हो सकते हैं। दूसरी ओर बाढ़ और भूस्खलन से सड़कों, पुलों और अन्य सार्वजनिक संपत्तियों को नुकसान पहुंचता है।ऐसे समय में सरकारों की जिम्मेदारी केवल राहत और मुआवजे तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। आवश्यकता इस बात की है कि जलवायु जोखिम को विकास की हर योजना का हिस्सा बनाया जाए। शहरों की जल निकासी व्यवस्था को आधुनिक बनाया जाए, बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में निर्माण पर प्रभावी नियंत्रण हो, जल संरक्षण को प्राथमिकता दी जाए और किसानों को मौसम आधारित कृषि सलाह समय पर उपलब्ध कराई जाए। सूखा और बाढ़ दोनों से निपटने के लिए स्थानीय स्तर पर अलग-अलग रणनीतियां तैयार करनी होंगी।

कृषि क्षेत्र में भी पारंपरिक सोच से आगे बढड़े की जरूरत है। कम पानी में अधिक उत्पादन देने वाली फसलों, सूखा और गर्मी सहन करने वाली किस्मों, माइक्रो-इरिगेशन तथा वर्षा जल संचयन को बढ़ावा देना होगा। किसानों को मौसम की वास्तविक समय की जानकारी और संभावित जोखिमों के बारे में पहले से चेतावनी मिलनी चाहिए। इससे वे बुवाई, सिंचाई और कटाई से जुड़े निर्णय अधिक वैज्ञानिक ढंग से ले सकेंगे।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि अल नीनो को केवल एक अस्थायी प्राकृतिक घटना मानकर उसके खतरे को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। अल नीनो आएगा और जाएगा, लेकिन यदि पृथ्वी का तापमान लगातार बढ़ता रहा तो ऐसी प्राकृतिक घटनाओं के प्रभाव अधिक जटिल और गंभीर हो सकते हैं। इसलिए वास्तविक चुनौती अल नीनो से अधिक उस बदलती जलवायु व्यवस्था की है, जिसमें अल नीनो अपना प्रभाव डाल रहा है।

धरती हमें लगातार संकेत दे रही है। कभी रिकॉर्ड गर्मी के रूप में, कभी असामान्य बारिश के रूप में और कभी सूखे तथा बाढ़ के एक साथ बढ़ते खतरे के रूप में। अब आवश्यकता भय पैदा करने की नहीं, बल्कि समय रहते तैयारी करने की है। विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन कायम किए बिना भविष्य सुरक्षित नहीं किया जा सकता।अल नीनो को रोकना हमारे हाथ में नहीं है, लेकिन उसके प्रभावों से होने वाले नुकसान को कम करना निश्चित रूप से हमारे हाथ में है। इसके लिए वैज्ञानिक चेतावनियों को गंभीरता से लेना होगा, जलवायु अनुकूल नीतियां बनानी होंगी और प्रकृति के साथ विकास की नई भाषा लिखनी होगी। यदि हमने आज भी चेतावनियों को नजरअंदाज किया, तो आने वाली पीढिड़ों को केवल बदलते मौसम का नहीं, बल्कि बदलती और अधिक असुरक्षित दुनिया का सामना करना पड़ेगा। अब समय है कि धरती के बदलते मिजाज को समझा जाए और उसके संकेतों पर गंभीरता से अमल किया जाए।

संपादकीय

पर्यटन की अधूरी तलाश

पर्यटकों की आमद का एक नक्शा विधानसभा सत्र में उभरा है। पिछले तीन साल में हिमाचल में 7.59 पर्यटक आए जबकि इस दौरान 262824 विदेशी सैलानी भी यहां आए। आंकड़ों की दृष्टि से आबादी से दोगुना पर्यटक आकर्षित करके हिमाचल अपनी संभावनाओं और क्षमता का बेहतरीन प्रदर्शन कर रहा है, लेकिन ह्यक्वालिटी टूरिज्मह्न के नजरिये से अभी व्याख्या होनी बाकी है। हिमाचल की खूबी यह है कि यहां पर्यटन आगमन के कई कारण हैं, फिर भी हम मार्केटिंग में पीछे हैं। कुछ ऐसे सर्किट हैं जिन्हें हिमाचल ने अहमियत ही नहीं दी। सभी मौसम और सभी कारणों के पर्यटन का संतुलन बहुत जरूरी है ताकि हम हाई एंड टूरिज्म को आमंत्रित कर सकें। बेशक पिछले तीन सालों में दो लाख 65 हजार के करीब विदेशी पर्यटक हिमाचल आए, लेकिन इनके द्वारा खर्च की गई राशि अति उत्तम नहीं। प्रायः बजट टूरिस्ट ही हिमाचल आ रहे हैं। कसोल और धर्मकोट में आ रहे विदेशी पर्यटक कई बार भारतीय सैलानियों से भी कम खचीर्ले होते हैं। दूसरी ओर पर्यटकों की बढ़ती तादाद में मंदिरों के दर्शन की रूटीन ही नजर आती है। तीसरे सप्ताहांत पर्यटन की मंजिलें केवल कुछ स्थलों पर ही रहती हैं। चौथे युवा पर्यटकों का आगमन सीमित गतिविधियों के परिप्रेक्ष्य में पूरे हिमाचल का प्रतिनिधत्व नहीं करता है। ऐसे में हिमाचल में पर्यटन की तलाश अधूरी है। यह आंकड़ों की जुबान से भले ही अच्छी लगे, लेकिन गुणवत्ता के आधार पर हिमाचल के संदर्भ अभी खाली हैं। हिमाचल की खोज जिस दिन हाई एंड टूरिस्ट करेगा, उस दिन पर्यटन की आर्थिक भागीदारी बढ़ जाएगी। दूसरी ओर सप्ताहांत पर्यटन के साथ-साथ पूरे हफ्ते या इससे ज्यादा विश्राम का पर्यटन फैले, तो रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। हिमाचल में हाई एंड पर्यटन की जरूरतें अभी समझी ही नहीं गईं। ट्राइबल, सांस्कृतिक एवं धरोहर पर्यटन को महत्त्व मिले, तो विविध आकर्षणों की तरफ विदेशी दौड़े आएंगे। शिमला के ऐतिहासिक व सांस्कृतिक महत्त्व को देखते हुए सबसे अधिक विदेशी पर्यटक आते हैं, जबकि धर्मशाला, डलहौजी, मकलोडगंज, मनाली व कसौली में विदेशी बजट टूरिस्ट ही आ रहे हैं। हिमाचल में अधिक स्टे के लिहाज से युवा पर्यटक या यूं कहें कि कारपोरेट जगत से जुड़े युवा आ रहे हैं। इनकी जरूरतें हालांकि सीमित हैं, फिर भी इस श्रेणी के पर्यटक ज्यादा दिनों के लिए बार-बार हिमाचल आ रहे हैं। हिमाचल में देशी-विदेशी पर्यटकों के लिए साहसिक व खेल पर्यटन भी सौगात बन रहा है। अकेले धर्मशाला में ही आईपीएल तथा अन्य क्रिकेट मैचों के जरिए हर साल दो लाख के करीब देशी-विदेशी पर्यटक पहुंच रहे हैं। हाई एंड पर्यटक की तलाश में हिमाचली अधोसंरचना में तेजी से बदलाव आ रहा है, लेकिन महापर्यटन की दृष्टि से कई प्रयास करने होंगे। महामहिम दलाई लामा की उपस्थिति से लाभ उठाते अगर काल चक्र आयोजन के लिए स्थायी सुविधाएं कहीं धर्मशाला-मनाली के बीच विकसित की जाएं, तो यह राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय पर्यटन की नई मंजिल हो सकता है। पौंग तथा अन्य कृत्रिम झीलों में साहसिक खेलों तथा अन्य सुविधाओं का विस्तार हो, तो यह पर्यटन के वार्षिक मेलों का प्रसार करेगा।

चिंतन-मनन

दूर करें अध्यात्म विद्या का अभाव

अध्यात्म विद्या के विषय में अधिकांश भौतिक विद्वान शिक्षा को ही विद्या मान बैठते हैं। वे विद्या और शिक्षा के अंतर को भी समझने में असमर्थ हैं जबकि विद्या और शिक्षा में धरती और आसमान का अंतर है। इस विषय को स्पष्ट करते हुए महात्मा परमचेतनानंद ने अपने प्रवचन में कहा कि शिक्षा शब्द शिक्ष धातु से बना है जिसका अर्थ है सीखना। भौतिक शिक्षा अनुकरण के द्वारा सीखी जाती है जिसका संबंध ज्ञानेन्द्रियों, कर्मेंद्रिंयों व मन बुद्धि तक सीमित है। इसके अतिरिक्त विद्या शब्द विद् धातु से बना है जिसका अर्थ है जानना अर्थात वास्तविक ज्ञान।

यह ज्ञान स्वयं अंदर से प्रकट होता है, इसे ही अध्यात्म ज्ञान कहा जाता है। इसे आत्मा की गहराई में पहुंचने पर ही जाना जाता है। शिक्षा के विद्वान अहंकार से ग्रसित होते हैं, उनमें विनम्रता का अभाव होता है जबकि विद्या का प्रथम गुण विनम्रता है। विद्या वास्तव में मानव की मुक्ति का मार्ग प्रशस्त करती है।

इस अध्यात्म विद्या से मानव निष्काम कर्म योगी बनता है जो सभी को समान भाव से देखता है। पहले निष्काम कर्म योगी को ही प्रजा अपना राजा चुनती थी। वे अपने पुत्र तथा अन्य प्रजा के साथ समान रूप से न्याय करते थे। आज के असमय में अध्यात्म विद्या का अभाव होने के कारण राजा और प्रजा दोनों ही अशांत हैं फिर भी इसे ओर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है जबकि अध्यात्म विद्या के वेत्ता तत्वदर्शी संत आज भी मौजूद हैं।

ईरान बनाम अफगानिस्तानः शरिया में महिलाओं की तुलनात्मक स्थिति

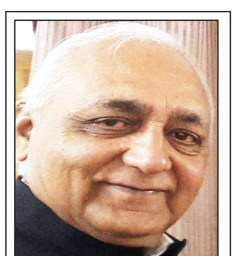

तनवीर जाफ़री

इस्लामी जीवन पद्धति और कानूनी व्यवस्था को शरिया कहते हैं। शरिया में इबादत,खान-पान,पहनावा, व्यापार, विवाह, तलाक,विरासत, अपराध और सजा जैसे जीवन के तमाम पहलू शामिल हैं। इसके द्वारा कुरान ,सुन्नत,हदीस ,इज्मा व कयास जैसे पुराने स्थापित नियमों के आधार पर नए जमाने की समस्याओं का हल निकालने का दावा किया जाता है। परन्तु आज के आधुनिक दौर में सऊदी अरब,अफगानिस्तान व ईरान जैसे देशों में जहां शरिया को देश के मुख्य संविधान और आपराधिक कानून के रूप में लागू किया गया है वहीं भारत, पाकिस्तान,मिस्र और इंडोनेशिया जैसे देशों में शरिया केवल पर्सनल लॉ विवाह, तलाक , संपत्ति तक ही सीमित है,जबकि इन्हीं देशों में अपराधिक मामलों के लिए देश का धर्मनिरपेक्ष कानून लागू होता है। अफगानिस्तान की तालिबान सरकार व संगठन शरिया के नाम पर अत्यंत रूढ़िवादी और कबीलाई व्याख्या लागू करती है। जबकि पाकिस्तान में भी शरिया कानून पूरी तरह लागू नहीं है, बल्कि वहाँ एक हाइब्रिड या मिश्रित कानूनी प्रणाली काम करती है। जिसमें ब्रिटिश काल के धर्मनिरपेक्ष सामान्य कानून और इस्लामी शरिया कानून दोनों का मिश्रण है। सवाल यह है कि जब इस्लाम धर्म का कलमा एक, कुरआन एक, रसूल एक नमाज,रोजा हज,जकात सब एक तो इस्लामी देशों में ही शरिया कानून की व्याख्या अलग अलग क्यों? और यदि अलग है तो इसमें सही कौन और गलत कौन? और दुनिया किस शरिया व्यवस्था को सही व इस्लामी शरिया के रूप में देखे? इसी सन्दर्भ में केवल ईरान व अफगानिस्तान में लागू शरिया कानून व इसके अंतर्गत दोनों देशों में महिलाओं की स्थिति व उनपर पड़ने वाले प्रभाव का जायजा लेने की कोशिश करते हैं।

अफगानिस्तान में तालिबान शासन के दौरान गत पांच वर्षों में वहां की महिलाओं की स्थिति को लेकर जो रिपोर्ट्स संयुक्त राष्ट्र सहित विभिन्न वैश्विक मानवाधिकार संगठनों द्वारा तैयार की गयी है उसके मुताबिक वहाँ महिलाओं की स्थिति अत्यंत दयनीय हो चुकी है। रिपोर्ट्स के अनुसार अफगानिस्तान में महिलाओं को सार्वजनिक जीवन से पूरी तरह मिटाने का प्रयास किया जा रहा है। अफगानिस्तान दुनिया का एकमात्र देश है जहां लड़कियों की माध्यमिक और उच्च शिक्षा आधिकारिक रूप से प्रतिबंधित है। यहाँ कक्षा 6 से आगे लड़कियों के स्कूल जाने और महिलाओं के विश्वविद्यालय जाने पर पूरी तरह रोक है। तालिबान ने विश्वविद्यालयों से महिलाओं से जुड़े 18 कोर्स हटा दिए हैं और महिलाओं द्वारा लिखी गई लगभग 140 किताबों को भी प्रतिबंधित कर दिया है। ऐसी ही सख्त पाबंदियों के चलते अब अफगानिस्तान में केवल 7% महिलाएँ ही रोजगार में बची हैं। यहां महिलाओं को गैर-सरकारी संगठनों, सरकारी मंत्रालयों और सार्वजनिक क्षेत्रों में काम करने से रोक दिया गया है। ब्यूटी पार्लर्स को भी पूरी तरह बंद कर दिया गया है, जिससे लाखों महिलाओं की कमाई का जरीया छिन गया। नए तालिबानी कानून और क्रिमिनल कोड वर्ष 2026 में तालिबान के सुप्रीम लीडर हिबतुल्लाह अखुनजादा द्वारा हस्ताक्षरित 90 पन्नों की नई दंड संहिता ने महिलाओं की स्थिति को दासों जैसा बना दिया है। इस नए कानून के तहत पति को अपनी पत्नी या बेटी को शारीरिक सजा देने यानी उसे पीटने की अनुमति है, बशर्ते कि महिला की कोई हड्डी न टूटे या शरीर पर गहरा खुला घाव न दिखाई दे ।

मोबाइल की गिरफ्त में बचपन, सरकार कब बनाएगी डिजिटल नीति?

कांतिलाल मांडोत

स्कुलो के दरवाजे पर मीडिया का पहरा, लेकिन बच्चों के हाथों में सोशल मीडिया की खुली दुनिया...

बचपन कभी किताबों, खेल के मैदान, परिवार की बातचीत और दोस्तों की संगत में गुजरता था। आज वही बचपन मोबाइल की चमकती स्क्रीन में सिमटता जा रहा है। बच्चे घर में मौजूद हैं, लेकिन उनका ध्यान कहीं और है। परिवार सामने बैठा है, मगर संवाद कम होता जा रहा है। किताबें अलमारी में बंद हैं और मोबाइल की स्क्रीन दिन-रात खुली है। यह बदलाव केवल जीवनशैली का परिवर्तन नहीं है, बल्कि आने वाली पीढ़ी के मानसिक, सामाजिक और बौद्धिक विकास से जुड़ा गंभीर सवाल बन चुका है।

राजस्थान में विधानसभा में शिक्षा विभाग की ओर से दिए गए जवाब ने इस चिंता को और गहरा कर दिया है। सरकार से पूछा गया था कि जनवरी 2023 से दिसंबर 2025 के बीच विद्यार्थियों को सोशल मीडिया से दूर रखने और पुस्तकों, अखबारों तथा पत्रिकाओं के प्रति रुचि बढ़ाने के लिए कौन-कौन सी योजनाएं चलाई गईं और उन पर कितना बजट खर्च हुआ। जवाब में बताया गया कि इस संबंध में फिलहाल कोई प्रस्ताव प्रक्रियाधीन या विचाराधीन नहीं है।

यह स्थिति इसलिए चिंताजनक है क्योंकि स्कूलों में मीडिया के प्रवेश को लेकर सख्ती दिखाई जा रही है, लेकिन बच्चों के हाथों में मौजूद उस डिजिटल दुनिया को लेकर ठोस नीति नजर नहीं आती, जहां वे प्रतिदिन घंटों अपना समय बिता रहे हैं। स्कूल के बाहर मोबाइल पर क्या देखा जा रहा है, किससे बातचीत हो रही है, किस तरह की सामग्री बच्चों तक पहुंच रही है और उसका उनके व्यवहार पर क्या असर पड़ रहा है, इन सवालों का जवाब केवल परिवारों के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता।

मोबाइल और सोशल मीडिया अपने आप में दुश्मन नहीं हैं। तकनीक शिक्षा, जानकारी और संवाद का महत्वपूर्ण माध्यम बन चुकी है। समस्या तब पैदा होती है जब तकनीक साधन से बढ़कर आदत और फिर निर्भरता बन जाती है। लगातार छोटे-छोटे वीडियो देखने, बार-बार सूचनाएं जांचने और सोशल मीडिया पर प्रतिक्रिया पाने की आदत बच्चे के ध्यान को लगातार भटका सकती है।

बच्चे पढ़ने बैठते हैं तो कुछ ही देर में मोबाइल देखने की इच्छा होती है। किताब का एक पन्ना लंबा लगता है, लेकिन वीडियो की लगातार बदलती तस्वीरें आकर्षित करती रहती हैं। इसका असर धीरे-धीरे पढ़ाई की आदत पर पड़ सकता है। धैर्य से किसी विषय को समझने की क्षमता कमजोर पड़ सकती है और तत्काल मनोरंजन की आदत गहरी हो सकती है। सबसे बड़ी चिंता यह है कि यह परिवर्तन अक्सर परिवार को तब दिखाई देता है जब बच्चे के व्यवहार में स्पष्ट बदलाव आने लगता है। वह छोटी-छोटी बातों पर चिड़चिड़ा होने लगता है, बातचीत से बचता है, परिवार के साथ बैठने में रुचि नहीं दिखाता और मोबाइल हटाने पर असहज या नाराज हो सकता है। हर बच्चे में इसका असर एक जैसा नहीं होता, लेकिन अत्यधिक और अनियंत्रित स्क्रीन इस्तेमाल को सामान्य मान लेना भी उचित नहीं है।

चिड़चिड़ापन केवल व्यवहार नहीं, संकेत भी है।

बच्चे का चिड़चिड़ापन कई कारणों से हो सकता है। पढ़ाई का दबाव, पारिवारिक वातावरण, नींद की कमी, सामाजिक परिस्थितियां और अन्य कारण भी इसमें भूमिका निभा सकते हैं। लेकिन जब मोबाइल और सोशल मीडिया बच्चे की दिनचर्या का केंद्रीय हिस्सा बन जाएं, तब उसके व्यवहार में आए बदलाव पर परिवार और विद्यालय दोनों को ध्यान देना चाहिए। रात देर तक स्क्रीन देखने से नींद की दिनचर्या प्रभावित हो सकती है। नींद पूरी न होने पर अगले दिन थकान, ध्यान की कमी और चिड़चिड़ापन बढ़ सकता है। लगातार आभासी दुनिया में रहने से वास्तविक जीवन की बातचीत और गतिविधियों में रुचि कम हो सकती है। बच्चा दोस्तों और परिवार के बीच होते हुए भी मानसिक रूप से स्क्रीन की दुनिया में मौजूद रह सकता है।

यही वह स्थिति है जहां माता-पिता को केवल मोबाइल छीन लेने के बजाय बच्चे से बातचीत करनी होगी। डांट और डर से समस्या का स्थायी समाधान नहीं होगा। बच्चे को यह समझाना होगा कि मोबाइल जीवन का हिस्सा हो सकता है, जीवन का केंद्र नहीं।

परिवार से दूर होता बचपन

आज कई घरों में एक अजीब दृश्य दिखाई देता है। एक कमरे में पूरा परिवार बैठा है, लेकिन हर व्यक्ति अपनी-अपनी स्क्रीन में व्यस्त है। बच्चे वही सीखते हैं जो वे अपने आसपास देखते हैं। यदि माता-पिता स्वयं हर समय मोबाइल में व्यस्त रहेंगे तो केवल बच्चों से मोबाइल दूर रखने की अपेक्षा करना कठिन होगा।

बचपन को परिवार की बातचीत चाहिए। दादा-दादी की कहानियां चाहिए। माता-पिता का समय चाहिए। दोस्तों के साथ खेलना चाहिए। मैदान में हार-जीत का अनुभव चाहिए। किताबों से कल्पना की दुनिया बनानी चाहिए। कला, संगीत, प्रयोग और रचनात्मक गतिविधियां बच्चे के व्यक्तित्व को विस्तार देती हैं। मोबाइल की स्क्रीन इन अनुभवों का विकल्प नहीं बन सकती।

यदि बचपन का बड़ा हिस्सा आभासी दुनिया में गुजरने लगे तो सामाजिक व्यवहार, संवाद क्षमता और वास्तविक परिस्थितियों से निपटने का अनुभव प्रभावित हो सकता है। आज की सुविधा कल की कमजोरी न बन जाए, इसकी चिंता अभी से करनी होगी।

दुनिया में बढ़ रही सतर्कता

दुनिया के कई देशों में बच्चों और सोशल मीडिया के संबंध को लेकर सरकारें नए नियमों पर काम कर रही हैं। ऑस्ट्रेलिया में कम उम्र के बच्चों के सोशल मीडिया इस्तेमाल को लेकर आयु आधारित प्रतिबंध लागू किया गया है। कई यूरोपीय देशों में स्कूलों में मोबाइल इस्तेमाल सीमित करने पर जोर दिया गया है। चीन में नाबालिगों के ऑनलाइन गेम खेलने के समय को नियंत्रित किया गया है। दक्षिण कोरिया में अत्यधिक इंटरनेट और स्मार्टफोन निर्भरता से जुड़ी समस्याओं के लिए परामर्श की व्यवस्था की गई है।

भारत में परिस्थितियां अलग हैं। यहां परिवार, समाज, शिक्षा और संस्कृति की अपनी जटिलताएं हैं। इसलिए किसी दूसरे देश का मॉडल ज्यों का त्यों लागू नहीं किया जा सकता। लेकिन इसका अर्थ यह भी नहीं कि समस्या को अनदेखा किया जाए।

राजस्थान को डिजिटल नीति बनानी होगी।राजस्थान में बच्चों के लिए एक स्पष्ट डिजिटल सुरक्षा नीति की जरूरत है। स्कूलों में स्मार्टफोन मुक्त कक्षाओं पर गंभीरता से विचार किया जा सकता है। साथ ही बच्चों को साइबर सुरक्षा, ऑनलाइन गोपनीयता, साइबर उत्पीड़न, गलत सूचना और जिम्मेदार डिजिटल व्यवहार की जानकारी पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाकर दी जा सकती है।

शिक्षकों को केवल पढ़ाने तक सीमित रखने के बजाय उन्हें डिजिटल जोखिमों की पहचान के लिए प्रशिक्षित किया जाना चाहिए। जिन बच्चों को तकनीक के अत्यधिक इस्तेमाल से परेशानी हो रही हो, उनके लिए विद्यालय स्तर पर परामर्श की व्यवस्था होनी चाहिए। अभिभावकों को भी डिजिटल पालन-पोषण के बारे में जागरूक किया जाना जरूरी है।

इसके साथ ही स्कूलों में पुस्तकालयों को सक्रिय करना होगा। बच्चों को केवल किताब खरीदने की सलाह देने से पढ़ने की आदत नहीं बनेगी। पुस्तक चर्चा, कहानी लेखन, वाचन, खेल, विज्ञान प्रयोग, कला और परियोजना आधारित गतिविधियों को बढ़ावा देना होगा। बच्चे को मोबाइल से हटाने के लिए उसके सामने बेहतर विकल्प भी रखने होंगे।

बच्चों को सोशल मीडिया से पूरी तरह काट देना व्यावहारिक समाधान नहीं है। डिजिटल दुनिया से परिचित होना आज की आवश्यकता भी है। सवाल यह है कि बच्चा तकनीक का इस्तेमाल कर रहा है या तकनीक बच्चे के व्यवहार को नियंत्रित कर रही है। सरकार को उम्र के अनुसार स्क्रीन इस्तेमाल, डिजिटल सुरक्षा और ऑनलाइन व्यवहार के स्पष्ट दिशा-निर्देश बनाने चाहिए। विद्यालय, परिवार और समाज को मिलकर जिम्मेदारी निभानी होगी। बच्चों पर पहरा लगाने से अधिक जरूरी है उन्हें डिजिटल दुनिया में सुरक्षित और जिम्मेदार तरीके से चलना सिखाना।

आज मोबाइल हाथ में है, कल यही बच्चे देश का भविष्य संभालेंगे। इसलिए चिंता केवल इस बात की नहीं होनी चाहिए कि बच्चा कितने घंटे मोबाइल चला रहा है। असली सवाल यह है कि मोबाइल उसके समय, सोच, व्यवहार और रिश्तों के साथ क्या कर रहा है।

अगर आज हमने इस बदलाव को केवल आधुनिकता समझकर नजरअंदाज कर दिया तो आने वाले वर्षों में समस्या कहीं अधिक गहरी हो सकती है। सरकार को अब इंतजार करने के बजाय नीति बनानी होगी। स्कूलों को पहल करनी होगी और परिवारों को अपनी भूमिका समझनी होगी।

बच्चे को तकनीक चाहिए, लेकिन उससे ज्यादा उसे बचपन चाहिए। उसे इंटरनेट चाहिए, लेकिन उससे ज्यादा संवाद चाहिए। उसे स्क्रीन चाहिए, लेकिन उससे ज्यादा किताब, खेल का मैदान, परिवार का साथ और समाज से जुड़ाव चाहिए। डिजिटल युग को रोकना संभव नहीं है, लेकिन उसमें बचपन को खोने से बचाना निश्चित रूप से संभव है। यही समय है कि सरकार, शिक्षा व्यवस्था और परिवार मिलकर तय करें कि तकनीक बच्चों का भविष्य बनाएगी या उनका बचपन छीन लेगी।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

'दलित को थाने में मार दिया, प्रदेश में जंगलराज'

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बदायूं । जिले के दातागंज कोतवाली में युवक राजेश (28) की हिरासत के दौरान हुई मौत का मामला अब सियासी तूल पकड़ रहा है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि बदायूं में एक दलित को थाने में हिरासत के दौरान मार दिया गया। उन्होंने प्रदेश में जंगलराज होने का आरोप लगाया। अजय राय ने एक उभरते गायक अंकित बालियान की हत्या का भी जिक्र किया।राजेश की मौत शुक्रवार को पुलिस हिरासत में तबीयत बिगड़ने के बाद हुई थी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत का कारण हृदयाघात बताया गया है। हालांकि, अब सामने आए दातागंज कोतवाली के करीब 4.17 मिनट के ष्टष्टञ्जङ्क वीडियो ने पूरे घटनाक्रम पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

मामला जानिए

वीडियो में राजेश को हवालात के गेट के पास पुलिसकर्मी और होमगार्ड लाते दिखाई दे रहे हैं। एक सिपाही उसकी टी-शर्ट पकड़कर उसे झकझोरता नजर आता है। वह पैर से भी उसे रोकता दिखाई देता है। इसी दौरान होमगार्ड बोतल से उसके चेहरे पर पानी डालता है। इसके बाद राजेश फर्श पर लुढ़क जाता है और उसके शरीर में कोई हलचल नजर नहीं आती। पुलिसकर्मी अन्य लोगों को बुलाने चले जाते हैं।

रीवा के एक निजी अस्पताल में बड़ा हादसा, पहली मंजिल से टूटकर नीचे गिरी लिफ्ट, एक मरीज की मौत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

रीवा मध्य प्रदेश के रीवा स्थित एक निजी नेशनल हॉस्पिटल में मरीज की जान चली गई है। इसमें पूरी तरह से अस्पताल प्रबंधन की लापरवाही है। शनिवार की रात एक मरीज अस्पताल में इलाज करवाने पहुंचा था। इस दौरान लिफ्ट टूटकर नीचे गिर गई है। हादसे में मरीज की जान चली गई है।
मरीज की चली गई जानदरअसल, शनिवार की रात मरीज लिफ्ट से ऊपर जा रहा था। तभी लिफ्ट टूट गई। मरीज नीचे गिरा और मौत हो गई। साथ में जो थे, वह भी हताहत हुए हैं। मरीज की मौत के बाद परिजनों ने हंगामा कर दिया। एक घंटे हंगामा मचा रहा। पुलिस पहुंची और मामले को शांत कराया है।

रीवा का है नामी निजी अस्पताल

नेशनल हॉस्पिटल रीवा का सबसे नामी अस्पताल है। इसके संचालक डॉ अखिलेश पटेल हैं। अस्पताल हमेशा किसी न किसी वजहों से विवादों में रहती है। यहां मरीजों का कैंसर का इलाज होता है। हालांकि इस बार अस्पताल की लापरवाही के कारण एक मरीज की जान चली गई।

लिफ्ट का मेंटेनेंस नहीं होने का आरोप

आरोप लग रहे हैं कि लिफ्ट का मेंटेनेंस नहीं करवाया था। इस लापरवाही की सजा मरीज को भुगतनी पड़ी। मरीज का नाम सुरेश सेन उम्र 50 वर्ष निवासी लालपुर, अमरपाटन जिला मैहर है। वह करीब 8 बजे परिजनों के साथ अस्पताल पहुंचा था। वह इलाज कराने आया था। उसे अस्पताल के ऊपरी तल पर ले जाया जा रहा था। जैसे ही सभी लिफ्ट में सवार हुए और ऊपर चलने लगे। तभी लिफ्ट अचानक से भरभरा कर नीचे गिर गई।

पहली मंजिल से लिफ्ट नीचे जा गिरी

पहली मंजिल से लिफ्ट नीचे जा गिरी। इस लिफ्ट में सवार और लोग तो बच गए लेकिन जो बीमार मरीज सुरेश सेन था, मौत हो गई। इस हादसे के बाद मौके पर हड़कंप मच गया। परिजनों ने इस लापरवाही पर हंगामा खड़ा कर दिया। अफरा तफरी मच गई। समान पुलिस को भी सूचना दी गई। कुछ ही देर में पुलिस भी पहुंच गई। हंगामा जारी रहा। पुलिस ने समझाइश दी। इसके बाद ही मामला शांत हुआ। परिजनों ने इस लापरवाही पर हंगामा खड़ा कर दिया। अफरा तफरी मच गई। समान पुलिस को भी सूचना दी गई। कुछ ही देर में पुलिस भी पहुंच गई। हंगामा जारी रहा। पुलिस ने समझाइश दी। इसके बाद ही मामला शांत हुआ। परिजनों ने इस लापरवाही पर हंगामा खड़ा कर दिया। अफरा तफरी मच गई। समान पुलिस को भी सूचना दी गई। कुछ ही देर में पुलिस भी पहुंच गई। हंगामा जारी रहा। पुलिस ने समझाइश दी।

सतना में तबाही का आलम, सब डूबे

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सतना । जिले में मानसून की एक बार फिर से हुई जोरदार वापसी ने आम जनजीवन को पूरी तरह से अस्त-व्यस्त कर दिया है। शुक्रवार देर रात हुई मूसलाधार बारिश के कारण शनिवार की सुबह शहर से लेकर गांवों तक पानी ही पानी नजर आया। हालात इतने गंभीर हो चुके हैं कि प्रसिद्ध मंदाकिनी नदी और उसकी सहायक नदियां उफान पर हैं, जिससे निचले इलाकों में बाढ़ जैसी स्थिति उत्पन्न हो गई है। कई प्रमुख पेट्रोल पंपों, सार्वजनिक स्थलों और रेलवे पटरियों पर पानी भर जाने के कारण रेल यातायात भी बुरी तरह प्रभावित हुआ है।जलस्तर को नियंत्रित करने और दबाव कम करने के लिए प्रशासन को कड़े कदम उठाने पड़े हैं। एक आधिकारिक जानकारी के अनुसार, स्थिति की गंभीरता को देखते हुए बांसुजारा बांध के सभी आठों स्लुइस गेट खोल दिए गए हैं, जिससे निचले इलाकों में पानी का बहाव और तेज हो गया है। सबसे भयावह स्थिति बीरसिंहपुर क्षेत्र की बताई जा रही है, जहां कई बस्तियों में पानी कमर तक पहुंच चुका है और लोगों के घरों के भीतर पानी घुस जाने से उनका बाहर निकलना दूभर हो गया है।

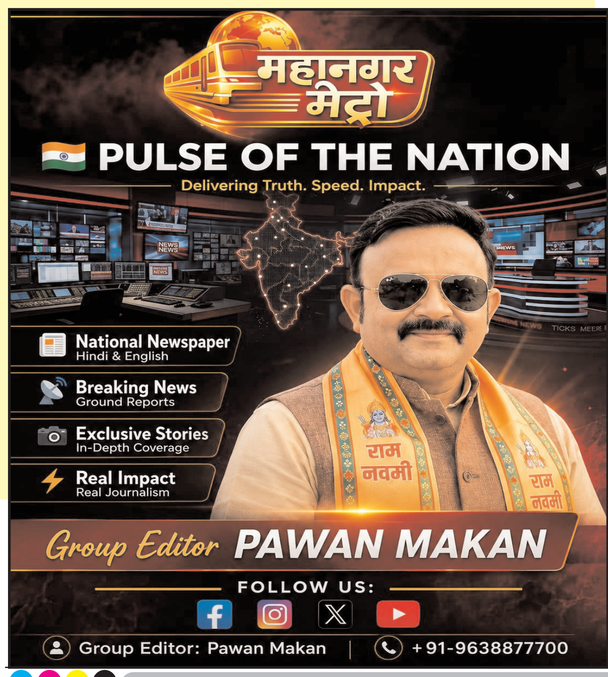

ODOP से बदली खुर्जा पॉटरी की तस्वीर, विदेश पहुंच रहे उत्पाद

एक जिला-एक उत्पाद योजना के जरिए बुलंदशहर के खुर्जा की पॉटरी अब देश ही नहीं बल्कि विदेशों में भी अपनी एक अलग पहचान बना रही है.

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बुलंदशहर।बुलंदशहर के खुर्जा की पॉटरी अब देश ही नहीं बल्कि विदेशों में भी अपनी एक अलग पहचान बना रही है. एक जिला, एक उत्पाद में शामिल होने के बाद इस उद्योग को सरकारी योजनाओं का फायदा मिल रहा है. कारोबारियों को लोन, सब्सिडी और प्रशिक्षण के साथ बेहतर सड़क, ट्रांसपोर्ट और अन्य सुविधाएं भी मिल रही हैं. खुर्जा का पॉटरी उद्योग मुगलकाल से चला आ रहा है. यहां तैयार किए चीनी मिट्टी के बर्तनों की अब मांग काफी बढ़ गई है. इनकी डिजाइनिंग, फिनिशिंग, ग्लेजिंग और फायरिंग में बहुत ध्यान रखा जाता है. इसके बाद उत्पादों की पैकेजिंग कर उन्हें बाजार में भेज दिया जाता है. पहले पॉटरी उद्योग कोयले और डीजल की भट्टियों पर निर्भर था. लेकिन अब सरकार ने इस उद्योग को गैस आधारित कर दिया है. करीब 300-400 यूनिटों के गैस पाइपलाइन से जोड़ने का काम किया गया है. सब्सिडी वाली गैस मिलने से कारोबारियों को काफी राहत मिली है. एक जिला, एक उत्पाद के तहत कारीगरों को प्रशिक्षण, कारोबारियों को वित्तीय सहायता और कर्मचारियों को बीमा और स्वास्थ्य सुविधाओं से जोड़ा गया है. खुर्जा के उत्पादों को अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक पहुंचाने के

लिए लगातार कई प्रयास किए जा रहे हैं. यहां टी-सेट, डिनर सेट समेत टाइल्स और कई तरह के उत्पाद बनाए जाते हैं. खुर्जा की ब्लू पॉटरी और मुगलकालीन डिजाइन भी काफी चर्चित है. इसी कारण खुर्जा को सिरेमिक्स कैपिटल के नाम से भी जाना जाता है. खुर्जा में वेस्ट सिरेमिक्स पार्क भी बनाया गया, यह छह करोड़ की लागत से बना है. इसमें 100 से ज्यादा उत्पाद लगाए गए हैं और करीब 80 टन सिरेमिक कचरे का इस्तेमाल किया गया है. सरकारी योजनाओं के तहत खुर्जा के कई कारोबारियों को लगभग दो से ढाई करोड़ रुपये तक की वित्तीय सहायता मंजूर हुई है. कई ऐसे कारोबारी हैं जो एक जिला एक उत्पाद योजना के जरिए अपने उत्पाद को आगे बढ़ा रहे हैं. जिला केंद्र उपायुक्त धनंजय सिंह का कहना है कि एक जिला, एक उत्पाद के तहत सभी कारोबारियों को इसका लाभ दिया गया है. साथ ही उन्होंने बताया कि समय-समय पर कारोबारियों को इसके बारे में जागरूक भी किया जाता है. कारोबारियों का कहना है कि ODOP के जरिए सभी उत्पादों के एक छत में आने के कारण उन्हें अपने उत्पाद प्रदर्शित करने और बेचने में सुविधाएं मिली हैं. इसके जरिए वे अपने उत्पादों को अंतर्राष्ट्रीय बाजार तक पहुंचा पा रहे हैं. उनका कहना है कि सरकारी मदद और प्रशिक्षण से उत्पादन बढ़ा है और कुशल श्रमिक भी आसानी से मिल रहे हैं. पहले मजदूरों की कमी रहती थी लेकिन ट्रेनिंग के बाद यह समस्या भी बहुत हद तक दूर हो गई है. कारोबारियों के मुताबिक, अब विदेशी ग्राहकों को खुर्जा के उत्पाद आसानी से मिल रहे हैं. नए उद्यमियों को 20-25' तक फंडिंग मिलने के कारण वे आसानी से अपना कारोबार शुरू कर पा रहे हैं. कारोबारियों का कहना है कि पहले डीजल जनरेटर से प्रदूषण की बड़ी समस्या होती थी लेकिन सरकारी मदद से अब ज्यादातर फैक्ट्रियों में गैस आधारित जनरेटर लगाए गए हैं. साथ ही, सब्सिडी को बढ़ाकर 5 लाख से 10 लाख रुपये किया गया है. एक जिला एक उत्पाद के तहत चार प्रमुख योजनाएं लॉन्च की गई हैं. इसमें से एक है, ODOP वित्त पोषण, इस योजना में हर वर्ष 50 नई इकाइयों की स्थापना की जाती है. या फिर पुरानी इकाइयों का ही नवीनीकरण किया जाता है. साथ ही, इसमें उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा सब्सिडी प्रावधान भी किया गया है. दूसरी योजना ट्रेनिंग और कौशल विकास की है. हर साल लगभग 400 लोगों को 10 दिनों का प्रशिक्षण दिया जाता है और फिर उन्हें टूलकिट दी जाती है जिससे वे अपना रोजगार स्थापित कर पाएं. तीसरी योजना एक्सपोर्ट और एक्सपो में भागीदारी से जुड़ी है.तीसरी योजना एक्सपोर्ट और एक्सपो में भागीदारी से जुड़ी है.तीसरी योजना एक्सपोर्ट और एक्सपो में भागीदारी से जुड़ी है.

शादी टूटी तो रात में दीवार फांदकर घर में घुसा युवक, सो रही दो बहनों पर फेंका एसिड... हापुड़ की खौफनाक कहानी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

हापुड़। हापुड़ में रात के सन्नाटे में एक घर के अंदर ऐसा हमला हुआ, जिसने लोगों को सन्न कर दिया. दो सगी बहनें घर में सो रही थीं. तभी एक युवक दीवार फांदकर घर में घुसा और दोनों पर तेजाब फेंक दिया. दोनों बहनें गंभीर रूप से झुलस गईं. उन्हें इलाज के लिए मेरठ मेडिकल कॉलेज ले जाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है.मामला हापुड़ के सिंभावली थाना क्षेत्र के गांव का है. परिजनों के मुताबिक, परिवार ने अपनी एक बेटी का रिश्ता हापुड़ के आवास विकास इलाके के रहने वाले युवक हर्ष भाटी से तय किया था. बाद में परिवार को पता चला कि युवक नशा करता है. इसके बाद परिवार ने शादी का रिश्ता तोड़ दिया. परिजनों का आरोप है कि इसी बात से हर्ष नाराज था.मर्दों को गालियां और टॉर्चर देकर कमाती है लाखों! बोली- बहुतों का शादी टूटने से बचाईदेर रात वह कथित तौर पर दीवार फांदकर घर में दाखिल हुआ. उस वक्त दोनों बहनें सो रही थीं. आरोप है कि युवक ने दोनों पर तेजाब फेंका और वहां से फरार हो गया. तेजाब गिरते ही दोनों

बहनें बुरी तरह झुलस गईं. घर में चीख-पुकार मच गई. परिवार के लोग उन्हें इलाज के लिए लेकर गए. हालत गंभीर होने के चलते दोनों को मेरठ मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है.घटना की सूचना मिलते ही सिंभावली थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी. पुलिस के मुताबिक, डायल-112 के जरिए माधापुर गांव में दो युवतियों पर तेजाब डालने की सूचना मिली थी. पुलिस ने दोनों का मेडिकल कराया. परिजनों की ओर से दी गई तहरीर में शादी का रिश्ता तय होने और बाद में टूटने की बात बताई गई है.सिंभावली थाना प्रभारी अरविंद चौधरी ने बताया कि आरोपी युवक हर्ष को पुलिस हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है. मामले में जरूरी कार्रवाई की जा रही है. सीओ राहुल यादव ने बताया कि सूचना मिली थी कि एक युवक ने 2 युवतियों पर तेजाब डाल दिया है. पुलिस ने घायल युवतियों का मेडिकल कराया है. परिजनों ने बताया कि युवती का युवक के साथ रिश्ता तय था, बाद में टूट गया था. तहरीर के आधार पर केस दर्ज किया गया है. नामजद आरोपी को हिरासत में लेकर कार्रवाई की जा रही है.अब पुलिस इस पूरे मामले की जांच कर रही है कि आरोपी घर में कैसे दाखिल हुआ, हमले में इस्तेमाल पदार्थ कहां से आया और पूरा घटनाक्रम क्या था. फिलहाल दोनों बहनों का इलाज मेरठ मेडिकल कॉलेज में चल रहा है. परिवार के लिए इस वक्त सबसे बड़ी चिंता उनकी हालत है. एक शादी का रिश्ता तय हुआ. फिर परिवार ने रिश्ता तोड़ दिया. इसी नाराजगी में युवक रात के अंधेरे में घर में घुसा और सो रही दो बहनों पर तेजाब फेंक दिया. अब पुलिस इस पूरे मामले की कड़ियां जोड़ रही है.

ट्रेन में रखे सूटकेस में पैक थी महिला... अब मणिपुर से पकड़ा गया आरोपी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

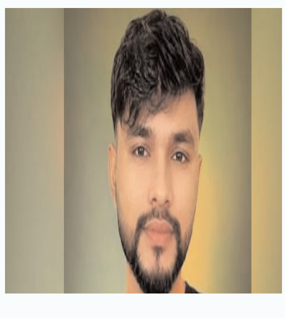

आगरा तमिलनाडु एक्सप्रेस आगरा कैंट स्टेशन पहुंची थी. ट्रेन के एक डिब्बे में रखा लाल रंग का सूटकेस यात्रियों के लिए परेशानी की वजह बन रहा था. उसमें से तेज बदबू आ रही थी. पुलिस ने सूटकेस खोला तो अंदर महिला के शव के टुकड़े मिले. सिर गायब था. जांच की कड़ियां जब पीछे की तरफ जोड़ी गईं तो कहानी चेन्नई के गुडुवांचेरी तक पहुंची. अब मुख्य आरोपी मणिपुर से गिरफ्तार कर लिया गया है.6 अगस्त की तारीख थी. तमिलनाडु एक्सप्रेस अपनी रफ्तार से आगे बढ़ रही थी. ट्रेन के एक अनरिजर्व कोच में यात्रियों के बीच एक लाल रंग का सूटकेस रखा था. शुरुआत में किसी ने उस पर ध्यान नहीं दिया. लेकिन जैसे-जैसे ट्रेन आगे बढ़ी, उस सूटकेस से आने वाली बदबू तेज होती गई. आखिरकार ट्रेन जब आगरा कैंट रेलवे स्टेशन पहुंची तो यात्रियों ने इसकी शिकायत पुलिस से की.पुलिस मौके पर पहुंची. सूटकेस खोला गया. और उसके अंदर जो मिला, उसे देखकर पुलिसकर्मियों के भी होश उड़ गए. सूटकेस में एक महिला के शव के टुकड़े थे. सिर गायब था. यानी किसी ने हत्या के बाद शव को टुकड़ों में काटा, उन्हें लाल सूटकेस में भरा और फिर उसे तमिलनाडु एक्सप्रेस में छोड़ दिया. पुलिस के सवाल था कि ये महिला कौन थी? उसकी हत्या कहां हुई? और आखिर शव को ट्रेन में रखकर इतने दूर आगरा तक क्यों भेजा गया?जांच शुरू हुई तो पुलिस ने सबसे पहले ट्रेन के ष्टष्टञ्जङ्क फुटेज और यात्रियों की गतिविधियों को खंगालना शुरू किया. पुलिस की कोशिश थी कि पता लगाया जाए कि ये सूटकेस ट्रेन में कहां और किसने रखा था. फुटेज को पीछे की तरफ खंगाला गया. कड़ियां जुड़ती गईं और जांच चेन्नई सेंट्रल रेलवे स्टेशन तक पहुंच गई.CCTV में एक पुरुष और एक महिला दिखाई दिए. दोनों के साथ वही लाल रंग का सूटकेस था, जो बाद में आगरा कैंट स्टेशन पर मिला था. अब पुलिस को यकीन हो गया था कि मामले की शुरुआत चेन्नई से हुई है. जांच आगे बढ़ी तो दोनों की पहचान माणिकुद्दीन लस्कर और भगवती माजी के तौर पर हुई. पुलिस को पता चला कि दोनों चेन्नई के गुडुवांचेरी इलाके में किराये के एक मकान में रह रहे थे. पुलिस टीम उस मकान तक पहुंची.यहां कहानी और खौफनाक हो गई. जब पुलिस ने मकान की तलाशी ली तो वहां भी महिला के शरीर के कटे हुए हिस्से बरामद हुए. जांच के दौरान पुलिस को एक बड़ा बर्तन भी मिला. बताया गया कि इसी तरह के बड़े बर्तन में बिरयानी पकाई जाती है. पुलिस के मुताबिक, इस बर्तन से भी महिला के शरीर के हिस्से बरामद हुए. अब मामला सिर्फ ट्रेन में मिले एक सूटकेस का नहीं रह गया था.पुलिस के सामने हत्या की पूरी कहानी थी, जिसकी कड़ियां चेन्नई के एक किराये के मकान से निकलकर तमिलनाडु एक्सप्रेस और फिर आगरा कैंट रेलवे स्टेशन तक पहुंच रही थीं. लेकिन अहम सवाल यह था कि आखिर महिला कौन थी?जांच आगे बढ़ी तो मृतका की पहचान 38 साल की हयात निशा के तौर पर हुई. पुलिस अब यह जानने में जुट गई कि हयात निशा का माणिकुद्दीन और भगवती से क्या संबंध था. हत्या किस वजह से की गई और वारदात में वास्तव में कौन-कौन शामिल था. इधर पुलिस की तलाश तेज हो चुकी थी. लेकिन आरोपी चेन्नई से निकल चुके थे.माणिकुद्दीन लस्कर और उसकी पत्नी भगवती माजी पुलिस की पकड़ से बाहर थे. पुलिस उनकी तलाश में अलग-अलग जगहों पर दबिश दे रही थी. आखिरकार पुलिस को माणिकुद्दीन के मणिपुर में होने का सुराग मिला.तमिलनाडु पुलिस की टीम ने मणिपुर के जिरीबाम जिले के काशिमपुर में दबिश दी और माणिकुद्दीन लस्कर को गिरफ्तार कर लिया. अब उसे ट्रांजिट वारंट पर तमिलनाडु लाया जा रहा है. तमिलनाडु पुलिस के मुताबिक, इस मामले में माणिकुद्दीन और उसकी पत्नी भगवती माजी को मुख्य आरोपी के तौर पर गिरफ्तार किया गया है. पुलिस अब भगवती की तलाश भी कर रही है.एक लाल सूटकेस से शुरू हुई ये कहानी अब चेन्नई से निकलकर मणिपुर तक पहुंच चुकी है. पुलिस की जांच अभी खत्म नहीं हुई है. सबसे बड़ा सवाल यही है कि हयात निशा की हत्या आखिर यों का?

मंदिर में फेरे हुए, फिर गांव पहुंचते ही दुल्हन हो गई फरार... मथुरा में शादी के नाम पर युवक के साथ हो गया खेल!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मथुरा।शादी के लिए मंदिर पहुंचा दूल्हा, सामने दुल्हन थी और आसपास रिश्तेदार बने लोग. मंत्र पढ़े गए, शादी हुई और दूल्हा खुशी-खुशी दुल्हन को लेकर गांव लौट आया. लेकिन कुछ ही देर में कहानी ऐसी पलटी कि दुल्हन ही गायब हो गई. आरोप है कि शादी के नाम पर दूल्हे से 1.15 लाख रुपये लिए गए थे. अब मथुरा पुलिस ने आरोपी दुल्हन समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया है.शादी का सपना लेकर चंद्रभान मंदिर पहुंचा था. सामने एक लड़की थी, साथ में शादी के गवाह बने कुछ लोग थे. मंदिर में शादी हुई और चंद्रभान दुल्हन को लेकर अपने गांव लौट आया. लेकिन शादी की खुशी ज्यादा देर नहीं टिकी. आरोप है कि गांव पहुंचने के बाद दुल्हन अपने साथियों के साथ फरार हो गई. अब पुलिस ने इस कथित लुटेरी दुल्हन समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया है. मामला मथुरा के सुरीर कोतवाली थाना क्षेत्र का है.कहानी नगला जय सिंह गांव के रहने वाले चंद्रभान की है. पुलिस के मुताबिक, चंद्रभान की शादी कराने के नाम पर उसके रिश्तेदार सुंदर ने उससे 1 लाख 15 हजार रुपये लिए थे. इसके बाद सुंदर उसे अलीगढ़ के एक मंदिर में ले गया. वहां एक लड़की से

चंद्रभान की शादी कराई गई. शादी में कुछ लोग रिश्तेदार बनकर मौजूद थे. पुलिस के मुताबिक, रविंद्र भाटी को लड़की का चाचा और दिनेश भाटी को उसका भाई बताया गया था.शादी के 10 दिन बाद लुटेरी दुल्हन फरार, ढाई लाख रुपये लेकर रचाया था ब्याहशादी की रस्में पूरी हुईं और चंद्रभान दुल्हन को लेकर अपने गांव आ गया. लेकिन इसके बाद कहानी में अचानक ट्विस्ट आया. पुलिस के मुताबिक, गांव पहुंचने के बाद दुल्हन अपने साथी इरफान और सुंदर के साथ वहां से चली गई. चंद्रभान को जब मामला समझ आया तो उसने पुलिस से शिकायत की.शिकायत के आधार पर पुलिस ने शादी के नाम पर ठगी करने वाले गिरोह की जांच शुरू की. पुलिस का आरोप है कि शादी के नाम पर चंद्रभान से 99 हजार रुपये ऑनलाइन PI के जरिए और 16 हजार रुपये कैश लिए गए थे. कुल रकम करीब 1.15 लाख रुपये बताई जा रही है.जांच आगे बढ़ी तो पुलिस ने दुल्हन समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया. गिरफ्तार किए गए लोगों में सुंदर, इरफान और वह महिला शामिल है, जिससे चंद्रभान की शादी कराई गई थी. पुलिस के मुताबिक, इस मामले में गिरोह के कुछ और लोग भी शामिल हो सकते हैं. उनकी तलाश की जा रही है.मांट के ष्ह्र अमर नाथ ने बताया कि शादी कराने के नाम पर झांसा देकर ठगी करने वाले तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है. इनमें आरोपी दुल्हन भी शामिल है. बाकी आरोपियों की तलाश जारी है. पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि क्या इस गिरोह ने इसी तरह और लोगों को भी अपना शिकार

अधिकारियों को सूचित किए बिना हरियाणा में की छापेमारी, UP के 5 पुलिसकर्मी सस्पेंड

25 अगस्त को नंगल पुलिस वांछित आरोपी पंकज की तलाश में गुरुग्राम के सेक्टर-14 पहुंची थी.

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बिजनौर।बिजनौर पुलिस के एक सब-इंस्पेक्टर समेत पांच पुलिसकर्मियों को वरिष्ठ अधिकारियों को बिना सूचना दिए गुरुग्राम में छापेमारी करने के आरोप में सस्पेंड किया गया है. पुलिस के मुताबिक 25 अगस्त को नंगल पुलिस वांछित आरोपी पंकज की तलाश में गुरुग्राम के सेक्टर-14 पहुंची थी.उत्तर प्रदेश के बिजनौर पुलिस के एक सब-इंस्पेक्टर समेत 5 पुलिसकर्मियों को वरिष्ठ अधिकारियों को बिना सूचना दिए हरियाणा के गुरुग्राम में छापेमारी करने के मामले में सस्पेंड कर दिया गया है. पुलिस के मुताबिक इस कार्रवाई के दौरान एक गैंगस्टर ने खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली थी. घटना के बाद पुलिस विभाग में हड़कंप मच गया. इस बात की जानकारी एक पुलिस अधिकारी ने एक न्यूज एजेंसी को दी.पुलिस अधीक्षक केके बिश्नोई ने रविवार को बताया कि नंगल थाना पुलिस 25 अगस्त को एक मामले में वांछित टिसोत्रा निवासी पंकज की तलाश कर रही थी. जांच के दौरान पुलिस को उसकी लोकेशन गुरुग्राम में मिली. इसके बाद सब-इंस्पेक्टर हर स्वरूप शर्मा चार कांस्टेबलों के साथ गुरुग्राम के सेक्टर-14 स्थित एक मकान में पहुंचे.

एसपी केके बिश्नोई ने क्या कहा?

पुलिस अधिकारियों के मुताबिक बिजनौर पुलिस की टीम के साथ स्थानीय गुरुग्राम पुलिस भी मौके पर मौजूद थी. जैसे ही मकान में मौजूद लोगों को पुलिस की मौजूदगी का पता चला, टिसोत्रा निवासी गैंगस्टर डिकेंद्र पाल (24) ने कथित तौर पर खुद को गोली मार ली. गोली लगने के बाद उसकी मौत हो गई.

हैंडल से निकल हाथ से लिपट गया सांप... युवक ने गिरा दी चलती हुई बाइक

पुलिस ने बताया कि जिस आरोपी पंकज की तलाश की जा रही थी, उसे मौके से गिरफ्तार कर लिया गया. हालांकि, दूसरे राज्य में इस तरह की कार्रवाई करने से पहले वरिष्ठ अधिकारियों को इसकी जानकारी नहीं दी गई थी. एसपी के.के. बिश्नोई ने बताया कि इसी लापरवाही को गंभीरता से लेते हुए सब-इंस्पेक्टर हर स्वरूप शर्मा समेत पांच पुलिसकर्मियों को शनिवार को निलंबित कर दिया गया. पुलिस अब पूरे मामले की जांच कर रही है. अधिकारियों का कहना है कि जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी.पुलिस अब पूरे मामले की जांच कर रही है. अधिकारियों का कहना है कि जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी.

पन्ना में बारिश का तांडव, नदी-नाले उफनाए... उमरी गांव बन गया टापू, रेस्क्यू के लिए पहुंची टीम

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पन्ना।जहां इन दिनों बारिश सिर्फ बरस नहीं रही, बल्कि अपना रौद्र रूप दिखा रही है. पिछले दो दिनों से लगातार हो रही मूसलाधार बारिश के बाद जिले के कई इलाकों में नदी-नाले उफान पर हैं. हालात ऐसे हैं कि कई गांवों में पानी घुस गया है और सड़कें जलमग्न हो गई हैं.बृजपुर और आसपास के ग्रामीण इलाकों में बारिश ने सबसे ज्यादा मुश्किल खड़ी की है. धरमपुर नाला उफान पर है. पानी पुल से करीब दो फीट ऊपर तक पहुंच गया, जिसके चलते पन्ना-पहाड़ीखेड़ा मुख्य मार्ग पर घंटों आवाजाही बंद रही. किसी हादसे की आशंका को देखते हुए बृजपुर पुलिस ने मौके पर बैरिकेडिंग कर दी और लोगों को पानी के बीच से गुजरने से रोक दिया.बारिश का असर सिर्फ सड़कों तक नहीं रहा. निचले इलाकों में नालों का पानी घरों में घुस गया. कई ग्रामीणों का राशन और घर-गृहस्थी का सामान पानी में बह गया. यानी जिन घरों में रोजमर्रा की जिंदगी चल रही थी, वहां अचानक पानी ही पानी नजर आने लगा.पन्ना के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल बृहस्पति कुंड तक पहुंचने वाले रास्ते पर भी बारिश का असर पड़ा है. संपर्क मार्ग दोनों तरफ से कट गया है. लगातार बारिश और उफनते नदी-नालों के चलते इलाके में आवाजाही मुश्किल हो गई है. लेकिन सबसे ज्यादा चिंता पहाड़ीखेड़ा के उमरी गांव को लेकर है. उमरी गांव चारों तरफ से पानी से घिर गया है. हालात ऐसे हो गए हैं कि गांव एक टापू जैसा नजर आ रहा है और उसका बाहरी इलाकों से संपर्क लगभग कट गया है.गांव में लोगों के फंसे होने की जानकारी के बाद प्रशासन ने राहत और बचाव की

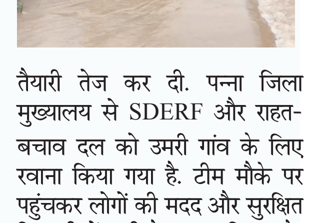

तैयारी तेज कर दी. पन्ना जिला मुख्यालय से SDERF और राहत-बचाव दल को उमरी गांव के लिए रवाना किया गया है. टीम मौके पर पहुंचकर लोगों की मदद और सुरक्षित निकासी में जुटी है. उधर पुलिस और प्रशासन की टीमें भी पूरे इलाके पर नजर बनाए हुए हैं.उफनते नदी-नालों और जलभराव वाले इलाकों में लोगों को जाने से रोका जा रहा है. पन्ना में बारिश ने जिले के कई हिस्सों को पानी-पानी कर दिया है. नदी-नाले खतरे के निशान की तरफ बढ़ रहे हैं और उमरी जैसे गांवों में राहत-बचाव की चुनौती सबसे बड़ी बनी हुई है. बारिश अगर इसी तरह जारी रही,

महानगर मेट्रो
www.mahanagarmetro.com

दिल्लीवालों के लिए बड़ी सौगात 17 सितंबर को खुलेगा बारापुला एलिवेटेड रोड

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्लीवासियों का लंबे समय से चला आ रहा इंतजार अब खत्म होने जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर 17 सितंबर से दिल्ली सरकार 'सेवा पखवाड़ा' शुरू करेगी। इसी दौरान 1,635 करोड़ रुपये से अधिक लागत से तैयार बारापुला एलिवेटेड रोड के तीसरे चरण को जनता के लिए खोल दिया जाएगा। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता मौजूद रहेंगी। बारापुला एलिवेटेड रोड का तीसरा चरण मयूर विहार से सराय काले खां तक बनाया गया है। इसके शुरू होने के बाद मयूर विहार से एम्स तक का सफर करीब 15 से 20 मिनट में पूरा होने की उम्मीद है। इससे पूर्वी दिल्ली और मध्य दिल्ली के बीच यातायात सुगम होगा और प्रमुख मार्गों पर वाहनों का दबाव भी कम होगा। सेवा पखवाड़े के दौरान मुकरबा चौक के पास बाहरी रिंग रोड पर बने अंडरपास और बादली जंक्शन से हैदरपुर मेट्रो स्टेशन तक पहुंच मार्ग को भी जनता के लिए खोला जाएगा। इसके अलावा जल, सीवरेज, बिजली, सड़क, परिवहन, शिक्षा और नागरिक सुविधाओं से जुड़ी कई परियोजनाओं का उद्घाटन किया जाएगा। मुख्यमंत्री के अनुसार बवाना के 20 एमजीडी जल शोधन संयंत्र में 2 एमजीडी क्षमता का पुनर्चक्रण संयंत्र, ओखला में 564 एमएलडी क्षमता का अपशिष्ट जल शोधन संयंत्र और बारापुला नाले से बटला हाउस के दूसरे चरण स्थित सीवरेज पंपिंग स्टेशन तक इंटरसेप्टर सीवर भी शुरू किया जाएगा। जल एवं सीवरेज से जुड़ी करीब 863.38 करोड़ रुपये की परियोजनाएं तथा 232 करोड़ रुपये की बिजली परियोजनाएं भी जनता को समर्पित की जाएंगी।

बीमार बेटे से परेशान पिता ने रची हत्या की साजिश, साथी के साथ मिलकर उतारा मौत के घाट

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। मानसिक बीमारी से जूझ रहे 38 वर्षीय बेटे की हरकतों से परेशान पिता ने अपने साथी के साथ मिलकर उसकी हत्या की साजिश रच डाली। आरोपी पिता तालुकदार अंसारी (64) ने मोहम्मद वसीम उर्फ अकरम (49) के साथ मिलकर बेटे गुल हसन को डॉक्टर को दिखाने के बहाने कालिंदी कुंज के सुनसान इलाके में ले गया। वहां दोनों ने पहले पत्थर से उसके सिर पर हमला किया और फिर कपड़े की रस्सी से गला घोंटकर उसकी हत्या कर दी। वारदात के बाद शव को एनटीपीसी की दीवार के पास पुराने कंटेनर में छोड़ दिया गया। पुलिस के मुताबिक, 23 अगस्त की शाम कालिंदी कुंज थाना पुलिस को कच्ची कॉलोनी की गली नंबर-1 के पास पुराने कंटेनर में युवक का शव पड़े होने की सूचना मिली थी। मृतक के सिर के बाएं हिस्से पर चोट का निशान था और पास में खून लगा कंक्रीट का पत्थर मिला। शुरुआत में मृतक की पहचान नहीं हो सकी। कपड़ों और टी-शर्ट के टैग समेत अन्य सुरागों के आधार पर पुलिस ने जांच आगे बढ़ाई। जांच के दौरान पुलिस ने इलाके और आसपास लगे 200 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। एक कैमरे में गुल हसन दो लोगों के साथ घटनास्थल की ओर जाता दिखाई दिया, जबकि लौटते समय केवल दो लोग नजर आए। इसके बाद पुलिस ने कैमरा-दर-कैमरा संदिग्धों की गतिविधियों को ट्रैक किया। दोनों आरोपियों ने पहचान छिपाने के लिए पहले पैदल रास्ता तय किया, फिर ऑटो लिया और दोबारा पैदल आगे बढ़े। फुटेज के आधार पर पुलिस गोविंदपुरी की एक सिलाई फैक्ट्री तक पहुंची, जहां से दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस के अनुसार, गुल हसन सिजोफ्रेनिया से पीड़ित था और इहबास अस्पताल में उसका इलाज चल रहा था। परिवार का आरोप था कि वह घरवालों और पड़ोसियों के साथ मारपीट करता था। इसी से परेशान होकर पिता ने उसकी हत्या की योजना बनाई। पुलिस के मुताबिक, शक से बचने के लिए आरोपी पिता ने पड़ोसियों से कहा था कि वह गुल हसन को किसी रिश्तेदार के घर छोड़ने जा रहा है। आरोपियों की निशानदेही पर पुलिस ने वारदात में इस्तेमाल पत्थर और कपड़े की रस्सी बरामद कर ली है। सिजोफ्रेनिया एक गंभीर दीर्घकालिक मानसिक बीमारी है, जो व्यक्ति की सोच, समझ और व्यवहार को प्रभावित कर सकती है। विशेषज्ञों के अनुसार इसके लक्षणों में ऐसी चीजों पर विश्वास करना जो वास्तविक नहीं हैं, ऐसी आवाजें सुनाई देना जो मौजूद नहीं होतीं, बातचीत में असंगति, असामान्य व्यवहार और लोगों से दूरी बनाना शामिल हो सकते हैं। बीमारी के लक्षण दिखने पर नियमित चिकित्सकीय उपचार जरूरी है।

दिल्ली में 47.75 लाख नाम ड्राफ्ट मतदाता सूची से बाहर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के बाद 31 अगस्त को ड्राफ्ट मतदाता सूची जारी की जाएगी। मौजूदा सूची की तुलना में इसमें करीब 47.75 लाख से अधिक मतदाताओं के नाम शामिल नहीं होंगे। हालांकि, इन नामों को स्थायी रूप से हटाया नहीं गया है। प्रभावित मतदाताओं को दावा और आपत्ति दर्ज कराकर अपना नाम दोबारा मतदाता सूची में शामिल कराने का अवसर मिलेगा। घर-घर जाकर किए गए सत्यापन अभियान के दौरान दिल्ली के करीब 1.45 करोड़ मतदाताओं में से लगभग 97.5 लाख लोगों के ही प्रपत्रों का डिजिटल सत्यापन हो पाया। बाकी करीब 47.7 लाख मतदाताओं के प्रपत्र जमा नहीं हो सके। निर्वाचन आयोग ने ऐसे मतदाताओं को अनुपस्थित, स्थानांतरित, मृत, दोहरी प्रविष्टि, अन्य या विदेशी श्रेणी में रखा है।

ड्राफ्ट सूची से नाम बाहर होने के प्रमुख कारणों में संबंधित पते पर मतदाता का नहीं मिलना, एक से अधिक स्थानों पर नाम दर्ज होना, स्थायी रूप से दूसरे स्थान पर चले जाना, विदेश में बस जाना या नागरिकता से जुड़े पर्याप्त दस्तावेज उपलब्ध नहीं होना शामिल हैं।

30 सितंबर तक दर्ज करा सकेंगे दावा

जिन लोगों का नाम ड्राफ्ट सूची में नहीं है, वे 31 अगस्त से 30 सितंबर 2026 तक दावा या आपत्ति दर्ज करा सकते हैं। इसके लिए प्रपत्र-6 भरना होगा। पता बदलने की स्थिति में भी नए पते के साथ प्रपत्र-6 के जरिए आवेदन किया जा सकता है। आवेदन ऑनलाइन मतदाता सेवा पोर्टल या मतदाता सहायता ऐप के माध्यम से तथा ऑफलाइन बूथ स्तर अधिकारी या निर्वाचन कार्यालय में किया जा सकता है। आवेदन के साथ निर्धारित पहचान, जन्मतिथि और पते से जुड़े दस्तावेज जमा करने होंगे। इनमें जन्म प्रमाण पत्र, पासपोर्ट, वाहन चलाने का लाइसेंस, दसवीं या बारहवीं की अंकतालिका, बिजली-पानी-गैस का बिल, बैंक या डाकघर की पासबुक, किरायानामा अथवा संपत्ति के दस्तावेज शामिल हो सकते हैं। बूथ स्तर अधिकारी दस्तावेजों का सत्यापन करेंगे। पात्र पाए जाने पर नाम 4 नवंबर 2026 को जारी होने वाली अंतिम मतदाता सूची में शामिल किया जा सकता है। किसी भी सहायता के लिए मतदाता निर्वाचन आयोग की हेल्पलाइन 1950 पर संपर्क कर सकते हैं।

शराब की दुकान में घुसे 3 चोर... बोतलें छोड़कर सिर्फ 60 हजार रुपये ले गए, CCTV में कैद हुई पूरी कहानी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नागपुर। महाराष्ट्र के नागपुर में चोरों ने एक वाइन शॉप को निशाना बनाया. दुकान शराब की बोतलों से भरी थी, लेकिन चोरों की नजर शराब पर नहीं, बल्कि कैश ड्रॉअर पर थी. तीन चोरों ने मिलकर वारदात को अंजाम दिया और करीब 60 हजार रुपये लेकर फरार हो गए. पूरी घटना CCTV कैमरे में कैद हो गई. नागपुर में जब ये घटना हुई, तब सुबह के करीब पौने पांच बजे का वक्त था. सड़कें लगभग खाली थीं. तभी तीन लोग एक शराब की दुकान के पास पहुंचते हैं. दुकान में शराब का पूरा स्टॉक रखा था. चाहें तो कई बोतलें उठाकर ले जा सकते थे, लेकिन इन तीनों की नजर शराब पर नहीं थी. इनका टारगेट कुछ और था. मामला नागपुर के तहसील इलाके की वाइन शॉप का है. पूरी कहानी दुकान में लगे CCTV कैमरे में रिकॉर्ड हो गई. CCTV में दिखाई देता है कि तीन आरोपी दुकान के पास पहुंचते हैं. तीनों कुछ देर आसपास का जायजा लेते हैं. इसके बाद दो आरोपी बाहर ही रुक जाते हैं. इनका काम था पहरा देना. तीसरा आरोपी दुकान के शटर के पास जाता है. वो शटर को थोड़ा ऊपर उठाता है. जगह बनते ही उसके नीचे से दुकान के अंदर घुस जाता है. अब दुकान के अंदर सिर्फ वही है और बाहर उसके दो साथी निगरानी कर रहे हैं. अंदर जाने के बाद आरोपी शराब की बोतलों की तरफ नहीं जाता. वह सीधे दुकान के उस हिस्से में पहुंचता है, जहां कैश रखा था. वो ड्रॉअर खोलता है और उसमें रखे करीब 60 हजार रुपये निकाल लेता है. इसके बाद जितनी चुपचाप दुकान में घुसा था, उतनी ही चुपचाप बाहर भी निकल आता है. बाहर उसके दोनों साथी पहले से इंतजार कर रहे थे. तीनों वहां से निकल जाते हैं. पूरी वारदात में शराब की एक भी बोतल चोरी नहीं हुई. दुकान में घुसे चोरों ने सिर्फ नकदी

पर हाथ साफ किया. सीसीटीवी में घटना का समय सुबह करीब 4 बजकर 40 मिनट दिख रहा है. सुबह जब दुकान मालिक को चोरी की जानकारी हुई तो उसने पुलिस को सूचना दी. जानकारी के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और CCTV फुटेज खंगाले. फुटेज में तीनों संदिग्ध दिखाई दे रहे हैं.

गरीब नगर अतिक्रमण हटाने के बाद 8 साल बाद खत्म हुआ बांद्रा स्टेशन-टर्मिनस के बीच गति प्रतिबंध

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। मुंबई करों के लिए राहत भरी खबर है। बांद्रा स्टेशन और बांद्रा टर्मिनस के बीच करीब 700 मीटर लंबे रेलखंड पर पिछले कई वर्षों से लागू गति प्रतिबंध अब खत्म कर दिया गया है। पश्चिम रेलवे ने लंबे समय से खराब हालत में पड़े इस ट्रैक पर बड़े पैमाने पर सुधार कार्य पूरा किया है। इसके बाद ट्रेनों की निर्धारित गति दोबारा 15 किलोमीटर प्रति घंटे तक बहाल कर दी गई है। यह रेल लाइन वर्ष 1992-93 के दौरान बांद्रा स्टेशन और बांद्रा टर्मिनस को आपस में जोड़ने के लिए बिछाई गई थी। इसके आसपास गरीब नगर और नाउपाड़ा जैसी बस्तियां होने के कारण लंबे समय से ट्रैक के आसपास कचरा, मलबा और गंदा पानी जमा होने की समस्या बनी हुई थी। लगातार जलभराव और गंदगी के कारण रेल पटरियों तथा अन्य ढांचागत हिस्सों पर इसका असर पड़ रहा था। कई स्थानों पर रेल फ्रेम में जंग लगने के साथ क्षति भी पहुंची थी। जलभराव के कारण संकेत प्रणाली और ट्रैक सर्किट में भी तकनीकी परेशानियां सामने आती थीं। ट्रैक की स्थिति को देखते हुए रेलवे को इस हिस्से में ट्रेनों की गति लगातार कम रखनी पड़ रही थी।

3,200 घन मीटर कचरा और मलबा हटाया

पश्चिम रेलवे ने वर्ष 2025 में इस रेलखंड के सुधार के लिए व्यापक अभियान शुरू किया। इसके तहत ट्रैक और आसपास के क्षेत्र से करीब 3,200 घन मीटर कचरा और मलबा हटाया गया। इसके अलावा 1,165 स्लीपरों पर मैनुअल ट्रैक नवीनीकरण का काम किया गया। ट्रैक नवीनीकरण के साथ पटरियों को मजबूत करने और उनकी स्थिति सुधारने के लिए जरूरी कार्य भी किए गए। ट्रैक को उठाने, उसकी मरम्मत और समतलीकरण के लिए मशीनों का इस्तेमाल किया गया। इसके साथ ही लेवल क्रॉसिंग गेट संख्या 18 का भी व्यापक रखरखाव और सुधार किया गया। रेलवे के अनुसार इन कार्यों से इस रेलखंड की सुरक्षा, संरचनात्मक मजबूती और परिचालन क्षमता में सुधार हुआ है।

2018 में 15 से घटाकर 10 किलोमीटर प्रति घंटे हुई थी गति

ट्रैक की खराब स्थिति के कारण वर्ष 2018 में इस हिस्से पर ट्रेनों की सामान्य निर्धारित गति 15

किलोमीटर प्रति घंटे से घटाकर 10 किलोमीटर प्रति घंटे करनी पड़ी थी। वर्ष 2025 में स्थिति और खराब होने पर कुछ समय के लिए गति सीमा को घटाकर 8 किलोमीटर प्रति घंटा तक कर दिया गया था। सुधार कार्य पूरा होने के बाद पहले गति सीमा को बढ़ाकर 10 किलोमीटर प्रति घंटा किया गया और अब इसे फिर से 15 किलोमीटर प्रति घंटे की सामान्य निर्धारित गति पर बहाल कर दिया गया है। इसका फायदा मुख्य रूप से बांद्रा स्टेशन से मुंबई सेंट्रल या दादर की ओर आने-जाने वाली खाली लोकल ट्रेनों और इंजनों को मिलेगा। हालांकि यह मुख्य यात्री सेवाओं के लिए कोई बड़ी गति वृद्धि नहीं है, लेकिन रेल परिचालन में समय की बचत और संचालन में सुगमता आएगी। वर्षों से समस्या बने इस छोटे लेकिन महत्वपूर्ण रेलखंड की स्थिति सुधरने से पश्चिम रेलवे के परिचालन को भी राहत मिलने की उम्मीद है।

ट्रैफिक पुलिस ने पीछा कर पकड़ी चोरी की स्कूटी; दो नाबालिग हिरासत में

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। राखी के दिन भारी जाम के बीच दिल्ली ट्रैफिक पुलिस की सतर्कता से चोरी की स्कूटी बरामद कर दो नाबालिगों को पकड़ लिया गया। दोनों लड़के बिना हेलमेट रॉन्ग साइड से स्कूटी लेकर भाग रहे थे। पुलिसकर्मियों ने करीब 20 मीटर तक पीछा कर उन्हें स्कूटी समेत दबोच लिया। पुलिस के अनुसार, घटना 28 अगस्त की शाम करीब 7:50 बजे की है। केशव चौक पर ट्रैफिक इंस्पेक्टर भजनपुरा की निगरानी में सहायक उपनिरीक्षक विनोद, हेड कॉन्स्टेबल निशांत और गौरव ड्यूटी पर तैनात थे। इसी दौरान सीलमपुर की ओर से एक स्कूटी रॉन्ग साइड से आती दिखाई दी। सवार दोनों लड़कों ने हेलमेट नहीं पहन रखा था और उनकी गतिविधियां संदिग्ध लग रही थीं। ट्रैफिक पुलिसकर्मियों ने दोनों को रुकने का इशारा किया तो उन्होंने स्कूटी तेज कर भागने की कोशिश की। पुलिसकर्मियों ने तुरंत पीछा किया और करीब 20 मीटर बाद दोनों को पकड़ लिया। स्कूटी के रिकॉर्ड की जांच करने पर पता चला कि वह भजनपुरा के नूर-ए-इलाही रोड स्थित पेट्रोल पंप के पास से चोरी की गई थी। पुलिस के मुताबिक, स्कूटी चोरी होने के संबंध में 21 अगस्त को भजनपुरा थाने में ई-प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी। जांच में दोनों सवार नाबालिग पाए गए। इसके बाद चोरी की स्कूटी और दोनों नाबालिगों को आगे की कार्रवाई के लिए वेलकम थाना पुलिस के हवाले कर दिया गया।

मवेशी चराने जंगल गया था युवक, अचानक सामने आया बाघ; हमले में मौत, गांवों में दहशत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

चंद्रपुर। महाराष्ट्र के चंद्रपुर जिले में बाघ के हमले में 25 वर्षीय युवक की मौत के बाद जुनोना और आसपास के इलाकों में दहशत का माहौल है। युवक रोज की तरह मवेशी चराने जंगल गया था, लेकिन शनिवार दोपहर अचानक उसका सामना बाघ से हो गया। बाघ ने युवक पर हमला कर दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना ताडोबा-अंधारी बाघ अभयारण्य के बफर क्षेत्र में हुई। घटना 29 अगस्त की दोपहर करीब एक बजे की बताई जा रही है। जुनोना निवासी 25 वर्षीय विजय मधुकर मेश्राम मवेशियों को चराने के लिए मोहर्ली वन क्षेत्र के मोहर्ली बिट इलाके में गया था। इसी दौरान जंगल में अचानक बाघ उसके सामने आ गया और उसने विजय पर हमला कर दिया। हमले में युवक को संभलने या बचने का मौका तक नहीं मिला।

सूचना मिलते ही वन विभाग और पुलिस पहुंची

घटना की जानकारी मिलते ही वन विभाग और पुलिस की टीमें मौके पर पहुंचीं। मोहर्ली प्रादेशिक वन क्षेत्र के वनपरिक्षेत्र अधिकारी संतोष थिपे, पुलिसनिरीक्षक शेगावकर और उनकी टीम ने घटनास्थल का जायजा लिया। दुर्गापुर पुलिस थाने के अधिकारी और कर्मचारी भी मौके पर पहुंचे। मानद वन्यजीव रक्षक मुकेश भांदककर और वन विभाग के कर्मचारियों की मौजूदगी में पुलिस ने शव का पंचनामा किया। इसके बाद विजय के शव को पोस्टमार्टम के लिए भद्रावती ग्रामीण अस्पताल भेजा गया। युवक की मौत से उसके परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। वन विभाग की ओर से मृतक की मां निरंजना मधुकर मेश्राम को तत्काल सहायता के रूप में 50 हजार रुपये की आर्थिक मदद दी गई है।

बाघ की गतिविधियों पर रखी जा रही नजर

हमले के बाद जुनोना और आसपास के गांवों में रहने वाले लोगों की चिंता बढ़ गई है। ग्रामीणों का जंगल में लगातार आना-जाना रहता है। कई लोग मवेशी चराने के अलावा दूसरे जरूरी कामों के लिए भी जंगल की ओर जाते हैं। ऐसे में बाघ की मौजूदगी ने लोगों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी है। वन विभाग ने बाघ की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए घटनास्थल के आसपास कैमरा ट्रैप लगाए हैं। इनके जरिए बाघ की आवाजाही और गतिविधियों की निगरानी की जाएगी। वन विभाग ने ग्रामीणों से सतर्क रहने और जंगल में अकेले नहीं जाने की अपील की है।

लाल किला धमाके में एनआईए की 7,500 पन्नों की चार्जशीट मंजूर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में लाल किले के पास 10 नवंबर 2025 को हुए कार धमाके के मामले में जांच अब न्यायिक प्रक्रिया के अगले अहम चरण में पहुंच गई है। दिल्ली की विशेष एनआईए अदालत ने राष्ट्रीय जांच एजेंसी की ओर से दाखिल करीब 7,500 पन्नों की चार्जशीट पर संज्ञान लेते हुए उसे स्वीकार कर लिया है। अदालत के इस फैसले के बाद मामले में नामजद आरोपियों के खिलाफ आगे की कानूनी कार्रवाई का रास्ता साफ हो गया है। मामले की अगली सुनवाई 9 सितंबर को होगी। इस धमाके ने राजधानी की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए थे। घटना में 11 लोगों की मौत हुई थी, जबकि कई अन्य लोग घायल हुए थे। लाल किले जैसे अत्यंत संवेदनशील और ऐतिहासिक क्षेत्र के पास हुए इस धमाके के बाद सुरक्षा एजेंसियों ने बड़े स्तर पर जांच शुरू की थी। एनआईए ने मामले की जांच को दिल्ली तक सीमित नहीं रखा और देश के कई राज्यों में आरोपियों के संभावित संपर्कों, आवाजाही और कथित साजिश से जुड़े सुरागों को खंगाला। 13 आरोपियों के खिलाफ दाखिल हुई चार्जशीट एनआईए ने अपनी विस्तृत जांच के आधार पर कुल 13 आरोपियों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया है। इनमें उमर उन नबी, आमिर राशिद अली, जासिर बिलाल वानी, मुजम्मिल, आदिल अहमद राथर, मुफ्ती इरफान अहमद, शाहीन, सोयाब, बिलाल और यासिर अहमद डार समेत अन्य आरोपी शामिल हैं। जांच के अनुसार उमर उन नबी की धमाके में मौत हो चुकी है। वहीं मामले से जुड़ा एक अन्य आरोपी फरार बताया गया है। एजेंसी ने आरोपपत्र में प्रत्येक आरोपी की कथित भूमिका, उनके बीच संभावित संपर्क और जांच के दौरान सामने आए तथ्यों का विस्तृत विवरण अदालत के समक्ष रखा है। एनआईए ने यह पता लगाने की कोशिश की कि धमाके की कथित साजिश किस तरह तैयार की गई, इसमें कौन-कौन लोग शामिल थे और आरोपियों के बीच किस प्रकार संपर्क हुआ। कई राज्यों में फैला जांच का दायरा एनआईए की जांच दिल्ली से आगे बढ़कर जम्मू-कश्मीर, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र और गुजरात समेत कई राज्यों तक पहुंची। एजेंसी ने आरोपियों से जुड़े संभावित ठिकानों, संपर्कों और गतिविधियों की पड़ताल की। जांच के दौरान मिले दस्तावेजों, इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों और अन्य सामग्री को भी मामले की कड़ियों से जोड़कर देखा गया। एनआईए के अनुसार, जांच के दौरान 588 गवाहों के बयान दर्ज किए गए। इसके अलावा 395 से अधिक दस्तावेजों और 200 से ज्यादा जब्त वस्तुओं को भी मामले का हिस्सा बनाया गया है। इन साक्ष्यों के आधार पर एजेंसी ने धमाके से पहले और बाद की घटनाओं, आरोपियों की कथित गतिविधियों तथा उनके बीच संभावित संपर्कों को अदालत के सामने रखा है। पहले भी दाखिल हो चुकी हैं दो चार्जशीट इस मामले में एनआईए इससे पहले भी दो चार्जशीट दाखिल कर चुकी है। पहली चार्जशीट 14 मई को और दूसरी 27 जून को दाखिल की गई थी। अब करीब 7,500 पन्नों की चार्जशीट पर विशेष अदालत द्वारा संज्ञान लिए जाने के बाद मामले की न्यायिक कार्यवाही आगे बढ़ेगी। अदालत ने इससे पहले अहलमद को मुख्य और पूरक आरोपपत्रों की जांच कर रिपोर्ट पेश करने का निर्देश दिया था। मौजूदा कार्यवाही में अदालत ने उसी आदेश का पालन करने को कहा है। साथ ही विशेष लोक अभियोजक को निर्देश दिया गया है कि सभी आरोपियों की कथित भूमिका और उनके खिलाफ उपलब्ध साक्ष्यों का संक्षिप्त सारणीबद्ध विवरण तैयार किया जाए। इससे अदालत को आरोपपत्र में दर्ज आरोपों और साक्ष्यों को समझने में सुविधा होगी। चार आरोपियों के खिलाफ जांच अभी लंबित अदालत ने यह भी रिकॉर्ड किया है कि उकाशा, फैजल, आशिम और उस्मान के खिलाफ आगे की जांच अभी लंबित है। एनआईए को इस संबंध में रिपोर्ट दाखिल करने के लिए कहा गया है कि लंबित जांच के बावजूद मामले में आगे की कानूनी कार्यवाही जारी रखी जा सकती है या नहीं। अब 9 सितंबर को होने वाली सुनवाई पर अदालत आगे की प्रक्रिया को लेकर महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश दे सकती है। चार्जशीट में शामिल आरोपों और साक्ष्यों के आधार पर मामले की सुनवाई आगे बढ़ेगी।

समृद्धि महामार्ग से गुजरने वाले ध्यान दें, 31 अगस्त से 7 सितंबर तक यातायात बंद; जानें किस दिन और किस रूट पर लगेगा प्रतिबंध

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। हिंदूहृदयसम्राट बालासाहेब ठाकरे महाराष्ट्र समृद्धि महामार्ग पर सफर करने वाले वाहन चालकों और यात्रियों के लिए महत्वपूर्ण सूचना है। महामार्ग पर सीसीटीवी कैमरों के लिए गैन्ट्री लगाने के काम के चलते सिन्नर इंटरचेंज से इगतपुरी इंटरचेंज के बीच कई दिनों तक चरणबद्ध तरीके से यातायात प्रतिबंध लागू किया जाएगा। महाराष्ट्र राज्य सड़क विकास महामंडल के अनुसार, यह प्रतिबंध 31 अगस्त से 7 सितंबर 2026 के बीच निर्धारित दिनों में लागू रहेगा। इस दौरान मुंबई और नागपुर दोनों दिशाओं में तय समय के लिए वाहनों की आवाजाही पूरी तरह रोक दी जाएगी। यह काम समृद्धि महामार्ग की बुद्धिमान यातायात प्रबंधन प्रणाली को मजबूत करने के लिए किया जा रहा है। इसके तहत मार्ग पर सीसीटीवी कैमरों की निगरानी व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए गैन्ट्री स्थापित की जाएंगी। निर्माण कार्य के दौरान वाहनों की आवाजाही जारी रहने से सुरक्षा संबंधी जोखिम पैदा हो सकता है, इसलिए संबंधित हिस्से में सीमित अवधि के लिए यातायात रोकने का निर्णय लिया गया है। प्रशासन ने वाहन चालकों से अपील की है कि वे यात्रा शुरू करने से पहले प्रतिबंध के समय का ध्यान रखें।

पहले चरण में सिन्नर से भरवीर तक प्रतिबंध

यातायात प्रतिबंध का पहला चरण 31 अगस्त, 1 सितंबर और 2 सितंबर को लागू होगा। इन दिनों सिन्नर इंटरचेंज से भरवीर इंटरचेंज के बीच वाहनों की आवाजाही निर्धारित समय के लिए बंद रखी जाएगी। मुंबई की ओर जाने वाले वाहनों को दोपहर 12 बजे से 1 बजे तक रोका जाएगा। वहीं नागपुर की दिशा में जाने वाले वाहनों की आवाजाही दोपहर 3 बजे से 4 बजे तक बंद रहेगी। यानी इस एक घंटे के दौरान संबंधित दिशा में समृद्धि महामार्ग के इस हिस्से से वाहन आगे नहीं बढ़ सकेंगे।

दूसरे चरण में भरवीर से इगतपुरी तक रोक

दूसरे चरण में 4 सितंबर, 5 सितंबर और 7 सितंबर को यातायात प्रतिबंध लागू किया जाएगा। इस दौरान भरवीर इंटरचेंज से इगतपुरी इंटरचेंज के बीच यातायात रोका जाएगा। मुंबई की ओर जाने वाले वाहनों के लिए दोपहर 12 बजे से 1 बजे तक यातायात बंद रहेगा। वहीं नागपुर की ओर जाने वाले वाहनों को दोपहर 3 बजे से 4 बजे तक आगे जाने की अनुमति नहीं होगी। प्रशासन ने वाहन चालकों को सलाह दी है कि वे इन समयावधियों के आसपास अपनी यात्रा का कार्यक्रम इस तरह बनाएं कि उन्हें मार्ग पर

अनावश्यक इंतजार न करना पड़े।

यात्रा से पहले समय का रखें विशेष ध्यान

एमएसआरडीसी ने यात्रियों और वाहन चालकों से अपील की है कि वे निर्धारित यातायात प्रतिबंध को ध्यान में रखते हुए पर्याप्त समय लेकर यात्रा करें। अधिकारियों ने कहा कि निर्माण कार्य के दौरान मौके पर यातायात और सुरक्षा व्यवस्था के लिए जरूरी इंतजाम किए जाएंगे। वाहन चालकों को कर्मचारियों और प्रशासन की ओर से दिए जाने वाले निर्देशों का पालन करने की भी अपील की गई है अधिकारियों के अनुसार, समृद्धि महामार्ग पर बुद्धिमान यातायात प्रबंधन प्रणाली के विस्तार से सड़क पर वाहनों की निगरानी और यातायात नियंत्रण को अधिक प्रभावी बनाया जा सकेगा।

मेमू ट्रेन पर पथराव मामला : वायरल वीडियो से 6 आरोपी पकड़े गए

वाराणसी (एजेंसी)। वाराणसी से प्रयागराज जा रही एक मेमू ट्रेन पर पिछले महीने हुए पथराव के आरोप में रेलवे पुलिस ने छह लोगों को पकड़ा है। इनमें चार वयस्क और दो नाबालिग शामिल हैं। यह घटना भदोही जिले के अहिमनपुर रेलवे पड़ाव पर 28 अगस्त को यात्रियों से विवाद के बाद हुई थी। पुलिस ने रविवार को बताया कि अहिमनपुर पड़ाव पर कुछ लोगों ने यात्रियों से विवाद के बाद रेल लाइन की गिट्टियों से ट्रेन पर पथराव कर दिया था। घटना का वीडियो एक यात्री ने बनाया था, जो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। वायरल वीडियो का संज्ञान लेते हुए, प्रयागराज के आरपीएफप्रभारी निरीक्षक और ज्ञानपुर रोड जीआरपी की टीम ने आरोपियों की पहचान की। शनिवार देर शाम अहिमनपुर के आसपास से कृष्ण कुमार यादव, अभिषेक प्रजापति, आदर्श प्रजापति, आदित्य गुप्ता (सभी 18 से 20 वर्ष) और दो नाबालिगों को पकड़ा गया। ये सभी भदोही के औराई थाना क्षेत्र के निवासी हैं। चार वयस्कों को गिरफ्तार कर लिया गया है, जबकि नाबालिगों को हिरासत में लिया गया। पथराव में कोई घायल नहीं हुआ, लेकिन यात्रियों में दहशत फैल गई। आरोपियों पर संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

पश्चिमी दिल्ली में लकड़ी के गोदाम में लगी भीषण आग

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिमी दिल्ली के राजधानी मेट्रो स्टेशन के पास रविवार तड़के लकड़ी और प्लाईवुड के एक विशाल कारखाने में भीषण आग लग गई। दिल्ली अग्निशमन सेवा ने आग बुझाने के लिए तत्काल 25 दमकल गाड़ियों को मौके पर भेजा। हालांकि, इस घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है, जिससे एक बड़ी राहत मिली है। अधिकारियों ने बताया कि असम टिंबर मार्केट में स्थित लकड़ी के इस गोदाम में आग लगने की सूचना तड़के करीब 3 बजे प्राप्त हुई। आग की भयावहता को देखते हुए, शुरुआती नौ दमकल गाड़ियों के बाद अतिरिक्त वाहनों को सेवा में लगाया गया और सुबह 3:24 बजे आग को भीषण घोषित किया गया। आग पर सुबह करीब साढ़े छह बजे तक पूरी तरह काबू पा लिया गया। अग्निशमन अधिकारियों के अनुसार, यह आग 2,000 वर्ग गज में फैली एक बहुमंजिला इमारत के तहखाने में बने लकड़ी के गोदाम में लगी थी। इस इमारत में तहखाना, भूतल/स्टिल्ट और ऊपर की दो मंजिलें शामिल थीं। समय रहते अग्निशमन कर्मियों की त्वरित कार्रवाई और बड़ी संख्या में गाड़ियों की तैनाती से जानमाल के नुकसान को टाला जा सका।

पलवल मस्जिद में छात्रा से दुष्कर्म : रिश्तेदार गिरफ्तार

पलवल(एजेंसी)। हरियाणा के पलवल जिले के हसनपुर में मस्जिद के अंदर एक 11 वर्षीय नाबालिग छात्रा से दुष्कर्म का सनसनीखेज मामला आया है। छात्रा अपने पिता का मोबाइल चार्जर लेने मस्जिद गई थी, जब उसके 30 वर्षीय रिश्तेदार ने छात्रा को अपनी हवस का शिकार बनाया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। मंगलवार को हुई घटना में, पीड़िता के पिता जो मस्जिद के मौलवी हैं, उन्होंने ही आरोपी के ठहरने का इंतजाम मस्जिद परिसर में किया था। छठी कक्षा में पढ़ने वाली छात्रा दोपहर में अपने पिता के कमरे से चार्जर लेने गई थी। अकेला पाकर आरोपी ने नाबालिग छात्रा को एक कमरे में बुलाया, दरवाजा बंद कर उसके साथ दुष्कर्म किया। कुछ देर बाद छात्रा के वापस न लौटने पर उसकी मां को शक हुआ। मस्जिद पहुंचने पर मां ने बच्ची के चिल्लाने की आवाज सुनाई दी। पीड़िता के पिता और अन्य लोगों ने मिलकर कमरे का दरवाजा तोड़कर छात्रा को बचाया, लेकिन आरोपी घटनास्थल से भागने में सफल रहा। सूचना मिलने पर पुलिस ने पीड़िता को पलवल के सिविल अस्पताल पहुंचाया, जहां मेडिकल जाँच में दुष्कर्म की पुष्टि हुई। दो दिन के इलाज के बाद पीड़िता को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। पुलिस ने बताया कि आरोपी के खिलाफ पॉक्सो एक्ट की धारा 6 के तहत एफआईआर दर्ज कर गिरफ्तार किया गया।

बिहार के मंत्री पर महिला से अभद्र व्यवहार का आरोप

-संजय सिंह ने दी राजनीति छोड़ने की चुनौती

पटना (एजेंसी)। जनशक्ति जनता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष तेज प्रताप यादव ने बिहार सरकार के मंत्री संजय कुमार सिंह पर गंभीर आरोप लगाए हैं। यादव ने दावा किया है कि महुआ से विधायक संजय सिंह ने दिल्ली के एक होटल में महिला कर्मचारी के साथ कथित तौर पर अभद्र व्यवहार किया। तेज प्रताप के अनुसार, इस घटना को होटल स्टाफ के हस्तक्षेप के बाद संभाला गया और फिर करीब 25 लाख रुपये के कथित लेन-देन के माध्यम से मामले को रफा-दफा किया। तेज प्रताप ने इन आरोपों की गहन और निष्पक्ष जांच की मांग कर कहा है कि जनता को सच्चाई जानने का अधिकार है और दोषी पाए जाने पर कानून के अनुसार कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने मंत्री के राजनीतिक और सार्वजनिक जीवन को लेकर भी सवाल उठाए हैं। इन आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए मंत्री संजय सिंह ने अपनी सफाई में कहा है कि अगर उनके खिलाफ कोई पुख्ता सबूत मिलता है, तब वह राजनीति छोड़ दूंगा।

महानगर मेट्रो सुपर एक्सक्लूसिव

पहले दिन सिर्फ 8 लाख, चौथे हफ्ते में 18 करोड़ पार...

नीम करोली बाबा पर बनी 'हनुमान अंश' ने दिलों के बाद बॉक्स ऑफिस भी जीता

धीमी शुरुआत के बावजूद दर्शकों की आस्था और जबरदस्त 'वर्ड ऑफ माउथ' ने फिल्म को बनाया साल की सबसे चर्चित आध्यात्मिक सफलताओं में शामिल

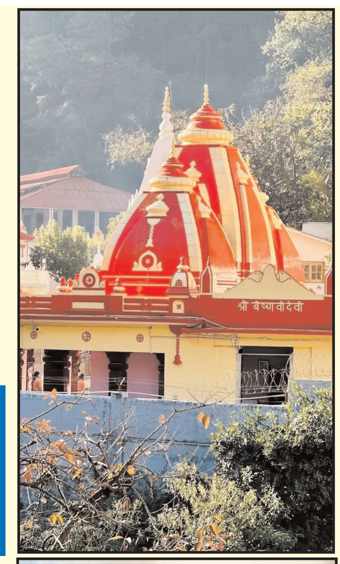

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

नई दिल्ली। नीम करोली बाबा के जीवन, उनके संदेश और मानवता की सेवा की भावना पर आधारित फिल्म 'हनुमान अंश' ने बॉक्स ऑफिस पर एक प्रेरणादायक कहानी लिख दी है। 31 जुलाई 2026 को रिलीज हुई फिल्म ने पहले दिन महज करीब 8 लाख रुपये का कारोबार किया था, लेकिन दर्शकों के बढ़ते प्यार ने इसकी दिशा पूरी तरह बदल दी। धीरे-धीरे फिल्म की चर्चा सिनेमाघरों से निकलकर लोगों के बीच पहुंचने लगी। जिन्होंने फिल्म देखी, उन्होंने इसकी भावनात्मक कहानी और आध्यात्मिक संदेश को दूसरों तक पहुंचाया। यही मजबूत 'वर्ड ऑफ माउथ' फिल्म की सबसे बड़ी ताकत बन गया।

बॉक्स ऑफिस का सफर

पहला दिन: करीब 8 लाख

चौथे हफ्ते तक: 18 करोड़ से अधिक

संदेश: कहानी मजबूत हो तो दर्शक खुद बन जाते हैं प्रचारक

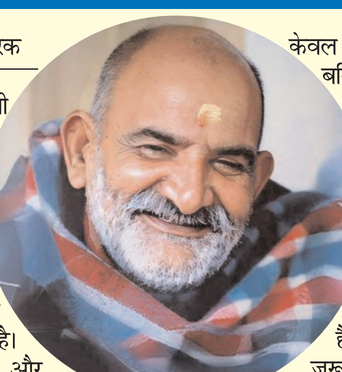

फिल्म की कहानी एक ऐसे बालक की भावनात्मक यात्रा से शुरू होती है, जो अपनी मां को खोने के बाद ईश्वर की तलाश में घर छोड़ देता है। संघर्ष, भटकाव और साधना के लंबे सफर के बाद उसे यह एहसास होता है कि ईश्वर केवल खोजने की चीज नहीं, बल्कि मानवता की सेवा में महसूस करने का अनुभव है। यही बालक आगे चलकर दुनिया के प्रिय 'महाराज जी' के रूप में सामने आता है। फिल्म का मूल संदेश भी यही है–भूखे को भोजन, जरूरतमंद की मदद और बिना भेदभाव इंसानियत की सेवा ही सच्ची भक्ति है।

क्यों खास है 'हनुमान अंश'?

आस्था और भावनाओं से जुड़ी कहानी, सेवा, करुणा और इंसानियत का संदेश, नई पीढ़ी को आध्यात्मिक विरासत से जोड़ने की कोशिश मजबूत है। 'हनुमान अंश' की सफलता यह साबित करती है कि बड़े सितारों और भारी प्रचार से कहीं ज्यादा ताकत एक सच्ची और दिल को छू लेने वाली कहानी में होती है। फिल्म ने न केवल बॉक्स ऑफिस पर शानदार वापसी की है, बल्कि दर्शकों के दिलों में भी अपनी अलग जगह बनाई है।

मैं राहुल गांधी के हाथों पीना चाहता था जूस, सम्मानजनक तरीके से चाहता अनशन तोड़ना

-36 दिनों तक अनशन करने वाले वांगचुक ने बताया 20 जुलाई का क्या था प्लान

नई दिल्ली, एजेंसी।
नीट पेपर लीक के खिलाफ कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन और संसद मार्च को लेकर 36 दिनों तक अनशन करने वाले सोनम वांगचुक ने कहा कि वह चाहते थे राहुल गांधी उनका अनशन तुड़वाएं और अपने हाथों से पिलाएं जूस। वांगचुक ने कहा कि वह चाहते थे कि सम्मानजनक तरीके से वह अनशन खत्म करें। उन्होंने यह भी बताया कि 20 जुलाई को संसद मार्च को लेकर उनका क्या प्लान था। वांगचुक ने कहा कि हमने कहा था कि मैं और 12 दिन किसी तरह अनशन कर लूंगा लेकिन हम लोग 20 जुलाई को संसद जाएंगे और सांसदों को अपना ज्ञापन देंगे।

उन्होंने कहा कि इसके बाद हमने पूछा कि 20 जुलाई को कितने लोग आ सकते हैं। आशुतोष ने कहा 10 हजार, सौरभ ने कहा 15 हजार। उनकी उम्मीद कुछ इस तरह की थी, लेकिन मुझे लगता था कि एक लाख से ज्यादा लोग आए थे। उन्होंने कहा कि हमने कहा कि अगर सत्ता पक्ष की तरफ से कुछ नहीं होता है तो विपक्ष के सांसदों से मिलेंगे। पवन खेड़ा मंच पर भी आए थे। हमारी सोच थी कि विपक्ष के लोग हमें रिसीव करें। हमने कभी नहीं सोचा था कि कोई तोड़फोड़ होगी। हमने सोचा था कि हम संसद जाकर यह मसला सांसदों को सौंप देंगे और कहेंगे कि हमसे जो कुछ हो सका हमने किया। अब आप लोग इसकी जिम्मेदारी लें और संसद से रास्ता निकालें। तब बात कि विपक्ष के नेता राहुल गांधी से अनशन तोड़वाएं। हम यही सोच रहे थे कि कैसे सम्मानजनक तरीके से आंदोलन खत्म किया जाए।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक वांगचुक ने कहा कि हमारी सोच यही थी कि अगर सरकार के लोग नहीं आते हैं तो विपक्ष के नेता जूस पिलाकर अनशन तुड़वाएं और इसके बाद आगे की जिम्मेदारी लें। फिर 18 तारीख को मुझे जबरन उठा लिया गया। सीजेपी संस्थापक अभिजीत दीपके ने भी एक इंटरव्यू में कहा था कि सोनम वांगचुक उनके आंदोलन का प्रमुख चेहरा थे। उनके अनशन और बिगड़ती सेहत की चिंता उन्हें भी हो रही थी लेकिन वह अनशन तोड़ने को तैयार नहीं थे। दीपके ने कहा बाद में उन्हें किडनैप करवा लिया गया। वहां उनसे सिर्फ सरकार के लोग ही मिल सकते थे। हमें मिलने की इजाजत नहीं दी गई।

भारत से राहत सामग्री लेकर काठमांडू पहुंची चौथी उड़ान

–आईएएफ के सी–130 विमान से 11 टन राहत सामग्री, खोज–बचाव उपकरण और फोरेंसिक टीम भेजी गई; अब तक 68.5 टन मदद पहुंची

नई दिल्ली, एजेंसी।
नेपाल में आई विनाशकारी बाढ़ के बाद राहत और बचाव अभियान को मजबूत करने के लिए भारत ने मदद का दायरा बढ़ा दिया है। भारतीय वायुसेना (आईएएफ) का सी-130 विमान राहत सामग्री और तकनीकी उपकरणों से लैस होकर काठमांडू पहुंचा। यह भारत की ओर से नेपाल भेजी गई चौथी राहत उड़ान है। विमान में खोज, बचाव और राहत कार्यों के लिए जरूरी उपकरणों के साथ विशेषज्ञ टीमें भी भेजी गई हैं।

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर बताया कि भारत की चौथी उड़ान काठमांडू पहुंच गई है। इसमें नेपाल में जारी बचाव और राहत अभियानों को मजबूत करने के लिए जरूरी सामान और तकनीकी क्षमताएं भेजी गई हैं। इससे पहले जयशंकर ने बताया था कि इस उड़ान में करीब 11 टन राहत सामग्री भेजी गई है।

फोरेंसिक विशेषज्ञ और डीएनए जांच उपकरण भी भेजे

सी-130 विमान में खोज एवं बचाव उपकरणों के अलावा फोरेंसिक विशेषज्ञों की टीम और डीएनए जांच के उपकरण भी भेजे गए हैं। राहत सामग्री में कंबल, स्लीपिंग बैग, तिरपाल, प्लास्टिक शीट और हाइजीन किट शामिल हैं। इन सामानों का इस्तेमाल बाढ़ प्रभावित लोगों को तत्काल राहत पहुंचाने और बचाव अभियानों में किया जाएगा। जयशंकर ने कहा कि भारत नेपाल में बाढ़ से क्षतिग्रस्त जरूरी बुनियादी ढांचे को बहाल करने में भी सहायता कर रहा है। 230 फुट लंबे सिंगल लेन मॉड्यूलर स्टील ब्रिज के निर्माण के लिए जरूरी उपकरण लेकर 16 ट्रक नेपाल पहुंच चुके हैं। इसके अलावा सात और बेली ब्रिज लगाने के लिए उपकरण जल्द भेजे जाएंगे। पुलों के निर्माण के लिए जरूरी तकनीकी टीमें भी नेपाल पहुंचेंगी।

अब तक 68.5 टन राहत सामग्री पहुंची भारत की ओर से अब तक कुल 68.5 टन राहत सामग्री हवाई मार्ग से काठमांडू पहुंचाई जा चुकी है। इसमें जरूरी दवाएं, पोर्टेबल जनरेटर सेट, खाद्य पैकेट, पानी साफ करने वाली गोलियां और अन्य तकनीकी उपकरण शामिल हैं। जयशंकर ने कहा कि नेपाल के राहत और बचाव कार्यों में भारत का सहयोग लगातार जारी रहेगा।

पहले भी भेजी गई थी बड़ी खेप
विदेश मंत्रालय के मुताबिक, भारत ने बुधवार को नेपाल के लिए आपातकालीन राहत अभियान शुरू किया था। आईएएफ के सी-130जे हरक्यूलिस विमान ने पहली खेप में करीब 10 टन राहत सामग्री पहुंचाई थी। इसमें अस्थायी आश्रय, कंबल, हाइजीन किट, सोलर लैंप और दवाएं शामिल थीं। इसके बाद गुरुवार को आईएएफ के सी-17 ग्लोबमास्टर विमान से 37.5 टन अतिरिक्त राहत सामग्री नेपाल भेजी गई। इसमें 28.5 टन टेंट, कंबल, हाइजीन किट, सोलर लैंप, पानी निकालने वाले पंप, किचन सेट और जनरेटर सेट शामिल थे। इसके अलावा आठ टन दवाएं और एक टन खाद्य सामग्री भी भेजी गई।

नेपाल में बाढ़ में लापता भारतीयों को बचाने कांग्रेस सांसद ने की सरकार की तारीफ

–शशि थरूर ने एनडीआरएफ की टीम और हेलिकॉप्टर उपलब्ध कराने की मांग की

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने विदेश मंत्री एस जयशंकर को पत्र लिखकर नेपाल में बाढ़ में लापता भारतीयों को बचाने के लिए सरकार की कोशिशों की तारीफ की और साथ ही सुझाव भी दिए। नेपाल में अचानक आई बाढ़ के बाद कई भारतीय अभी भी लापता हैं। विदेश मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक इनकी संख्या 287 है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक थरूर ने अपने पत्र में केंद्र सरकार से बचाव कार्यों के लिए एनडीआरएफ की पूरी टीम और हेलिकॉप्टर उपलब्ध कराने की मांग की। उन्होंने सरकार से अपील की कि फंसे हुए लोगों या मलबे के नीचे दबे जीवित लोगों को बचाने के लिए हर संभव कोशिश की जाए। थरूर ने पत्र में कहा कि जैसे–जैसे समय बीत रहा है। उम्मीद की गुंजाइश कम होती जा रही है। उन्होंने कहा कि मैं आपको उन भारतीय नागरिकों के बारे में लिख रहा हूं, जो 26 अगस्त को नेपाल में आए अचानक बाढ़ के बाद से लापता हैं। भारत की प्रतिक्रिया तेज और असरदार रही है। प्रधानमंत्री का काठमांडू से तुरंत संपर्क करना, राहत सामग्री भेजना, रेस्क्यू एक्सपर्ट्स की टीम भेजना और कंट्रोल रूम व दूतावास की हेल्पलाइन शुरू करना–इन सभी कदमों से फर्क पड़ा है। बता दें पिछले बुधवार को नेपाल–तिब्बत सीमा के पास ग्लेशियर के ढहने से बर्फ और चट्टानों का एवलांच आया, जिससे पानी, कीचड़ और मलबे का सैलाब नीचे की ओर बह निकला। इसने मध्य नेपाल में कस्बों और गांवों को तबाह कर दिया, जरूरी बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचाया और पनबिजली स्टेशनों को बहा ले गया। शनिवार तक बाढ़ से मरने वालों की संख्या बढ़कर 669 हो गई, जबकि 2,000 से ज्यादा लोग अभी भी लापता हैं।

कांग्रेस अध्यक्ष खरगे के मंच शुद्धिकरण पर भड़कीं प्रियंका गांधी वाड्रा

पीएम मोदी से एफआईआर की मांग

नई दिल्ली, एजेंसी।
कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने हल्द्वानी में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की रैली के मंच के शुद्धिकरण को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर हमलावर है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मांग की है कि यदि वे वास्तव में संविधान का सम्मान करते हैं, तब घटना में शामिल लोगों के खिलाफ अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति (एससी/एसटी) कानून के तहत प्राथमिकी (एफआईआर) दर्ज कराए।

प्रियंका गांधी वाड्रा ने अपनी पोस्ट में कहा कि हल्द्वानी में कांग्रेस नेता खरगे की रैली के बाद भाजपा-आरएसएस से जुड़े लोगों द्वारा मंच का शुद्धिकरण किया गया। उन्होंने इस कृत्य को निंदनीय और शर्मनाक मानसिकता का प्रतीक बताकर संविधान और एससी/एसटी कानून का गंभीर उल्लंघन और अपराध करार दिया। कांग्रेस महासचिव ने घटना को 20 दिन बीत जाने के बावजूद प्रधानमंत्री मोदी और उनकी सरकार की ओर से कोई कार्रवाई न होने पर सवाल उठाया है। उन्होंने कहा कि अगर प्रधानमंत्री मोदी देश के संविधान का सम्मान करते हैं, तब उन्हें उत्तराखंड में इस अपराध में शामिल लोगों के खिलाफ तुरंत एफआईआर करवाकर एससी/एसटी कानून के तहत कार्रवाई होनी चाहिए। प्रियंका गांधी वाड्रा ने इस बारे में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के बयान का हवाला दिया, जिन्होंने इस मुद्दे पर प्रधानमंत्री मोदी से त्वरित कार्रवाई की मांग की थी।

राहुल गांधी ने घटना को छुआछूत के समान बताकर भाजपा-आरएसएस की मानसिकता को इसका जिम्मेदार ठहराया था। उन्होंने दोषियों के खिलाफ एससी/एसटी कानून के तहत मामला दर्ज करने की मांग करके आरोप लगाया कि 20 दिन बाद भी कोई कार्रवाई नहीं हुई। राहुल गांधी ने कहा कि भाजपा की उत्तराखंड इकाई के अध्यक्ष महेंद्र भट्ट ने 'शुद्धिकरण' का बचाव किया, जबकि प्रधानमंत्री मोदी इस मामले पर चुप हैं। कांग्रेस ने अध्यक्ष खरगे के लिए न्याय की मांग कर केंद्र और राज्य सरकारों पर इस मामले में कार्रवाई करने का दायित्व बताया है। प्रियंका और राहुल गांधी दोनों ने प्रधानमंत्री मोदी के उस बयान पर सवाल उठाए हैं, जिसमें वे खुद को हर जाति से जुड़ा और पूरे देश का प्रधानमंत्री बताते हैं, जबकि उनकी पार्टी के नेता इसतरह के कृत्यों का बचाव कर रहे हैं।

अभिषेक बनर्जी की बढ़ीं मुश्किलें : बिलबोर्ड विवाद मामले में टीएमसी सांसद को पुलिस का नोटिस, अब तक 14 गिरफ्तार

कोलकाता, एजेंसी।
इस हफ्ते की शुरुआत में पार्टी के निशान वाले बिलबोर्ड को हटाने के विवाद में कोलकाता पुलिस ने टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी को नोटिस जारी किया है। इस विवाद के दौरान अभिषेक बनर्जी के कार्यालय में अधिकारियों और प्राइवेट गार्ड्स के बीच हाथापाई हुई थी। बनर्जी को उनके घर पर यह नोटिस दिया गया। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि डायमंड हार्बर के सांसद से कहा गया है कि वे इस मामले के सिलसिले में मंगलवार दोपहर शेक्सपियर सरणी पुलिस स्टेशन में पेश हों।

अधिकारियों ने बताया कि इस घटना के सिलसिले में तीन एफआईआर दर्ज की गई हैं, जिनमें से दो में बनर्जी को आरोपी बनाया गया है। एफआईआर में डेरेक ओब्रायन और पूर्व विधायक हुमायूं कबीर समेत पार्टी के अन्य नेताओं के नाम भी शामिल हैं। अधिकारियों के मुताबिक, डेरेक ओ ब्रायन को रविवार को नोटिस दिया गया। गुरुवार को अभिषेक बनर्जी के ऑफिस के प्राइवेट गार्ड्स, उनके समर्थकों और पार्टी के कुछ नेताओं की पुलिस और कोलकाता म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के अधिकारियों के साथ हाथापाई हुई थी। वे उन्हें कैमक स्ट्रीट पर स्थित इमारत में घुसने और एक अनधिकृत बिलबोर्ड को हटाने से रोकने की कोशिश कर रहे थे। हालांकि वहां मौजूद टीएमसी के राज्यसभा सांसद डेरेक ओ ब्रायन ने प्राइवेट गार्ड्स द्वारा विरोध की कोशिशों की खबरों को फर्जी बताया। उन्होंने कहा कि गार्ड्स इमारत के प्रवेश द्वार पर ड्यूटी पर तैनात थे। इमारत की सबसे ऊपरी मंजिल पर सडक की ओर बने लोहे के ढांचे पर लगे टीएमसी के निशान वाले बिलबोर्ड को केएमसी के कर्मचारियों ने हटा दिया, जब पुलिस ज़बरदस्ती अंदर घुस गई। डेरेक ओ ब्रायन ने आरोप लगाया था कि पुलिस एक गैर-कानूनी नोटिस लेकर ऑफिस में घुस गई, वरिष्ठ नेताओं के साथ मारपीट की और पार्टी समर्थकों व ऑफिस के कर्मचारियों के साथ बदसलूकी की।

भारत से अच्छे रिश्ते बांग्लादेश के अपने हित में, शेख हसीना का बयान

नई दिल्ली, एजेंसी।
बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने एक इंटरव्यू में भारत के साथ संबंधों पर बेबाकी से अपनी राय रखी। उन्होंने साफ किया कि भारत के साथ अच्छे रिश्ते रखना बांग्लादेश के अपने राष्ट्रीय हित में है, न कि दिल्ली पर कोई अहसान कर रहा है। यह बयान तब आया है जब तारिक रहमान के भारत आगमन पर संशय बना हुआ है और दोनों देशों के रिश्तों में कथित खटास देखी जा रही है, यहां तक कि बांग्लादेश सरकार ने हसीना की भारत में उपस्थिति को संबंधों में बड़ी अड़चन बताया है। आंतरिक राजनीति पर टिप्पणी कर हसीना ने मोहम्मद यूनुस और तारिक रहमान के शासन की कड़ी आलोचना की। उन्होंने आरोप लगाया कि उनके दौर में केवल सत्ता के चेहरे बदले हैं, दिशा नहीं, यूनुस ने बदले की भावना और संस्थाओं को खत्म करने की राजनीति शुरू की, इस रणनीति को पीएम तारिक रहमान ने जारी रखा। हसीना ने चिंता व्यक्त की कि अवामी लीग के कार्यकाल में 6.80 प्रतिशत रही जीडीपी वृद्धि अब 2.22त्न पर आ चुकी है, और देश को आर्थिक बर्बादी व अराजकता की ओर धकेला जा रहा है, जिससे औद्योगिक उत्पादन में भी भारी गिरावट आई है।

सक्रिय राजनीति में अपनी भूमिका को निजी महत्वाकांक्षा नहीं, बल्कि एक जिम्मेदारी बताकर हसीना ने कहा कि वे अपने नेताओं और कार्यकर्ताओं के संपर्क में हैं। उन्होंने लोगों से उम्मीद न छोड़ने का आग्रह किया, याद दिलाया कि बांग्लादेश का जन्म बलिदान और धर्मनिरपेक्ष आदर्शों से हुआ है। उन्होंने आह्वान किया कि देशवासियों ने पहले भी पाकिस्तानी सेना और सैन्य शासन जैसी चुनौतियों को हराया है, और वे इस काले अध्याय को भी पराजित कर देने वाले है। हसीना लोकतंत्र, धर्मनिरपेक्षता, विकास और सम्मान की बहाली के लिए बांग्लादेश के लोगों के साथ खड़ी हैं।

भारत-बांग्लादेश संबंधों के महत्व को रेखांकित कर हसीना ने कहा कि ये रिश्ते इतिहास, भूगोल, स्वतंत्रता संग्राम, सुरक्षा, व्यापार और 1971 के बलिदान से गहरे जुड़े हैं। उन्होंने कहा कि ढाका में किसी भी सरकार को यह समझना चाहिए कि भारत के साथ अच्छे संबंध ढाका के अपने राष्ट्रीय हित में हैं। उनके अनुसार, एक लोकतांत्रिक और स्थिर बांग्लादेश ही भारत के लिए सबसे अच्छा पड़ोसी साबित हो सकता है,

और इसी से क्षेत्रीय सहयोग व राष्ट्रीय हितों की सुरक्षा संभव है।

महानगर मेट्रो
www.mahanagarmetro.com
अहमदाबाद, (सोमवार)
31 अगस्त 2026

मेटा की भारत प्रमुख संध्या देवनाथन ने छोड़ी कंपनी

देवनाथन ओपनएआई से जुड़ीं; सिंगापुर से संभालेंगी कमान

नई दिल्ली ।

मेटा की भारत प्रमुख संध्या देवनाथन करीब 10 साल बाद कंपनी छोड़ने जा रही हैं। वह अब ओपनएआई से जुड़ेंगी। यहां उन्हें दक्षिण-पूर्व एशिया और ऑस्ट्रेलिया की उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई है। इस नई भूमिका में वह सिंगापुर में रहेंगी और एशिया-प्रशांत क्षेत्र के प्रबंध निदेशक किरण मणी को रिपोर्ट करेंगी। यह ओपनएआई में बनाई गई नई भूमिका है। देवनाथन के जिम्मे दक्षिण-पूर्व एशिया और ऑस्ट्रेलिया में ग्राहकों की संख्या बढ़ाना, कंपनियों में ओपनएआई की सेवाओं का इस्तेमाल बढ़ाना और दूसरी कंपनियों के साथ साझेदारी करना होगा। इसके अलावा सरकारी नियमों से जुड़े मामलों और इन दोनों क्षेत्रों में कंपनी के कामकाज की जिम्मेदारी भी उनके पास होगी। संध्या देवनाथन ने 2016 में मेटा जॉइन की थी। उस समय सिंगापुर में कंपनी के करीब 300 कर्मचारी थे। मेटा में काम के दौरान उन्होंने सिंगापुर और वियतनाम में कंपनी के कारोबार और टीमों को खड़ा करने में मदद की। दक्षिण-पूर्व एशिया में ऑनलाइन खरीदारी से जुड़े काम को आगे बढ़ाने में भी उन्होंने भूमिका निभाई। 2020 में उन्हें एशिया-प्रशांत क्षेत्र में गेमिंग कारोबार की जिम्मेदारी दी गई। यह मेटा के दुनिया भर के बड़े कारोबारों में से एक था। इसके बाद 2023 में उन्हें भारत में मेटा की प्रमुख बनाया गया। कंपनी छोड़ने की जानकारी संध्या देवनाथन ने शुक्रवार को लिक्डिंन पर दी। उन्होंने अपने करीब 10 साल के सफर को याद करते हुए कहा कि जब वह 2016 में मेटा से जुड़ी थीं, तब हर तरफ डिजिटल बदलाव की बात हो रही थी। उस समय कंपनी स्टार्टअप, कारोबारियों और रचनाकारों के साथ मिलकर पूरे क्षेत्र में डिजिटल दुनिया को आगे बढ़ाने पर काम कर रही थी। मेटा के एशिया-प्रशांत क्षेत्र के उपाध्यक्ष बेंजामिन जो ने देवनाथन की मेहनत, लगन और काम के प्रति उनके जुनून की तारीफ की। उनके जाने के बाद मेटा के प्रबंध निदेशक और भारत प्रमुख अरुण श्रीनिवास सीधे जो को रिपोर्ट करेंगे।

अगले हफ्ते 90 कंपनियां बांटेंगी डिविडेंड

मुंबई ।

शेयर बाजार में निवेश करने वाले निवेशकों के लिए अगला हफ्ता कमाई के लिहाज से बेहद खास रहने वाला है। 31 अगस्त से 4 सितंबर के बीच करीब 90 कंपनियां अपने शेयरधारकों को लाभांश (डिविडेंड) देने जा रही हैं। यह निवेशकों की झोली में अतिरिक्त धन आने का अवसर है, जिस पर डिविडेंड से आय चाहने वाले निवेशकों की नजर रहेगी। इस लिस्ट में दिग्गज और स्थापित कंपनियों के साथ-साथ कई मिडकैप और स्मॉलकैप फर्म्स भी शामिल हैं। कंपनियां फाइनल, अंतरिम और स्पेशल डिविडेंड देंगी। सर्वाधिक डिविडेंड देने वाली प्रमुख कंपनियों में प्रॉक्टर एंड गैंबल हाइजीन एंड हेल्थ केयर 60 रुपये, बंगाल एंड असम कंपनी 50 रुपये और वाडीलाल इंडस्ट्रीज 43 रुपये का लाभांश देगी। वहीं फेडरल-मोगुल गोएत्जे (इंडिया) 86.50 रुपये का बड़ा स्पेशल डिविडेंड घोषित करेगी।

एनबीएफसी का ऐलान- वित्तवर्ष 26 के लिए 500 फीसदी डिविडेंड की सिफारिश

निवेशकों को हर शेयर पर मिलेंगे 50 रुपये, 1 सितंबर तय हुई रिकॉर्ड

मुंबई ।

गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) बंगाल एंड असम कंपनी लिमिटेड ने अपने निवेशकों के लिए वित्त वर्ष 2025-26 हेतु हर इक्विटी शेयर पर 50 रुपये के अंतिम डिविडेंड की सिफारिश की है। यह डिविडेंड फेस वैल्यू का 500 फीसदी है, जो निवेशकों के लिए एक बड़ी खबर है। डिविडेंड की पूरी बात कंपनी ने 10 रुपये फेस वैल्यू वाले हर इक्विटी शेयर पर 50 रुपये के डिविडेंड की सिफारिश की है, जो 500 फीसदी बैठता है। हालांकि, इस डिविडेंड का भुगतान तभी होगा जब आगामी वार्षिक आम बैठक (ृतरू) में शेयरधारक इसे मंजूरी देंगे। मंजूरी मिलने के बाद, डिविडेंड की रकम एजीएम खत्म होने की तारीख से तीन से चार सप्ताह के भीतर शेयरधारकों के खातों में भेज दी जाएगी। रिकॉर्ड डेट और एजीएम कंपनी ने डिविडेंड के लिए 1 सितंबर, 2026 को रिकॉर्ड डेट निर्धारित की है। इसी तारीख के आधार पर यह तय किया जाएगा कि किन शेयरधारकों को डिविडेंड का भुगतान किया जाएगा। बंगाल एंड असम कंपनी की वार्षिक आम बैठक 8 सितंबर, 2026 को होगी, जहां वित्त वर्ष 2025-26 के लिए 50 रुपये प्रति शेयर के डिविडेंड प्रस्ताव पर शेयरधारकों की मंजूरी ली जाएगी।

जीडीपी, कच्चे तेल की कीमतें और अमेरिकी रोजगार तय करेंगे शेयर बाजार की चाल

वाहन बिक्री, एफपीआई और पश्चिम एशिया में तनाव भी बाजार की चाल को देंगे दिशा

नई दिल्ली ।

भारतीय शेयर बाजार के लिए आगामी सप्ताह बेहद अहम रहने वाला है। विश्लेषकों का मानना है कि घरेलू सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के आंकड़े और अमेरिका की गैर-कृषि रोजगार रिपोर्ट इस सप्ताह बाजार की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। इसके अलावा कच्चे तेल की कीमतों की दिशा और विदेशी निवेशकों की गतिविधियां भी बाजार की चाल को प्रभावित कर सकती हैं, जिससे आने वाले दिनों में अस्थिरता बढ़ने की संभावना है। बाजार के एक विशेषज्ञ ने कहा कि यह सप्ताह कई महत्वपूर्ण घटनाक्रमों के कारण बाजार के लिए काफी अहम रहने वाला है। भारत के वित्त वर्ष की पहली तिमाही के सकल घरेलू उत्पाद के आंकड़े 31 अगस्त को जारी किए जाएंगे, जिन पर निवेशकों की बारीक नजर रहेगी। इसके अलावा अगस्त के विनिर्माण और सेवा क्षेत्र के पीएमआई आंकड़े, वाहन बिक्री के आंकड़े, जीएसटी संग्रह और विदेशी मुद्रा भंडार जैसे घरेलू कारक भी बाजार की चाल को प्रभावित करेंगे। रुपये की चाल पर भी नजर रखी जाएगी। वैश्विक मोर्चे पर अमेरिका की गैर-कृषि रोजगार रिपोर्ट (4 सितंबर) सबसे महत्वपूर्ण संकेतक होगी। यह आंकड़ा सितंबर में अमेरिकी फेडरल रिजर्व की मौद्रिक नीति (ब्याज दरों) को लेकर बाजार की उम्मीदों को नया स्वरूप दे सकता है, जिससे अमेरिकी डॉलर, बॉन्ड प्रतिफल और उभरते बाजारों में विदेशी पूंजी प्रवाह पर गहरा असर पड़ेगा। एनरिच मनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी पोनमुडी आर के अनुसार, ऊंची ऊर्जा कीमतें और पश्चिम एशिया में जारी तनाव से वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला पर दबाव बना हुआ है, जिससे जिंस कीमतों में भी तेजी आई है। इस बीच विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने अगस्त में भारतीय शेयरों में करीब 30,919 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया है, जो लगातार दूसरा महीना है।

गहरे समुद्र में तेल-गैस खोज तेज करेगी ओएनजीसी

स्थायी क्षमता हासिल करने की कवायद, सलाहकार नियुक्त करने के लिए ईओआई जारी

नई दिल्ली । सार्वजनिक क्षेत्र की दिग्गज कंपनी ऑयल एंड नैचुरल गैस कॉरपोरेशन (ओएनजीसी) गहरे समुद्र में तेल और गैस की खोज में तेजी लाने के लिए एक महत्वपूर्ण रणनीतिक बदलाव की तैयारी कर रही है। कंपनी अब गहरे पानी में ड्रिलशिप खरीदने या किसी वैश्विक कंपनी के साथ संयुक्त उद्यम (जेवी) बनाने पर विचार कर रही है। इसका मकसद विशेष खुदाई क्षमताओं तक स्थायी और प्राथमिकता के आधार पर पहुंच सुनिश्चित करना और विदेशी रिग पर निर्भरता कम करना है। यह कदम ओएनजीसी के मिशन समुद्र मंथन कार्यक्रम का हिस्सा है। इस दिशा में, ओएनजीसी ने एक वैश्विक विशेषज्ञ समुद्री रिग-ब्रोकर सलाहकार नियुक्त करने के लिए रुचि पत्र (ईओआई) जारी किया है। यह सलाहकार वैश्विक भागीदारों की पहचान कर तकनीकी-व्यावसायिक आकलन में मदद करेगा। यह पहल केंद्र सरकार की समुद्र मंथन-राष्ट्रीय अपतटीय अन्वेषण योजना के अनुरूप है, जिस पर 2030-31 तक 84,084 करोड़ रुपये खर्च होंगे, जिसका लक्ष्य घरेलू उत्पादन बढ़ाकर आयात निर्भरता कम करना है। वर्तमान में भारत में अत्याधुनिक गहरे पानी की ड्रिलशिप बनाने की क्षमता नहीं है, जिससे ओएनजीसी विदेशी कंपनियों पर निर्भर रहती है। ड्रिलशिप का स्वामित्व या संयुक्त उद्यम इस निर्भरता को कम करेगा और कंपनी को समयबद्ध तरीके से गहरे पानी में अन्वेषण कार्यक्रम चलाने में मदद मिलेगी। सरकार गहरे पानी के खोजी कुओं की लागत का 50 फीसदी तक वित्तीय सहायता भी दे रही है।

भारतीय शेयर बाजार में विदेशी फंडों की वापसी, लगातार दूसरे महीने 30,919 करोड डाले

अगस्त में 30,919 करोड़ का निवेश, जुलाई में भी हुई थी खरीदारी

नई दिल्ली । विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीओ) का भारतीय शेयर बाजार पर भरोसा लौटता दिख रहा है। अगस्त में उन्होंने भारतीय शेयरों में 30,919 करोड़ रुपए का निवेश किया है, जो लगातार दूसरा महीना है। जुलाई में भी 20,200 करोड़ रुपए की खरीदारी हुई थी, जिसे बाजार में संभावित रुख बदलने का शुरुआती संकेत माना जा रहा है। सीडीएसएल के आंकड़ों के अनुसार,यह खरीदारी मार्च से जून तक भारतीय बाजारों से हुई भारी निकासी के बाद आई है, जब एफपीआई ने 2.5 लाख करोड़ रुपए से अधिक की बिकवाली की थी। हालांकि, इस साल अब तक वे अभी भी 2.23 लाख करोड़ रुपए के शुद्ध बिकवाल बने हुए हैं, लेकिन हालिया प्रवृत्ति उम्मीद जगा रही है। विश्लेषकों के अनुसार रुपये की स्थिरता, चिप कारोबार में बदलाव, भारतीय कंपनियों के बेहतर मुनाफे (विशेषकर जून तिमाही में), और मजबूत आर्थिक गतिविधियों ने विदेशी निवेशकों का भरोसा बढ़ाया है। मॉर्निंगस्टार के एक अ धिकारी ने बताया कि कंपनियों के वित्तीय नतीजों में सुधार से मुनाफे को लेकर पहले बनी चिंताएं कम हुई हैं। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, नकदी बाजार में विदेशी निवेशकों की वापसी उनके बढ़ते भरोसे का संकेत है, लेकिन वायदा बाजार में अभी भी सतर्कता बनी हुई है।

पहले दिन ही 2 गुना हुआ आईपीओ, निवेशक 1 सितंबर तक लगा सकते हैं दांव

नई दिल्ली,।

ईएसडीएस साफ्टवेयर सेल्युशन आईपीओ ग्रे मार्केट में इस समय एक बेहतर स्थिति में है। आईपीओ का जीएमपी 372 रुपए के स्तर पर है। जोकि 86 फीसदी के लिस्टिंग का संकेत दे रहा है। इस समय आईपीओस ग्रे मार्केट में सबसे मजबूत स्थिति में है। बता दें अगर यही जीएमपी लिस्टिंग के वक्त भी रहा तो आईपीओ एक लॉट पर 12648 रुपए का फायदा दे सकता है। ग्रे मार्केट से मिल रहे रिस्पॉन्स का ही असर है कि पहले दिन ही आईपीओ पूरी तरह से भर गया। अब तक इस आईपीओ को 2.21 गुना सब्सक्राइब किया जा चुका है। रिटेल कैटगरी में आईपीओ को अबतक 2.84 गुना, क्यूआईबी में 0.01 गुना और एनआईआई कैटगरी में 3.70 गुना सब्सक्राइब किया गया है।ईएसडीएस साफ्टवेयर सेल्युशन आईपीओ का प्राइस बैंड का प्राइस बैंड 408 रुपए से 429 रुपये प्रति शेयर है।

कंपनी का लॉट साइज 34 शेयरों का है। जिसकी वजह से निवेशकों को कम से कम 14586 रुपए का दांव लगाना होगा। बता दें आईपीओ 28 अगस्त को खुला था।

निवेशकों के पास 1 सितंबर तक दांव लगाने का मौका है। यह आईपीओ एंकर निवेशकों के लिए 27 अगस्त को खुल गया था।

एंकर इनवेस्टर्स से कंपनी ने 216 करोड़ रुपए जुटाए हैं।ईएसडीएस साफ्टवेयर सेल्युशन आईपीओ का साइज 720 करोड़ रुपए का है। आईपीओ पूरी तरह से फ्रेश शेयरों पर आधारित है।

आईपीओ के जरिए कंपनी 1.68 करोड़ फ्रेश शेयर जारी करेगी। बता दें डेम केपिटल एडवाइजर लिमिटेड को लीड मैनेजर नियुक्त किया गया है। वहीं एमयूएफजी इनटाइम इंडिया को रजिस्ट्रार बनाया गया है। इस आईपीओ से जुटाए 576 करोड़ रुपए से कंपनी इक्विपमेंट और इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए प्रयोग करेगी। बाकि पैसों का उपयोग जनरल कॉरपोरेट कार्यों के लिए होगा।

इस इश्यू में मौजूदा निवेशक शेयर नहीं बेच रहे हैं। प्रमोटर और प्रमोटर ग्रुप के पास 46.06 फीसदी हिस्सा है।

विदेशी मजबूती के बावजूद तेल-तिलहन बाजार में कहीं बढ़त, कहीं गिरावट

सरसों में सीमित बढ़त, सोयाबीन और बिनौला फिसले; आयातकों की लागत से कम बिक्री से बाजार पर दबाव

नई दिल्ली।

बीते सप्ताह भारतीय खाद्य तेल बाजार में मिला-जुला रुख रहा। विदेशी बाजारों की मजबूती के बावजूद, घरेलू कारकों, विशेषकर आयातकों की लागत से कम बिकवाली, के चलते अधिकांश तेलों में या तो गिरावट आई या वे स्थिर रहे। केवल सरसों तेल-तिलहन में सीमित वृद्धि दर्ज हुई। सरसों तेल-तिलहन में विदेशी बाजारों की मजबूती से मामूली बढ़त दिखी। हालांकि, सीमित उपलब्धता के बावजूद ऊंची कीमतें खरीदारों को हतोत्साहित कर रही हैं, जिससे लिवाली कमजोर बनी हुई है। दूसरी ओर सोयाबीन तेल-तिलहन और बिनौला तेल के दामों में गिरावट आई। सूत्रों के अनुसार, बड़े संयंत्रों द्वारा सस्ते में खरीद के प्रयास और आयातकों की लागत से नीचे की बिकवाली ने सोयाबीन पर दबाव बनाया, भले ही उसकी उपलब्धता कम थी। मूंगफली तेल-तिलहन और कच्चे पामतेल (सीपीओ) व पामोलीन तेल के दाम स्थिर रहे। सोमवार को मलेशिया एक्सचेंज बंद रहेगा। सूत्रों ने बताया कि बीते सप्ताह सरसों दाना 50 रुपये की मजबूती के साथ 8,300-8,350 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। इसी प्रकार सरसों तेल दादरी 100 रुपये के सुधार के साथ 16,800 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल भी क्रमश- 15-15 रुपये के सुधार के साथ क्रमश- 2,735-2,835 रुपये और 2,735-2,885 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाना और सोयाबीन लूज का थोक भाव क्रमश- 100-100 रुपये की गिरावट के साथ क्रमश- 6,675-6,725 रुपये और 6,525-6,625 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।इसी तरह, दिल्ली में सोयाबीन तेल 50 रुपये की गिरावट के साथ 15,750 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन इंदौर तेल 100 रुपये की गिरावट के साथ 15,550 रुपये और सोयाबीन डीगम तेल 150 रुपये की गिरावट के साथ 12,050 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

एसबीआई बेचेगा एनएसई के आईपीओ में हिस्सेदारी

आवास ऋण पोर्टफोलियो जल्द 10 लाख करोड़ के पार

नई दिल्ली

भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) और उसकी अनुषंगी एसबीआई कैपिटल मार्केट्स लिमिटेड नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के बहुप्रतीक्षित 30,000 करोड़ रुपये के आईपीओ में अपनी कुल एक प्रतिशत तक हिस्सेदारी बेचेंगे। बैंक के चेयरमैन सीएसशेट्टी ने बताया कि एसबीआई का आवास ऋण पोर्टफोलियो भी चालू तिमाही में 10 लाख करोड़ रुपये के महत्वपूर्ण आंकड़े को पार करने की उम्मीद है। एक साक्षात्कार में शेट्टी ने पुष्टि की कि एसबीआई एनएसई के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) में भाग लेगा और अपनी 0.65 प्रतिशत हिस्सेदारी का विनिवेश करेगा। उन्होंने कहा कि एसबीआई कैपिटल मार्केट्स भी अपनी 0.35 प्रतिशत हिस्सेदारी बेचेगी, जिससे एसबीआई समूह का कुल विनिवेश लगभग एक प्रतिशत होगा। फिलहाल एसबीआई के पास एनएसई में 3.23 प्रतिशत और एसबीआई कैपिटल मार्केट्स के पास 4.33 प्रतिशत हिस्सेदारी है। शेट्टी ने यह भी बताया कि आवास ऋण क्षेत्र में मजबूत मांग के चलते बैंक का गृह ऋण पोर्टफोलियो चालू तिमाही में 10 लाख करोड़ रुपये का महत्वपूर्ण आंकड़ा पार कर सकता है।

शीर्ष सात कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 1.13 लाख करोड़ से अधिक घटा

10 प्रमुख कंप नियों में भारती एयरटेल और रिलायंस इंडस्ट्रीज सर्वाधिक प्रभावित

मुंबई ।

पिछले सप्ताह स्थानीय शेयर बाजार में जारी गिरावट के बीच, सेंसेक्स की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से सात को भारी नुकसान हुआ। इन कंपनियों के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में सामूहिक रूप से 1,13,000 करोड़ रुपये से अधिक की कमी दर्ज की गई। इस दौरान भारती एयरटेल और रिलायंस इंडस्ट्रीज को सबसे अधिक झटका लगा, जो सप्ताह की बाजार रिपोर्ट में प्रमुखता से सामने आया। बीते सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 276.32 अंक (0.35 प्रतिशत) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 76.35 अंक (0.31 प्रतिशत) गिरकर बंद हुआ। इस बाजार गिरावट का सीधा असर देश की सबसे बड़ी कंपनियों पर पड़ा।

समीक्षाधीन अवधि में, भारती एयरटेल का बाजार पूंजीकरण 40,500.85 करोड़ रुपये घटकर 11,74,462.30 करोड़ रुपये रह गया, जबकि रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार मूल्यांकन 40,056.32 करोड़ रुपये घटकर 17,38,119.27 करोड़ रुपये पर आ गया। इन दोनों कंपनियों को सर्वाधिक नुकसान उठाना पड़ा। अन्य प्रमुख कंपनियों में, एचडीएफसी बैंक की बाजार हैसियत 11,558.35 करोड़ रुपये घटकर 11,09,600.70 करोड़ रुपये रह गई। बजाज फाइनेंस के बाजार पूंजीकरण में भी 10,086.05 करोड़ रुपये की कमी आई। लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी), भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) और हिंदुस्तान यूनिलीवर (एचयूएल) ने भी अपने बाजार मूल्यांकन में क्रमशः 6,473.45 करोड़ रुपये, 3,162.5 करोड़ रुपये और 1,550.73 करोड़ रुपये की गिरावट दर्ज की।

हालांकि, इस गिरावट के विपरीत, कुछ कंपनियों ने बढ़त भी दर्ज की। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का बाजार पूंजीकरण 16,643.20 करोड़ रुपये बढ़कर 8,48,079.71 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। आईसीआईसीआई बैंक की बाजार हैसियत में 4,475.28 करोड़ रुपये और भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के बाजार पूंजीकरण में 599.99 करोड़ रुपये की वृद्धि हुई। बाजार पूंजीकरण के लिहाज से रिलायंस इंडस्ट्रीज अभी भी सबसे मूल्यवान कंपनी बनी हुई है, जिसके बाद भारती एयरटेल, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, बजाज फाइनेंस, एलएंडटी, भारतीय जीवन बीमा निगम और हिंदुस्तान यूनिलीवर का स्थान रहा।

जिंदल स्टेनलेस 'कॉइन ब्लैंक' की विनिर्माण क्षमता 20 प्रतिशत बढ़ाएगी

वैश्विक मांग को पूरा करने के लिए क्षमता 10,000 से बढ़ाकर 12,000 टन सालाना की गई

हिसार।

जिंदल स्टेनलेस (जेएसएल) ने सिक्कों के निर्माण में इस्तेमाल होने वाले कॉइन ब्लैंक की अपनी वार्षिक उत्पादन क्षमता में 20 प्रतिशत की वृद्धि की घोषणा की है। कंपनी अपनी क्षमता को मौजूदा 10,000 टन से बढ़ाकर 12,000 टन सालाना करेगी। यह निर्णय दुनिया के विभिन्न देशों में कागजी मुद्रा के बजाय सिक्कों और अन्य धातु-आधारित मुद्रा की बढ़ती मांग को देखते हुए लिया गया है।

कंपनी के अधिकारी बताते हैं कि जिंदल स्टेनलेस भारतीय टकसालों के साथ-साथ फ्रांस, फिनलैंड, पोलैंड, नीदरलैंड, ब्रिटेन की रॉयल मिंट, मलेशिया और स्लोवाकिया जैसे कई विदेशी टकसालों को भी कॉइन ब्लैंक की आपूर्ति करती है। कॉइन ब्लैंक सिक्के का प्रारंभिक धातु रूप होता है, जिस पर टकसाल में विशेष मशीन से डिजाइन और अंक उकेरकर उसे प्रचलन योग्य बनाया जाता है। जिंदल स्टेनलेस वैश्विक कॉइन ब्लैंक बाजार में एक प्रमुख खिलाड़ी है और उसे भविष्य में नए देशों से ऑर्डर मिलने की उम्मीद है। इसी प्रभाग में रेजर ब्लेड और प्रिसीजन स्ट्रिप जैसे अन्य उच्च गुणवत्ता वाले उत्पाद भी बनाए जाते हैं। कंपनी ने हाल ही में रेजर ब्लेड की वार्षिक उत्पादन क्षमता 13,200 टन से बढ़ाकर 19,500 टन की है, जिनकी आपूर्ति भारत सहित पोलैंड, वियतनाम, चीन और दक्षिण कोरिया जैसे देशों में की जाती है। पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दर्शाते हुए, हिसार स्थित जिंदल स्टेनलेस संयंत्र में जीरो लिक्विड डिस्चार्ज प्रणाली लागू है, जिससे औद्योगिक अपशिष्ट जल का बाहरी निस्तारण नहीं होता।

कंपनी इस वर्ष संयंत्र में हरित ऊर्जा की हिस्सेदारी 70 प्रतिशत से बढ़ाकर 80 प्रतिशत करने पर भी काम कर रही है।

सुभाष चंद्रा दिवालिया मामला- एनसीएलटी के फैसले के खिलाफ बैंक एकजुट

22,000 करोड़ से अधिक के दावे के बदले 6.25 करोड़ के प्रस्ताव पर आपत्ति

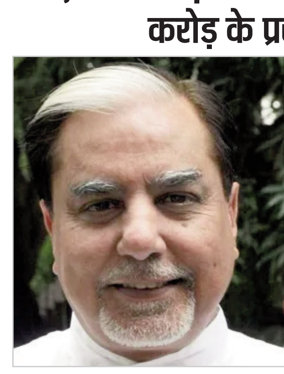

मुंबई ।

एस्सेल ग्रुप के संस्थापक सुभाष चंद्रा से जुड़े दिवालिया मामले में नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल (एनसीएलटी) के एक विवादास्पद फैसले ने वित्तीय संस्थानों को एकजुट कर दिया है। एनसीएलटी ने चंद्रा के उस रिपेमेंट प्लान को मंजूरी दे दी है, जिसके तहत लेनदारों के 22,000 करोड़ रुपये से अधिक के स्वीकृत दावों के मुकाबले उन्हें केवल 6.25 करोड़ रुपये देने का प्रस्ताव है। सार्वजनिक और कुछ निजी क्षेत्र के कई वित्तीय संस्थानों ने इस फैसले को अव्यावहारिक और गैर-कानूनी बताते हुए नेशनल कंपनी लॉ अपीलेट ट्रिब्यूनल (एनसरएनएटी) में चुनौती देने का ऐलान किया है। कैनरा बैंक, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया और एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस जैसे प्रमुख सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों ने इस भुगतान योजना का खुलकर विरोध किया था। इन बैंकों ने लेनदारों की बैठक में योजना के खिलाफ मतदान भी किया, लेकिन निजी लेनदारों के बहुमत में पक्ष में वोट करने के कारण इसे एनसीएलटी से मंजूरी मिल गई।

कैनरा बैंक द्वारा फोरेंसिक ऑडिट की मांग भी कम वोटिंग हिस्सेदारी के चलते खारिज हो गई थी। एलआईसीएचएफएल ने एनसीएलटी के सामने अपनी आपत्ति दर्ज कराते हुए कहा कि 1,322 करोड़ रुपये से अधिक के उसके स्वीकृत दावे के मुकाबले प्रस्तावित 38 लाख रुपये की रकम बेहद कम है, जो अव्यावहारिक और कानून के खिलाफ है। एचडीएफसी ने भी इस सेटलमेंट का विरोध कर प्लान के खिलाफ वोट किया था। यह मामला सुभाष चंद्रा के खिलाफ व्यक्तिगत गारंटर के तौर पर इंडियाबुल्स हाउसिंग फाइनेंस द्वारा शुरू की गई दिवालिया कार्यवाही से जुड़ा है। अब सभी आपत्ति जताने वाले बैंक एनसीएलएटी से न्याय की गुहार लगाएंगे।

31 अगस्त से 6 सितंबर तक बैंकों का पूरा शेड्यूल, कब खुले, कब बंद?

नई दिल्ली ।

अगर आप अगले हफ्ते बैंक जाने की सोच रहे हैं तो यह खबर आपके लिए महत्वपूर्ण है। सितंबर का पहला हफ्ता बैंक छुट्टियों के मामले में मिला-जुला रहेगा। जन्माष्टमी और रविवार के कारण कुछ दिनों तक बैंक बंद रहेंगे, लेकिन सभी जगह एक साथ नहीं। हालांकि, ये छुट्टियां हर राज्य में एक जैसी नहीं होंगी, इसलिए बैंक जाने से पहले अपने शहर की अवकाश सूची जांच लेना बेहद जरूरी है। भारतीय रिजर्व बैंक के कैलेंडर के अनुसार, 31 अगस्त से 6 सितंबर के बीच बैंक शाखाओं में कामकाज की स्थिति अलग-अलग रहेगी। ग्राहकों को असुविधा से बचने के लिए इन तिथियों को ध्यान में रखना चाहिए। 4 सितंबर (शुक्रवार) को जन्माष्टमी के अवसर पर कई राज्यों और शहरों में बैंक बंद रहेंगे। इनमें अहमदाबाद, जयपुर, लखनऊ, कोलकाता, पटना, भोपाल, चेन्नई और शिमला समेत कई अन्य शहरों की बैंक शाखाएं शामिल हैं। हालांकि, यह छुट्टी देशभर में लागू नहीं होगी, इसलिए अन्य शहरों में बैंक सामान्य रूप से खुले रहेंगे। 5 सितंबर (शनिवार) के बारे में भ्रम हो सकता है, लेकिन यह महीने का पहला शनिवार है। बैंक आमतौर पर दूसरे और चौथे शनिवार को बंद रहते हैं, इसलिए 5 सितंबर को बैंक शाखाएं सामान्य रूप से काम करेंगी। इसके बाद, 6 सितंबर (रविवार) को साप्ताहिक अवकाश के कारण देशभर में बैंक बंद रहेंगे। इस दिन किसी भी बैंक शाखा में कोई कामकाज नहीं होगा। बैंक बंद रहने के बावजूद, ग्राहक यूपीआई, मोबाइल बैंकिंग, इंटरनेट बैंकिंग और एटीएम जैसी डिजिटल सेवाओं का उपयोग जारी रख सकते हैं।

काशी विश्वनाथ के अनसुने रहस्य

बारह ज्योतिर्लिंगों में से एक ज्योतिर्लिंग काशी में है जिसे बाबा विश्वनाथ कहते हैं। काशी को बनारस और वाराणसी भी कहते हैं। शिव और काल भैरव की यह नगरी अद्भुत है जिसे सप्तपुरियों में शामिल किया गया है। दो नदियों 'वरुणा' और 'असि' के मध्य बसे होने के कारण इसका नाम 'वाराणसी' पड़ा। आओ जानते हैं बाबा काशी विश्वनाथ के 10 अनसुने रहस्य।

त्रिशुल की नोक कर बसी है काशी

पुरी में जगन्नाथ है तो काशी में विश्वनाथ। भगवान शिव के त्रिशुल की नोक पर बसी है शिव की नगरी काशी।

भगवान शिव की सबसे प्रिय नगरी

भगवान शंकर को यह गद्दी अत्यन्त प्रिय है इसीलिए उन्होंने इसे अपनी राजधानी एवं अपना नाम काशीनाथ रखा है।

विष्णु की तभोभूमि

विष्णु ने अपने चिन्तन से यहां एक पुष्कर्णी का निर्माण किया और लगभग पचास हजार वर्षों तक वे यहां घोर तपस्या करते रहे।

सदाशिव ने की उत्पत्ति काशी की

शिवपुराण अनुसार उस कालरूपी ब्रह्म सदाशिव ने एक ही समय शक्ति के साथ 'शिवलोक' नामक क्षेत्र का निर्माण किया था। उस उत्तम क्षेत्र को 'काशी' कहते हैं। यहां शक्ति और शिव अर्थात कालरूपी ब्रह्म सदाशिव और दुर्गा यहां पति और पत्नी के रूप में निवास करते हैं।

ब्रह्मा विष्णु और महेष की उत्पत्ति

कहते हैं कि यहीं पर सदाशिव से पहले विष्णु, फिर ब्रह्मा, रुद्र और महेष की उत्पत्ति हुई।

काशी में मिलता है मोक्ष

ऐसी मान्यता है कि वाराणसी या काशी में मनुष्य के देहावसान पर स्वयं महादेव उसे मुक्तिदायक तारक मंत्र का उपदेश करते हैं। इसीलिए अधिकतर लोग यहां काशी में अपने जीवन का अंतिम वक्त बीताने के लिए आते हैं और मरने तक यहीं रहते हैं। इसके काशी में पर्याप्त व्यव्था की गई है। यह शहर सुप्तमोक्षदायिनी नगरी में एक है।

उत्तरकाशी भी काशी

उत्तरकाशी को भी छोटा काशी कहा जाता है। ऋषिकेश उत्तरकाशी जिले का मुख्य स्थान है। उत्तरकाशी जिले का एक भाग बड़कोट एक समय पर गढ़वाल राज्य का हिस्सा था। बड़कोट आज उत्तरकाशी का काफी महत्वपूर्ण शहर है। उत्तरकाशी की भूमि सदियों से भारतीय साधु-संतों के लिए आध्यात्मिक अनुभूति की और तपस्या स्थली रही है। महाभारत के अनुसार उत्तरकाशी में ही एक महान साधु जड़ भारत ने यहां घोर तपस्या की थी। स्कंद पुराण के केदारखंड में उत्तरकाशी और भागीरथी, जाह्नवी व भीलगंगा के बारे में वर्णन है।

ज्योतिर्लिंग

द्वादश ज्योतिर्लिंगों में प्रमुख काशी विश्वनाथ मंदिर अनादिकाल से काशी में है। ह स्थान शिव और पार्वती का आदि स्थान है इसीलिए आदिलिंग के रूप में अविमुक्तेश्वर को ही प्रथम लिंग माना गया है। इसका उल्लेख महाभारत और उपनिषद में भी किया गया है। 1460 में वाचस्पति ने अपनी पुस्तक 'तीर्थ चिंतामणि' में वर्णन किया है कि अविमुक्तेश्वर और विशेश्वर एक ही शिवलिंग है।

विष्णु की पुरी

पुराणों के अनुसार पहले यह भगवान विष्णु की पुरी थी, जहां श्रीहरि के आनंदाश्रु गिरे थे, वहां बिंदु सरोवर बन गया और प्रभु यहां 'बिंधुमाधव' के नाम से प्रतिष्ठित हुए। महादेव को काशी इतनी अच्छी लगी कि उन्होंने इस पावन पुरी को विष्णुजी से अपने नित्य आवास के लिए मांग लिया। तब से काशी उनका निवास स्थान बन गई।

धनुषाकारी है यह नगरी

पतित पावनी भागीरथी गंगा के तट पर धनुषाकारी बसी हुई है जो पाप-नाशिनी है।

हिन्दू धर्म में क्यों महत्व है लाल रंग का

वैज्ञानिकों के अनुसार रंग तो मूलतः पांच ही होते हैं- कला, सफेद, लाल, नीला और पीला। काले और सफेद को रंग मानना हमारी मजबूरी है जबकि यह कोई रंग नहीं है। इस तरह तीन ही प्रमुख रंग बच जाते हैं- लाल, पीला और नीला। आपने आग जलते हुए देखी होगी- उसमें यह तीन ही रंग दिखाई देते हैं। हिन्दू धर्म में इन तीनों ही रंगों को महत्व है, क्योंकि इन्हीं में हरा, केसरिया, नारंगी आदि रंग समाए हुए हैं। लाल रंग के अंतर्गत सिंदुरिया, केसरिया या भगवा का उपयोग भी कर सकते हैं।

- हिन्दू धर्म अनुसार लाल रंग उत्साह, सौभाग्य, उमंग, साहस और नवजीवन का प्रतीक है। लाल रंग उग्रता का भी प्रतीक है।
- यह रंग अग्नि, रक्त और मंगल ग्रह का रंग भी है।
- हिन्दू धर्म में विवाहित महिला लाल रंग की साड़ी और हरी चूड़ियां पहनती है।
- प्रकृति में लाल रंग या उसके ही रंग समूह के फूल अधिक पाए जाते हैं।
- लाल रंग माता लक्ष्मी को पसंद है। मां लक्ष्मी लाल वस्त्र पहनती हैं और लाल रंग के कमल पर शोभायमान रहती हैं।
- रामभक्त हनुमान को भी लाल व सिन्दूरी रंग प्रिय हैं इसलिए भक्तगण उन्हें सिन्दूर अर्पित करते हैं।
- मां दुर्गा के मंदिरों में आपको लाल रंग की ही अधिकता दिखाई देगी।
- लाल के साथ भगवा या केसरिया सूर्योदय और सूर्यास्त का रंग भी है।
- यह रंग चिरंतन, सनातनी, पुनर्जन्म की धारणाओं को बताने वाला रंग है।
- विवाह के समय दुल्हन लाल रंग की साड़ी ही पहनती है और दूल्हा भी लाल या केसरी रंग की पगड़ी ही धारण करता है, जो उसके आने वाले जीवन की खुशहाली से जुड़ी है।
- केसरिया रंग त्याग, बलिदान, ज्ञान, शुद्धता एवं सेवा का प्रतीक है। शिवाजी की सेना का ध्वज, राम, कृष्ण और अर्जुन के रथों के ध्वज का रंग केसरिया ही था। केसरिया या भगवा रंग शौर्य, बलिदान और वीरता का प्रतीक भी है।
- सनातन धर्म में केसरिया रंग उन साधु-संन्यासियों द्वारा धारण किया जाता है, जो मुमुक्षु होकर मोक्ष के मार्ग पर चलने लिए कृतसंकल्प होते हैं। ऐसे संन्यासी खुद और अपने परिवारों के सदस्यों का पिंडदान करके सभी तरह की मोह-माया त्यागकर आश्रम में रहते हैं। भगवा वस्त्र को संयम, संकल्प और आत्मनियंत्रण का भी प्रतीक माना गया है।

पूजाघर में रखी गरुड़ घंटी के राज

मंदिर के द्वार पर और विशेष स्थानों पर घंटी या घंटे लगाने का प्रचलन प्राचीन काल से ही रहा है। मंदिर या घर के पूजाघर में आपने देखा होगा गरुड़ घंटी को। आओ जानते हैं इस घंटी के राज और पूजाघर में रखने के 5 फायदे।

- हिंदू धर्म अनुसार सृष्टि की रचना में ध्वनि का महत्वपूर्ण योगदान मानता है। ध्वनि से प्रकाश की उत्पत्ति और बिंदु रूप प्रकाश से ध्वनि की उत्पत्ति का सिद्धांत हिंदू धर्म का ही है। इसीलिए घंटी रूप में ध्वनि को मंदिर या पूजाघर में रखा जाता है।
- जब सृष्टि का प्रारंभ हुआ तब जो नाद था, घंटी की ध्वनि को उसी नाद का प्रतीक माना जाता है।
- घटी के रूप में सृष्टि में निरंतर विद्यमा नाद ओंकार या की तरह है जो हमें यह मूल तत्व की याद दिलाता है।
- घंटियां 4 प्रकार की होती हैं :- 1.गरूड़ घंटी, 2. द्वार घंटी, 3 हाथ घंटी और 4.घंटा।
- गरूड़ घंटी छोटी-सी होती है जिसे एक हाथ से बजाया जा सकता है।
- द्वार घंटी द्वार पर लटकी होती है। यह बड़ी और छोटी दोनों ही आकार की होती है।
- हाथ घंटी पीतल की ठोस एक गोल प्लेट की तरह होती है जिसको लकड़ी के एक गद्दे से ठोककर बजाते हैं।
- घंटा बहुत बड़ा होता है। कम से कम 5 फुट लंबा और चौड़ा। इसको बजाने के बाद आवाज कई किलोमीटर तक चली जाती है।
- भगवान गुरुढ़ के नाम पर है गुरुढ़ घंटी जिस का मुख गुरुण के समान ही होता है। भगवान गरुड़ को विष्णु का वाहन और द्वारपाल माना जाता है। अधिकतर मंदिरों में मंदिर के बाहर आपको द्वार पर गरुड़ भगवान की मूर्ति मिलेगी। दक्षिण भारत के मंदिरों में अक्सर इसे देखा जा सकता है।
- घंटी या घंटे को काल का प्रतीक भी माना गया है। ऐसा माना जाता है कि जब प्रलय काल आएगा तब भी इसी प्रकार का नाद यानि आवाज प्रकट होगी

फायदे

- घंटी विशेष प्रकार का नाद होता है जो आसपास के वातावरण को शुद्ध करता है। इससे वातावरण हमेशा शुद्ध और पवित्र बना रहता है। ऐसा कहते हैं कि घंटी बजाने से वातावरण में एक कंपन पैदा होता है। इस कंपन के वायुमंडल में फैलने से जीवाणु, विषाणु इस तरह के सूक्ष्म जीव आदि नष्ट हो जाते हैं और वातावरण शुद्ध हो जाता है।
- घर के पूजाघर या मंदिर में प्रात: और संध्या को ही आरती करते वक्त घंटी बजाने का नियम है। वह भी लयपूर्ण। इससे हमारा मन शांत होकर तनाव हट जाता है।
- जिन स्थानों पर घंटी बजने की आवाज नियमित आती है वहां से नकारात्मक शक्तियां हटती है। नकारात्मकता हटने से समृद्धि के द्वारा खुलते हैं। इससे सभी तरह के वास्तुदोष भी दूर हो जाते हैं।
- स्कंद पुराण के अनुसार घंटी बजाने से मानव के सौ जन्मों के पाप नष्ट हो जाते हैं।
- यह भी कहा जाता है कि घंटी बजाने से देवताओं के समक्ष आपकी हाजिरी लग जाती है।

तुंगविद्या की वीणा की धुन पर नाचते थे श्रीकृष्ण

पौराणिक ग्रंथों के अनुसार श्रीजी राधारानी की 8 सखियां थीं। अष्टसखियों के नाम हैं- 1.ललिता, 2.विशाखा, 3.चित्रा, 4. इंदुलेखा, 5.चंपकलता, 6.रंगदेवी, 7.तुंगविद्या और 8.सुदेवी। राधारानी की इन आठ सखियों को ही ''अष्टसखी'' कहा जाता है। श्रीधाम वृंदावन में इन अष्टसखियों का मंदिर भी स्थित है। आओ इस बार जानते हैं तुंगविद्या के बारे में संक्षिप्त जानकारी।

- सखी तुंगविद्या नृत्य तथा गायन करके श्रीराधा और कृष्ण का मनोरंजन करती हैं।
- इन्हें माता पार्वती गौरी मां का अवतार माना जाता है।
- तुंगविद्या सखी 18 वेद विद्याओं में पारंगत है।
- ये वीणा बजाना भी जानती हैं और नाट्यशास्त्र एवं रसशास्त्र में भी कुशल है।
- इनकी माता का नाम मेघा, पिता का नाम पुष्कर और पति का नाम बालिश है। कुछ जगहों पर इनके पिता का नाम अंगद एवं माता का नाम ब्रह्मकर्णी बताया जाता है।
- कहते हैं कि श्रीकृष्ण तुंगविद्या की विणा पर नाचते थे।
- बरसाना से दक्षिण दिशा में छह किलोमीटर दूर सखी तुंग विद्या का गांव डभाला है। वहीं बरसाना से 8 किलोमीटर दक्षिण दिशा में स्थित राकोंली गांव रंगदेवी सखी का गांव है।
- पहाड़ी पर इनका मंदिर है। तुंगविद्या सखी पीले रंग के परिधान धारण कर भक्तों को दर्शन देती हैं।
- इनका जन्म भाद्रपद शुक्लपक्ष पंचमी को हुआ था।
- राधाजी से पांच दिन छोटी हैं रंगदेवी और तीन दिन बढ़ी है तुंग विद्या।

कुल देवी या देवता को 4 उपाय से मनाएं और संकटों से मुक्ति पाएं

भारत में कई समाज या जाति के कुलदेवी और देवता होते हैं। भारतीय लोग हजारों वर्षों से अपने कुलदेवी और देवता की पूजा करते आ रहे हैं। हालांकि आजकल अधिकतर परिवार ने अपाने कुलदेवी और कुल देवताओं को पूजना या उनको याद करना छोड़ दिया है। संभवत: इसी के कारण वे घोर संकट में घिरे हुए हैं। यदि ऐसा है तो 4 उपाय करें और संकटों से मुक्ति पाएं।

- जन्म, विवाह आदि मांगलिक कार्यों में कुलदेवी या देवताओं के स्थान पर जाकर उनकी पूजा की जाती है या उनके नाम से स्तुति की जाती है। कुलदेवी की कृपा का अर्थ होता है सौ सुनार की एक लोहार की। बिना कुलदेवी कृपा के किसी के कुल का वंश ही क्या कोई नाम, यश आगे बढ़ नहीं सकता। अत: कुल देवी और देवता के लिए प्रतिदिन सुबह और शाम को भोग निकालें और उनके नाम का उच्चारण करें। स्थान का नाम भी नहीं मालूम हो तो तो हे माता कुलदेवी और कुलदेवता आपकी सदा विजयी हो। दुर्गा माता की जय, भैरू महाराज की जय।
- एक ऐसा भी दिन होता है जबकि संबंधित कुल के लोग अपने देवी और देवता के स्थान पर इकट्ठा होते हैं। जिन लोगों को अपने कुलदेवी और देवता के बारे में नहीं मालूम है या जो भूल गए हैं, वे अपने कुल की शाखा और जड़ों से कट गए हैं। कुलदेवी या कुल देवता के स्थान से आपके पूर्वजों का पता लगता है। जिसे यह नहीं याद है वे भैरू महाराज और दुर्गा माता के मंदिर में जाकर उनके नाम का भोज चढ़ाएं और पूजा करें।
- कुल देवी या देवता के स्थान पर जाकर एक साबूत नींबू लें और उसको अपने उपर से 21 बार वार कर उसे दो भागों में काटकर एक भाग को दूसरे भाग की दिशा में और दूसरे भाग को पहले भाग की दिशा में फेंक दें। इसके बाद कुलदेवी या देवता से क्षमा मांग कर वहां अच्छे से पूजा पाठ करें या करवाएं और सभी को दान-दक्षिणा दें।
- कुलदेवता की पूजा करते समय शुद्ध देसी घी का दीया, धूप, अगरबत्ती, चंदन और कपूर जलाना चाहिए साथ ही प्रसाद स्वरूप भोग भी लगाना चाहिए। कुलदेवता को चंदन और चावल का टीका अर्पण करते समय ध्यान रखें की टूटे हुए या खंडित चावल ना हो। कुलदेवता को हल्दी में लिपटे पीले चावल पानी में भिगोकर अर्पण करना शुभ माना जाता है। पूजा के समय पान के पत्ते का बहुत महत्व है जिसके साथ सुपारी, लौंग, इलायची और गुलकंद भी अर्पण करना चाहिए। कुलदेवी या देवता को पुष्प चढ़ाते हुए आपको इन्हें पानी में अच्छी तरह से धोना चाहिए। सभी देवी-देवताओं की पूजा जिस तरह सुबह-शाम की जाती है, उसी तरह कुलदेवी और देवता की पूजा भी दीपक जलाकर करनी चाहिए।

चरणामृत सेवन के चमत्कारिक फायदे

हिन्दू धर्म में पंचामृत या चरणामृत के साथ तुलसी का सेवन जरूरी है। हर मंदिर में आपको चरणामृत तो मिलेगा पर पंचामृत कम ही मिलेगा। पंचामृत किसी तीज त्योहार पर बनाया जाता है। हालांकि कुछ मंदिरों में प्रतिदिन ही पंचामृत का प्रसाद बंटता है। आओ जानते हैं कि क्या है चरणामृत सेवन के लाभ।

कैसे बनता चरणामृत : तांबे के बर्तन में चरणामृतरूपी जल रखने से उसमें तांबे के औषधीय गुण आ जाते हैं। चरणामृत में तुलसी पत्ता, तिल और दूसरे औषधीय तत्व मिले होते हैं। मंदिर या घर में हमेशा तांबे के लोटे में तुलसी मिला जल रखा ही रहता है।

चरणामृत लेने के नियम : चरणामृत ग्रहण करने के बाद बहुत से लोग सिर पर हाथ फेरते हैं, लेकिन शास्त्रीय मत है कि ऐसा नहीं करना चाहिए। इससे नकारात्मक प्रभाव बढ़ता है। चरणामृत हमेशा दाएं हाथ से लेना चाहिए और श्रद्धाभक्तिपूर्वक मन को शांत रखकर ग्रहण करना चाहिए। इससे चरणामृत अधिक लाभप्रद होता है।

चरणामृत सेवन के **चमत्कारिक फायदे** :

- शास्त्रों में कहा गया है- अकालमृत्युहरणं सर्वव्याधिविनाशनम्। विष्णो पादोदकं पीत्वा पुनर्जन्म न विद्यते।।
  अर्थात : भगवान विष्णु के चरणों का अमृतरूपी जल सभी तरह के पापों का नाश करने वाला है। यह औषधि के समान है। जो चरणामृत का सेवन करता है उसका पुनर्जन्म नहीं होता है।
- चरणामृत का जल का सेवन करने से कभी भी कैंसर नहीं होगा और न ही किसी भी प्रकार का अन्य रोग।
- तुलसी का पौधा एक एंटीबायोटिक मेडिसिन होता है। इसके सेवन से शरीर की प्रतिरोधक क्षमता में बढ़ोतरी होती है, बीमारियां दूर भागती हैं और शारीरिक द्रव्यों का संतुलन बना रहता है।
- आयुर्वेद की दृष्टि से चरणामृत स्वास्थ्य के लिए बहुत ही अच्छा माना गया है। आयुर्वेद के अनुसार तांबे में अनेक रोगों को नष्ट करने की क्षमता होती है।
- आयुर्वेद के अनुसार यह पौरूष शक्ति को बढ़ाने में भी गुणकारी माना जाता है।
- तुलसी के इस रस से कई रोग दूर हो जाते हैं और इसका जल मस्तिष्क को शांति और निश्चिंतता प्रदान करता हैं।
- स्वास्थ्य लाभ के साथ ही साथ चरणामृत बुद्धि, स्मरण शक्ति को बढ़ाने भी कारगर होता है।

उथप्पा को आईपीएल से मिले थे 3.2 करोड़: अचानक मिले पैसों से डिप्रेशन में गए थे, बोले- आत्महत्या तक के ख्याल आए

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्व भारतीय क्रिकेटर रॉबिन उथप्पा ने अपने प्रोफेशनल नेटवर्किंग प्लेटफॉर्म लिंक्डइन पर एक बेहद भावुक पोस्ट शेयर किया है। उन्होंने बताया कि कैसे साल 2008 में मिले उनके पहले 3.2 करोड़ रुपये के आईपीएल कॉन्ट्रैक्ट ने उन्हें मानसिक रूप से पूरी तरह तोड़ दिया था।

उथप्पा ने कहा, 21-22 साल की उम्र में इतनी बड़ी रकम (3.2 करोड़ रुपये) मिली, जो उनकी कई पीढ़ियों ने भी नहीं कमाई थी। उनके आस-पास कोई भी ऐसा व्यक्ति नहीं था जो इतनी बड़ी रकम को संभालने या निवेश करने की सही सलाह दे सके। अचानक मिले इस पैसे ने उनके रिश्तों और फैसलों को बदल दिया। साल 2009 तक आते-आते वे गंभीर अवसाद (क्लिनिकल डिप्रेशन) के शिकार हो गए।

उन्होंने खुलासा किया कि वे साउथ अफ्रीका के एक होटल की 23वीं मंजिल की खिड़की पर बैठकर खुदकुशी करने के विचार से जूझ रहे थे। उस वक्त उनकी करोड़ों की कमाई का कोई मोल नहीं रह गया था। उथप्पा ने आज के युवा एथलीट्स, स्टार्टअप फाउंडर्स और आंत्रप्रेन्योर्स को सीख दी है कि 'पैसा कभी आपकी जीत नहीं होता, बल्कि यह आपकी परीक्षा होता है। उथप्पा ने कहा,मुझे मेरा पहला आईपीएल कॉन्ट्रैक्ट 2008 में मिला था। मैं सिर्फ 21 साल का था। मैंने कभी सपने में भी इतने पैसों की उम्मीद नहीं की थी। 30 साल की उम्र में भी नहीं, 40 में भी नहीं। शायद कभी भी नहीं। आज मैं हर उस युवा खिलाड़ी, आंत्रप्रेन्योर (उद्यमी) या स्टार्टअप फाउंडर को बताना चाहता हूं, जिसे अचानक बड़ी कामयाबी या पैसा मिलता है जब बहुत सारा पैसा आता है, तो बहुत सारे लोग भी आते हैं। आपके दिमाग में दस लाख विचार आते हैं। उन विचारों से लाखों उलझनें पैदा होती हैं। उन उलझनों से आपसी बातचीत में गलतफहमियां होती हैं और यह सब आपको बहुत ही मुश्किल हालातों में लाकर खड़ा कर देते हैं।

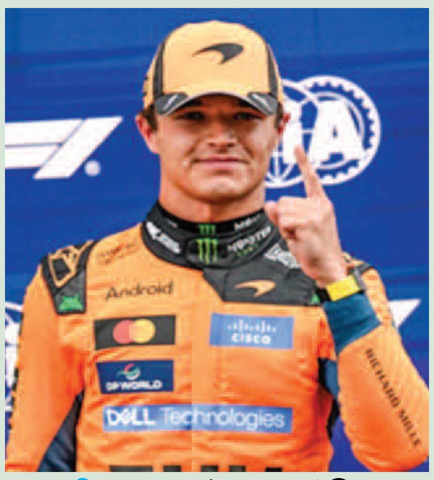

फॉर्मूला 1: मौजूदा चैंपियन लैंडो नॉरिस ने मैकलारेन के साथ बढ़ाया करार

नई दिल्ली। मौजूदा फॉर्मूला 1 चैंपियन लैंडो नॉरिस ने मैकलारेन के साथ अपना करार आगे बढ़ाने का फैसला किया है। वह कम से कम 2030 सीजन के आखिर तक ब्रिटिश टीम के लिए रेस करेंगे। इस डील में 2030 के बाद भी कई साल तक जुड़े रहने का विकल्प शामिल है।

2017 में टीम से जुड़े थे नॉरिस

इस करार के बढ़ने से नॉरिस 'पपाया' (मैकलारेन टीम का उपनाम) के साथ एक दशक से ज्यादा समय तक बने रहेंगे। वह 2017 में टेस्ट और डेवलपमेंट ड्राइवर के तौर पर टीम से जुड़े थे और 2019 में उन्हें ग्रिड पर रेस करने का मौका मिला था। एफ1 की रिपोर्ट के अनुसार, नॉरिस ने कहा, मैं बहुत ज्यादा उत्साहित हूं। फॉर्मूला 1 में मेरे करियर की शुरुआत से ही मैकलारेन मेरा घर रहा है और मैं चाहता हूं कि यह आगे भी ऐसा ही बना रहे। हमारे पिछले कुछ साल बहुत अच्छे रहे हैं और मुझे भरोसा है कि हम आगे भी कई बार ऐसी सफलता हासिल कर सकते हैं। इसलिए मैं यहीं बने रहना चाहता हूं। माना जा रहा था कि नॉरिस की पिछली डील 2027 सीजन के आखिर में खत्म हो जाएगी, लेकिन इस नई डील के साथ वह कम से कम 12 साल तक 'पपाया' के लिए रेस करेंगे। मैकलारेन उन्हें एमसीएल39 कार तोहफे में देगी, जिससे उन्होंने रेस की और 2025 का टाइटल जीता। उन्होंने कहा, मुझे पता है कि आने वाले कई वर्षों तक मैं सुरक्षित महसूस करूंगा क्योंकि मेरे पास नौकरी है। मैं वहीं हूं जहां मैं रहना चाहता हूं और उन लोगों के साथ हूं जिनके साथ मैं रहना चाहता हूं और यह बात मुझे सुकून देती है। उन्होंने आगे कहा, मैं अपने काम पर ध्यान दे सकता हूं और एक टीम के तौर पर हम उस काम पर भी ध्यान दे सकते हैं जो हम करना चाहते हैं। लोग अक्सर नतीजों को ही सबसे अहम मानते हैं और 99 प्रतिशत मामलों में वे अहम होते भी हैं, लेकिन मैं कहूंगा कि इसमें कुछ गुंजाइश भी होती है उन लोगों के साथ होने का फायदा भी मिलता है जिनके साथ मैं रहना चाहता हूं और जिनके साथ अपने करियर का सफर तय करने में मुझे मजा आता है।

भारतीय गेंदबाज को मिला काउंटी क्रिकेट का टिकट, सरे के लिए खेलेंगे कश्मीर के स्टार पेसर

नई दिल्ली: जम्मू-कश्मीर के तेज गेंदबाज औकीब नबी इंग्लैंड के काउंटी चैंपियनशिप डिविजन-1 में सरे के लिए थोड़े समय के लिए खेलते नजर आ सकते हैं। नबी को इंग्लैंड जाने का वीजा मिल गया है और वह रविवार को नई दिल्ली से इंग्लैंड के लिए रवाना होने वाले हैं। सब कुछ ठीक रहा तो वह 2 सितंबर से द ओवल में यॉर्कशायर के खिलाफ शुरू होने वाले मुकाबले में सरे का प्रतिनिधित्व कर सकते हैं।

रणजी ट्रॉफी में मचाया था तहलका

औकीब नबी ने पिछले रणजी ट्रॉफी सीजन में शानदार प्रदर्शन करते हुए सबसे ज्यादा 60 विकेट हासिल किए थे। उन्होंने 12.56 की औसत से विकेट चटकाकर जम्मू-कश्मीर को पहली बार रणजी ट्रॉफी चैंपियन बनाने में अहम भूमिका निभाई थी। उनके इस प्रदर्शन के बाद उन्हें भारतीय टीम के भविष्य के लिए एक उपयोगी तेज गेंदबाजी विकल्प के तौर पर देखा जा रहा है। नबी हाल ही में श्रीलंका के खिलाफ भारत की 1-0 से टेस्ट सीरीज जीतने वाली टीम का हिस्सा थे, लेकिन उन्हें दोनों टेस्ट मैचों में खेलने का मौका नहीं मिला।

इंग्लैंड में स्विंग गेंदबाजी पर होगी नजर

नबी के काउंटी कार्यकाल का एक अहम उद्देश्य उन्हें इंग्लैंड की तेज गेंदबाजों के अनुकूल परिस्थितियों में खेलने का अनुभव देना है। भारतीय टीम मैनेजमेंट और राष्ट्रीय चयनकर्ता यह भी देखना चाहते हैं कि नबी इंग्लैंड के मौसम और परिस्थितियों में गेंद को कितना स्विंग करा सकते हैं। आगामी टेस्ट दौरे पर न्यूजीलैंड में भी सीम और स्विंग के लिए अनुकूल परिस्थितियां मिलने की उम्मीद है। ऐसे में लाल कूकाबुरा गेंद से नबी का अनुभव उनके लिए काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

सरे के साथ तीन मैच खेलने की संभावना

सरे के लिए नबी का संभावित कार्यकाल 2 सितंबर से शुरू होने वाले यॉर्कशायर के खिलाफ मुकाबले से शुरू हो सकता है। इसके बाद सरे को 8 सितंबर को होव में ससेक्स और 15 सितंबर को द ओवल में ग्लैमरगन के खिलाफ खेलना है। नबी इन मुकाबलों के लिए भी उपलब्ध रह सकते हैं। सरे की मौजूदा टीम में भारत के लेग स्पिनर राहुल चाहर और अनकैप्ड बल्लेबाजी ऑलराउंडर महिपाल लोमरोर भी शामिल हैं।

अर्जेंटीना की टीम बनी चैंपियन

महिला हॉकी विश्वकप: नौ बार की चैंपियन नीदरलैंड को शूटआउट में हराया

एम्सटेलवीन, एजेंसी। अर्जेंटीना ने शनिवार को रोमांचक फाइनल में सह-मेजबान नीदरलैंड को पेनल्टी शूटआउट में 3-1 से हराकर महिला हॉकी विश्व कप का खिताब अपने नाम कर लिया। निर्धारित समय में दोनों टीमें 1-1 से बराबर रहीं, जिसके बाद मुकाबले का फैसला शूटआउट से हुआ। अर्जेंटीना ने शूटआउट में संयम दिखाते हुए बाजी मार ली और तीसरी बार विश्व चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया।

अर्जेंटीना की ओर से विक्टोरिया ग्रानाटो, ब्रिसा ब्रगेसेर और सोफिया काइरो ने गोल किए। वहीं डियाज जो का प्रयास अमान्य करार दिया गया। नीदरलैंड के लिए केवल वीन मारिन गोल कर सकीं, जबकि पियेन सैंडर्स, फेलिस अलबर्स और मोएस फ्रीके अपने प्रयासों को गोल में नहीं बदल सकीं।

इस जीत के साथ अर्जेंटीना ने पिछली बार की हार का हिसाब भी बराबर कर लिया। पिछले विश्व कप में नीदरलैंड ने अर्जेंटीना को 3-1 से हराकर खिताब जीता था। खास बात यह है कि अर्जेंटीना ने इससे पहले 2002 और 2010 में भी नीदरलैंड को हराकर विश्व कप ट्रॉफी अपने नाम की थी। नौ बार की विश्व चैंपियन नीदरलैंड के पास रिकॉर्ड 10वां खिताब जीतने का मौका था, लेकिन अर्जेंटीना ने उसके अभियान पर विराम लगा दिया। लगातार चौथी बार विश्व कप जीतने का डच टीम का सपना भी टूट गया।

यिब्बी के गोल से नीदरलैंड आगे

वेगनेर स्टेडियम में नारंगी रंग से सराबोर दर्शकों के सामने नीदरलैंड ने मुकाबले की शुरुआत आक्रामक अंदाज में की। शुरुआती 15 मिनट में दोनों टीमों के बीच कड़ा संघर्ष देखने को मिला, लेकिन कोई भी टीम गोल नहीं कर सकी। दूसरे क्वार्टर के आखिरी मिनट में नीदरलैंड को पहला पेनल्टी कॉर्नर मिला। दुनिया की नंबर एक ड्रैग-फ्लिकर मानी जाने वाली यिब्बी यानसेन ने शानदार ड्रैग फ्लिक लगाकर गेंद को गोल में पहुंचा दिया। यह टूर्नामेंट में उनका आठवां गोल था और नीदरलैंड ने 1-0 की बढ़त बना ली।

ग्रानाटो ने दिलाई बराबरी

ब्रेक के बाद अर्जेंटीना ने लगातार दबाव बढ़ाया। उसे कई पेनल्टी कॉर्नर मिले, लेकिन नीदरलैंड की अनुभवी गोलकीपर एन्ने वीनेंडाल ने शानदार बचाव करते हुए अर्जेंटीना को बराबरी करने से रोके रखा। अर्जेंटीना ने हमले जारी रखे और मैच के 54वें मिनट में आखिरकार उसे सफलता मिली। गोरजेलानी की फ्लिक को रोकने की कोशिश में डच गोलकीपर फिसल गईं और गोल के पास मौजूद कप्तान मारिया ग्रानाटो ने रिबाउंड पर गेंद को गोल में डाल दिया। स्कोर 1-1 हो गया।

शूटआउट में डच खिलाड़ियों पर दबाव

इसके बाद दोनों टीमों ने निर्णायक बढ़त हासिल करने की कोशिश की, लेकिन कोई गोल नहीं हुआ। मुकाबला शूटआउट में पहुंचा, जहां अर्जेंटीना के खिलाड़ियों ने बेहतर प्रदर्शन किया। नीदरलैंड की ओर से सिर्फ वीन मारिन सफल रहीं। इसके बाद अर्जेंटीना के गोल और डच खिलाड़ियों के चूके प्रयासों ने मैच का रुख पूरी तरह बदल दिया। अंततः अर्जेंटीना ने 3-1 से शूटआउट जीतकर तीसरी बार विश्व कप ट्रॉफी उठा ली।

त्रिनबागो नाइटराइडर्स का बड़ा फैसला

ब्रावो की जर्सी नंबर 47 अब कोई नहीं पहन सकेगा

त्रिनिदाद। कैरेबियन क्रिकेट के दिग्गज ऑलराउंडर ड्वेन ब्रावो को त्रिनबागो नाइट राइडर्स ने ऐसा सम्मान दिया है, जो कैरेबियन प्रीमियर लीग के इतिहास में इससे पहले किसी खिलाड़ी को नहीं मिला। फ्रेंचाइजी ने ब्रावो की मशहूर नंबर 47 जर्सी को हमेशा के लिए रिटायर करने का फैसला किया है। टीम ने यह कदम ब्रावो के फ्रेंचाइजी, सीपीएल और त्रिनिदाद एवं टोबैगो क्रिकेट में असाधारण योगदान के सम्मान में उठाया।

पहली बार किसी खिलाड़ी की जर्सी रिटायर

जमैका किंग्समेन के खिलाफ मुकाबले से पहले आयोजित समारोह में नाइट राइडर्स ग्रुप के सीईओ वेंकी मैसूर ने इस फैसले की घोषणा की। इसके साथ ही ब्रावो सीपीएल इतिहास में जर्सी रिटायर होने वाले पहले खिलाड़ी बन गए। मैसूर ने कहा, 'नाइट राइडर्स और सीपीएल में ड्वेन ब्रावो के योगदान को मापना असंभव है। नंबर 47 को रिटायर करना यह सुनिश्चित करने का हमारा तरीका है कि उनकी विरासत हमेशा इस फ्रेंचाइजी का हिस्सा बनी रहे। सीपीएल इतिहास में यह सम्मान पाने वाला उनसे बेहतर खिलाड़ी कोई और नहीं हो सकता।'

पांच बार बने सीपीएल चैंपियन

ब्रावो का सीपीएल करियर खिताबों से भरा रहा है। उन्होंने 2015 के बाद खिलाड़ी के तौर पर कुल पांच सीपीएल खिताब जीते। त्रिनबागो नाइट राइडर्स के कप्तान के रूप में उन्होंने 2017 और 2018 में लगातार दो खिताब दिलाए। इसके बाद 2021 में उन्होंने सेंट किट्स एंड नेविस पैट्रियट्स की कप्तानी करते हुए टीम को सीपीएल चैंपियन बनाया। ब्रावो ने 2013 से 2024 तक सीपीएल में हिस्सा लिया और इस दौरान त्रिनबागो नाइटराइडर्स तथा सेंट किट्स एंड नेविस पैट्रियट्स के लिए कुल 107 मुकाबले खेले।

त्रिनबागो नाइटराइडर्स के मुख्य कोच हैं ब्रावो

खिलाड़ी के तौर पर फ्रेंचाइजी को ऊंचाइयों तक पहुंचाने वाले ब्रावो अब टीम के मुख्य कोच की भूमिका निभा रहे हैं। यानी मैदान पर उनकी जर्सी भले ही रिटायर हो गई हो, लेकिन टीम के साथ उनका रिश्ता अभी भी कायम है। सबसे ज्यादा मैच खेलने वाले खिलाड़ियों की सूची में ब्रावो तीसरे स्थान पर हैं। उनसे आगे सुनील नरेन (139 मैच) और इमरान ताहिर (135 मैच) हैं।

पूरन ने बताया 'बिग ब्रदर'

मौजूदा त्रिनबागे नाइटराइडर्स कप्तान निकोलस पूरन ने भी ब्रावो के योगदान को याद किया। फ्रेंचाइजी द्वारा जारी वीडियो में पूरन ने कहा, 'प्रेरणा और आदर्श बनने के लिए धन्यवाद। हम बहुत खुश हैं कि आप हमारे साथ हैं। हमारे बड़े भाई बनने के लिए धन्यवाद। कई मौकों पर पिता की तरह हमारा मार्गदर्शन करने के लिए धन्यवाद। लेकिन सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि मेरी जिंदगी में प्रेरणा बनने के लिए धन्यवाद।'

साइकिल चलाते दिखे कोच गंभीर, दिया बड़ा संदेश

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने देश में फिटनेस को बढ़ावा देने वाली सरकार की 'फिट इंडिया' पहल की जमकर सराहना की है। रविवार को दिल्ली में आयोजित 'संडे ऑन साइकिल विद रन एंड राइड' कार्यक्रम में हिस्सा लेते हुए गंभीर ने कहा कि फिटनेस को केवल किसी एक दिन या कार्यक्रम तक सीमित नहीं रखना चाहिए। उनके मुताबिक, स्वस्थ और फिट नागरिक ही मजबूत और आत्मनिर्भर भारत की नींव बन सकते हैं।

गौतम गंभीर ने केंद्रीय मंत्री मनसुख एल. मंडाविया और अभिनेत्री मधुरिमा तुली के साथ साइकिलिंग पहल में हिस्सा लिया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों को साइकिल चलाने, शारीरिक गतिविधियों में हिस्सा लेने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रोत्साहित करना था। क्रिकेट के मैदान पर फिटनेस और अनुशासन को बेहद अहम मानने वाले गंभीर ने खुद इस अभियान में शामिल होकर लोगों को सक्रिय जीवनशैली का संदेश दिया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में फिटनेस प्रेमियों और अन्य लोगों ने भी हिस्सा लिया।

गंभीर ने 'फिट इंडिया' पहल को लेकर कहा कि इसका महत्व किसी एक आयोजन से कहीं ज्यादा है। उन्होंने इसे एक ऐसे अभियान के रूप में देखने की अपील की, जिसे लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बनाया जाना चाहिए। गंभीर ने कहा, 'सरकार की ओर से आयोजित यह फिट इंडिया कार्यक्रम एक शानदार पहल है, क्योंकि मेरा मानना है कि भारत जितना फिट होगा, उतना ही मजबूत होगा और उतना ही अधिक आत्मनिर्भर बनेगा।

छांगटे को 'इंडियन फ़ुटबॉलर ऑफ़ द ईयर 2026' का मिला खिताब

मिज़ोरम के फ़ुटबॉल खिलाड़ी लालियानज़ुआला छांगटे को साल 2026 का सर्वश्रेष्ठ भारतीय फ़ुटबॉलर चुना गया है। 29 वर्षीय चांगते हाल ही में मुंबई फ़ुटबॉल क्लब से मोहन बागान में शामिल हुए हैं। उन्होंने कल रात भारतीय फ़ुटबॉल के दिग्गज खिलाड़ी बाइचुंग भूटिया से यह सम्?मान मिला है। फ़ुटबॉल प्लेयर्स एसोसिएशन ऑफ़ इंडिया द्वारा आयोजित यह पुरस्कार साथी खिलाड़ियों के वोटों के आधार पर तय किया जाता है।

15 साल के वैभव सूर्यवंशी ने दलीप ट्रॉफी में रचा इतिहास

ईशान की जगह मिली टीम की कप्तानी!

नई दिल्ली, एजेंसी। बिहार के समस्तीपुर के रहने वाले 15 साल के युवा खिलाड़ी वैभव सूर्यवंशी रविवार को बेंगलुरु के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में सेंट्रल जोन के खिलाफ दुलीप ट्रॉफी के सेमीफाइनल मैच में ईस्ट जोन के कार्यवाहक कप्तान बनकर इतिहास रच दिया। बाएं हाथ के ओपनिंग बल्लेबाज इस मैच में उप-कप्तान के तौर पर उतरे थे, लेकिन रेगुलर कप्तान ईशान किशन के चोटिल होने के बाद अचानक उन पर कप्तानी सौंपी गई। किशन के मैदान से बाहर जाने के बाद इस युवा खिलाड़ी ने सेंट्रल जोन की पारी के 19वें ओवर में टीम की कमान संभाली।

शुभमन गिल (19 साल, 334 दिन) ने 2019 दिलीप ट्रॉफी के दौरान इंडिया ब्लू की कप्तानी करते हुए इस प्रतियोगिता के इतिहास में सबसे कम उम्र में आधिकारिक तौर पर नियुक्त कप्तान बनने का रिकॉर्ड बनाया था। लेकिन सूर्यवंशी को किशन के चोटिल होने के बाद यह मौका मिला जोकि नियमों के तरह कप्तान के चोटिल होने के बाद उप-कप्तान को मिलने वाली जिम्मेदारी है।

विकेटकीपिंग के दौरान किशन की दाहिनी कलाई पर चोट लगी और टीम के फिजियो ने तुरंत उनका इलाज किया। इसके बाद वे आगे की जांच के लिए मैदान से बाहर चले गए और बाद में हाथ पर पट्टी बंधवाकर लौटे। झारखंड के उनके साथी खिलाड़ी कुमार कुशग्रा ने विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी संभाली। किशन के उपलब्ध न होने पर सूर्यवंशी ने टीम की कप्तानी संभाली, यह सीनियर पुरुष टीम के कप्तान के तौर पर उनका पहला अनुभव था।

यह मौका उन्हें ईस्ट जोन का उप-कप्तान बनाए जाने के कुछ ही हफ्तों बाद मिला जिस पर काफी बहस हुई थी। चयनकर्ताओं ने अपने फैसले का बचाव करते हुए कहा था कि यह कदम टीम की तत्काल जरूरतों को पूरा करने के बजाय उनके लंबे समय के विकास में योगदान देने के लिए उठाया गया था। ईस्ट जोन चयन समिति का हिस्सा रहे झारखंड के चयनकर्ता मनीष वर्धन ने क्रिकइन्फो से कहा था, 'हम सिर्फ वर्तमान के बारे में नहीं सोच रहे हैं।' सूर्यवंशी को यह जिम्मेदारी उनके फर्स्ट-क्लास करियर की शुरुआत में ही मिल गई। सेंट्रल जोन के खिलाफ यह मैच सूर्यवंशी का दूसरा दुलीप ट्रॉफी मैच है। इससे पहले 2024 की शुरुआत में रणजी ट्रॉफी में डेब्यू करने के बाद से वे 9 फर्स्ट-क्लास मैच खेल चुके थे।

सूर्यवंशी का पिछला प्रदर्शन

सेमीफाइनल में उनका खेलना टूर्नामेंट में उनके मिले-जुले पहले अनुभव के बाद हुआ। नॉर्थ ईस्ट जोन के खिलाफ ईस्ट जोन की शुरुआती दौर की जीत के दौरान, सूर्यवंशी अपनी पहली दुलीप ट्रॉफी पारी में सिर्फ आठ रन ही बना पाए थे। हालांकि, बाएं हाथ के इस खिलाड़ी ने गेंदबाजी में अच्छा प्रदर्शन किया और दो विकेट लिए, जिससे ईस्ट जोन ने पारी से जीत हासिल की। उनके कुल मिलाकर फर्स्ट-क्लास बैटिंग के आंकड़े बताते हैं कि वे अभी भी अपने विकास के शुरुआती दौर में हैं।सूर्यवंशी ने 9 मैचों में 16.53 की औसत से 215 रन बनाए हैं, जिसमें एक अर्धशतक शामिल है। सूर्यवंशी ने इस साल की शुरुआत में इंग्लैंड के खिलाफ अपना इंटरनेशनल डेब्यू किया था। यह मौका उन्हें शानदार ढ्रक्कसीजन के बाद मिला जिसमें उन्होंने राजस्थान रॉयल्स के लिए 776 रन बनाए थे। इसके बाद जिम्बाब्वे के खिलाफ तीन मैचों की सीरीज में 200 से ज्यादा रन बनाने के कारण उन्हें 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' चुना गया।

मेरी जिंदगी में अगर म्यूजिक नहीं, तो उसका कोई मतलब नहीं है

मशहूर कंपोजर अखिल सचदेवा ने हाल ही में इमरान हाशमी की फिल्म 'आवारापन 2' का गाना 'पिया घर आया – होमकमिंग' बनाया है। कंपोजर ने बातचीत में बताया कि उन्हें ज्यादा देर तक सोना नहीं पसंद है बल्कि, वे अगले दिन उठने के बाद काम करने का इंतजार करता हैं। कंपोजर ने आईएएनएस के साथ बातचीत में काम के प्रति दिवानगी को लेकर कुछ दिलचस्प बातें शेयर कीं। उन्होंने कहा, 'सच कहूं, तो मैं सांस बाद में लेता हूं और म्यूजिक के बारे में पहले सोचता हूं। मुझे रात में सोना पसंद नहीं है। मैं हमेशा यही सोचता रहता हूं कि कल मैं क्या प्रैक्टिस करूंगा और कल क्या नया बनाऊंगा? अगर जिंदगी में म्यूजिक नहीं है, तो मेरे लिए जिंदगी का कोई मतलब ही नहीं है और गीता में लिखा है कि अगर तुम्हें सरगम आती है, तो श्री राम कहने की भी जरूरत नहीं है। श्रीराम 'सा' में मौजूद हैं, म्यूजिक दुनिया जीत लेता है, म्यूजिक एक अलग ही दुनिया है।' कंपोजर अपनी मां से गहरा जुड़ाव रखते हैं, उन्होंने मां, के प्रति भावनाएं व्यक्त करते हुए कहा कि वे हर जन्म में वही मां चाहेंगे, जो उन्हें इस जन्म में मिली हैं। उन्होंने कहा, 'दुनिया अलग है और मैं हर जन्म में यही मांगूंगा कि हर जन्म में मुझे वही मां मिले, जो इस जन्म में मिली हैं। वही चेहरा, शरीर, उतनी ही मोटी होनी चाहिए जितनी वो थीं और उतनी ही खूबसूरत होनी चाहिए जितनी वो हैं, लेकिन वो मुझे इतनी जल्दी छोड़कर न जाए।' म्यूजिक कंपोजर अखिल सचदेवा अक्सर पॉडकास्ट और बातचीत में अपनी मां के प्रति अपना गहरा प्रेम और जुड़ाव व्यक्त करते रहते हैं। हालांकि, उनकी मां के बारे में अधिक जानकारी कभी सामने नहीं आई। 'आवारापन 2' एक एक्शन थ्रिलर फिल्म है, जो 14 अगस्त 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। यह साल 2007 में आई इमरान हाशमी की चर्चित फिल्म 'आवारापन' का सीक्वल है। इस फिल्म का निर्देशन नितिन कक्कड़ ने किया है। 'आवारापन' रिलीज के वक्त फ्लॉप मानी गई थी, लेकिन बाद के सालों में फिल्म को जबरदस्त फैन फॉलोइंग मिली और आखिरकार अपने म्यूजिक और इमरान हाशमी की एक्टिंग की वजह से इसे कल्ट का दर्जा मिल गया। 'आवारापन 2' इस वक्त सिनेमाघरों में चल रही है।

गुजराती फिल्म के लिए अकांक्षा पुरी ने सीखी गुजराती

अभिनेत्री अकांक्षा पुरी जल्द ही गुजराती फिल्म में खास भूमिका निभाती हुई नजर आने वाली हैं। इस भूमिका के लिए उन्होंने गुजराती भाषा सीखने के साथ-साथ वहां की संस्कृति और बोलने के अंदाज को समझने की कोशिश की है। आकांक्षा का कहना है कि जब कोई कलाकार किसी नई भाषा और संस्कृति का हिस्सा बनता है, तो उसे उस माहौल को सही तरीके से समझना चाहिए, तभी पर्दे पर उसका काम स्वाभाविक लगेगा। बातचीत में अकांक्षा ने बताया कि वह अपनी खास भूमिका में गुजराती रंग को सही तरीके से दिखाना चाहती थीं। इसलिए उन्होंने खुद भाषा और वहां के बोलने के तरीके को समझने की कोशिश की।

अकांक्षा ने कहा, ''मैं गुजराती रंग को सही तरीके से दिखाना चाहती थी और सिर्फ वही नहीं करना चाहती थी, जो मुझे बताया गया था। मुझे लगता है कि जब आप किसी नई भाषा और संस्कृति में कदम रखते हैं तो उसे ठीक से समझने की कोशिश करनी चाहिए।'' अभिनेत्री ने कहा, ''मैंने भूमिका की तैयारी के दौरान गुजराती भाषा के उच्चारण और बोलने के अंदाज पर खास ध्यान दिया। मैंने शब्दों को सही तरीके से बोलने के साथ-साथ चेहरे के एक्सप्रेशन और बोलने के तरीके को भी समझने की कोशिश की। सच कहूं तो यह पूरा अनुभव काफी मजेदार रहा। मैं चाहती थी कि पर्दे पर मेरा रूप और मेरा किरदार वहां के माहौल का स्वाभाविक हिस्सा लगे।'' आगामी गुजराती फिल्म में अकांक्षा की खास मौजूदगी को लेकर फिलहाल ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है। फिल्म में उनका किरदार क्या होगा और कहानी में उनकी भूमिका कितनी बड़ी होगी, इसे फिलहाल सीक्रेट रखा गया है। हाल ही में अकांक्षा पुरी अभिनेता रणदीप हुड्डा के साथ फिल्म 'इंस्पेक्टर अविनाश 2' में नजर आई थीं। इसमें उन्होंने पंजाबी लड़की का किरदार निभाया था, जो एक डांसर से मुखबिर बन जाती है। यह भूमिका भी उनके लिए काफी अलग थी। अकांक्षा ने इस किरदार को कुछ नया करने का मौका बताया था।

1000 करोड़ रुपये की फिल्म सम्मान की गारंटी नहीं देती

अभिनेत्री सैयामी खेर अपनी अपकमिंग फिल्म 'हैवान' को लेकर चर्चा में हैं। इस बीच उन्होंने अपनी फिल्म 'घूमर' और '8 एएम मेट्रो' के परफॉर्मेंस को लेकर बात की है। उन्होंने इस बात पर भी प्रकाश डाला है कि किसी कलाकार की काबिलियत को हमेशा फिल्म की कमाई से नहीं मापा जा सकता।

सम्मान को लेकर बोलीं सैयामी

बातचीत में अभिनेत्री ने कहा कि बॉक्स ऑफिस कलेक्शन यह नहीं दिखाता कि किसी कलाकार को दर्शकों से कितना सम्मान मिलता है। अभिनेत्री का कहना है कि 1000 करोड़ रुपये की फिल्म सम्मान की गारंटी नहीं देती। उन्होंने कहा कि मैं '8 एएम मेट्रो' जैसी फिल्म करके संतुष्ट हूं। यह यूट्यूब पर बड़ी हिट हुई और बाद में एक ओटीटी प्लेटफॉर्म ने इसे खरीद लिया। जब तक वह यूट्यूब पर बड़ी हिट नहीं हुई, तब तक कोई उसे खरीद नहीं रहा था। मुझे लगता है कि '8 एएम मेट्रो' से मुझे जो सम्मान मिला है, वह मुझे किसी और फिल्म से नहीं मिला।

बॉक्स ऑफिस पर कामयाबी को लेकर बोलीं अभिनेत्री

कलाकार के भविष्य के मौकों को बॉक्स ऑफिस परफॉर्मेंस से जोड़ने की आदत के बारे में सैयामी ने कहा 'मुझे लगता है कि बॉलीवुड में बॉक्स ऑफिस के बारे में बहुत बात होती है। आपकी अगली फिल्म इस बात पर निर्भर करती है कि उसने कितना पैसा कमाया है, जो दुखद है। यह काबिलियत पर कम और इस बात पर ज्यादा निर्भर करता है कि आपकी फिल्म कितना पैसा कमाती है। हालांकि यह एक कारोबार है। अगर आपकी फिल्म फायदेमंद नहीं है, तो निर्माता फिल्म कैसे बनाएंगे? इसलिए मैं बॉक्स ऑफिस की सफलता का महत्व समझती हूं।

खेर ने की मेकर्स के तारीफ

खेर ने उन फिल्ममेकर्स से मिले सम्मान के बारे में भी बात की जिन्होंने मार्केट के दबाव के बावजूद उनके साथ काम करने का फैसला किया। उन्होंने कहा ''घूमर' को कोई भी बड़ा स्टार मिल सकता था, लेकिन आर. बाल्की सर ने कहा 'तुम इस स्क्रिप्ट के लिए सबसे सही इंसान हो। अगर मैं किसी और को लेता हूं तो स्क्रिप्ट के साथ नाइंसाफी होगी।' जब बड़े मेकर्स कुछ प्रोजेक्ट्स में मेरा साथ देते हैं और कहते हैं कि हम इस प्रोजेक्ट में तुम्हारे अलावा किसी और को नहीं देखते, तो मुझे एक तरह का सम्मान महसूस होता है।

सैयामी खेर का वर्कफ्रंट

अगर काम की बात करें तो सैयामी खेर अगली बार प्रियदर्शन की फिल्म 'हैवान' में नजर आएंगी। इसमें अक्षय कुमार और सैफ अली खान भी हैं। यह फिल्म अगले महीने सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

ट्रोलिंग को सफलता की कहानी का हिस्सा मानती हूं

'कैसी ये यारियां' से घर-घर में पहचान बनाने वाली अभिनेत्री नीति टेलर हाल ही में रियलिटी शो 'एलायंस' में नजर आई थीं। इस शो में उनके सफर के दौरान जहां कई भावुक पल देखने को मिले, वहीं कुछ रिश्तों ने भी खूब ध्यान खींचा। शो से जुड़े अनुभवों और अपनी निजी सोच को लेकर नीति ने आईएएनएस से खास बातचीत की। इस दौरान उन्होंने ऑनलाइन ट्रोलिंग को लेकर भी अपनी राय रखी और बताया कि समय के साथ इस मामले में उनका नजरिया काफी बदल गया है।

नीति ने कहा, ''अब मैं सोशल मीडिया पर होने वाली ट्रोलिंग को पहले की तरह दिल पर नहीं लेतीं। ट्रोल होने के पीछे एक मैसेज होता है कि लोग आपको देख रहे हैं और आपके बारे में बात कर रहे हैं। मैंने अब नकारात्मक टिप्पणियों पर ध्यान देने के बजाय अपने काम और उन लोगों पर फोकस करना शुरू कर दिया है, जो सपोर्ट करते हैं।'' ट्रोलिंग को लेकर अपने अनुभव साझा करते हुए नीति ने कहा, ''ये सिर्फ कंप्यूटर और फोन के पीछे छिपे चेहरे हैं, जिन्हें दूसरों को खुश देखना पसंद नहीं है, क्योंकि उनकी अपनी जिंदगी ठीक नहीं चल रही होती। ऐसे लोगों की बातों को अपने ऊपर हावी होने देना सही नहीं है। अगर आप पब्लिक फिगर है, तो आपकी लाइफ में इस तरह की चीजों का होना एक तरह से सामान्य बात है और हर कमेंट का जवाब देना जरूरी नहीं होता।'' नीति ने ट्रोलिंग को सफलता से भी जोड़कर देखा। उन्होंने कहा, ''मुझे यह भी लगता है कि ट्रोलिंग आपकी सफलता की कहानी का एक हिस्सा है। जब लोग आपके बारे में बात करते हैं और आपकी मौजूदगी पर प्रतिक्रिया देते हैं, तो इसका मतलब यह भी हो सकता है कि आप लोगों की नजर में हैं। इसलिए अब मैं ट्रोलिंग को लेकर ज्यादा परेशान नहीं होती और इसे अपनी जिंदगी का एक हिस्सा मानकर आगे बढ़ती हूं।'' बात अगर 'एलायंस' में उनके सफर की करें, तो उन्हें कई भावनात्मक उतार-चढ़ाव से गुजरना पड़ा, लेकिन इसी दौरान दोस्त भी बने, जिनकी शुरुआत की उम्मीद शायद किसी ने नहीं की थी। इनमें सबसे ज्यादा चर्चा नीति और अभिनेता कुशाल टंडन की दोस्ती की हुई।

मैं शो में सबसे छोटी, अली फजल मेरी बहुत टांग खींचते हैं

'मिर्जापुर' की डिंपी का रोल निभाने वालीं हर्षिता गौर ने भले बीटेक इंजिनियरिंग की पढ़ाई की लेकिन उनका सपना कहीं न कहीं एक्ट्रेस बनने का था। उन्होंने कहा- मेरी मां डॉक्टर हैं और अपने कॉलेज डेज में 9 साल तक उन्होंने भी थिएटर किया। इन दिनों वे चर्चा में हैं अपनी अगली फिल्म मिर्जापुर द मूवी से।

बीटेक इंजिनियरिंग की पढ़ाई करने वाली हर्षिता गौर हमेशा से अभिनेत्री बनना चाहती थीं, मगर साथ ही उन्हें अपने परिवार को मायूस नहीं करना था, यही वजह थी कि उन्होंने अपनी पढ़ाई जारी रखी। किस्मत ने उनका साथ दिया और 'साड्डा हक' जैसे टीवी शोज से एक्टिंग की उनकी राह आसान हो गई, मगर 'मिर्जापुर' की डिंपी जैसे शांत और सौम्य रोल ने उन्हें रातों -रात मशहूर कर दिया। इन दिनों वे चर्चा में हैं अपनी आगामी फिल्म मिर्जापुर द मूवी से। उनसे खास बातचीत।

'इंजिनियरिंग कर रही थी, मगर एक्ट्रेस बनना था'

एक्टिंग में आने से पहलेहर्षिता इंजिनियरिंग कर रही थीं।

किसिंग सीन पर घरवालों ने आपत्ति नहीं की

अपने पहले ही शो 'साड्डा हक' में हर्षिता ने किसिंग सीन्स किए थे। अपने परिवार वालों की प्रतिक्रिया के बारे में वे कहती हैं, 'मेरे परिवार ने कोई आपत्ति नहीं जताई। हालांकि हम मिडिल क्लास वैल्यूज रखते हैं, मगर साथ ही वे ओपन-माइंडेड भी हैं। मेरे कहने का यह तात्पर्य है कि उनका ये हमेशा से मानना है कि तुम परदे पर जो कर रही हो, वो वैल्यू करना चाहिए। मतलब आपको किसिंग सीन करना है या कोई और इंटीमेट दृश्य, अगर वो आपके काम को वैल्यू दे रहे हैं, रिक्वायरमेंट है, अच्छे, क्रिएटिव और क्राफ्ट को समझने वाले लोगों के साथ कर रहे हैं, तो फिर कोई समस्या नहीं है। उन्होंने हमेशा ये समझा कि ये कहानी की मांग थी।'

कथक का साथ कभी नहीं छोड़ सकती

कथक को अपना पहला प्यार मानने वाली हर्षिता कहती हैं, 'मेरे लिए कथक बहुत खूबसूरत चीज है और मुझे बेहद पसंद है। मैंने छह साल की उम्र से कथक सीखा, लेकिन पढ़ाई और बाद में मुंबई आने के दौरान इसमें कई लंबे ब्रेक आए। मुंबई में जब मैंने दोबारा शुरू किया तो एक एक्सीडेंट के बाद दोनों घुटनों में इंजरी हो गई और करीब 4-5 महीने बेड रेस्ट पर रही।

उसी दौरान मिर्जापुर का एक्शन सीक्वेंस भी शूट करना था, जो काफी मुश्किल था। मिर्जापुर द मूवी की वजह से मुझे दोबारा कथक शुरू करने की हिम्मत मिली। अब मुझे लगता है कि कथक मेरी बॉडी में है। मैं इसका साथ नहीं छोड़ूंगी।'

अली मेरी खूब टांग खींचता है

'मिर्जापुर' में हर्षिता अका डिंपी गुड्डू उर्फ अली फजल की बहन बनी हैं। अली के साथ अपनी बॉन्डिंग के बारे में वे कहती हैं, 'सीरीज की तरह वे रियल लाइफ में भी काफी केयरिंग हैं। हमारा मस्ती-मजाक वाला रिश्ता है। वे मेरी बहुत टांग खींचते हैं। मैं शो में सबसे छोटी हूं। जब आई थी, सबसे छोटी थी, अभी भी सबसे छोटी हूं, तो सभी मेरा बच्चे की तरह ख़याल रखते हैं।

मैंने मिर्जापुर के लिए मना कर दिया था

डिंपी पंडित का जो किरदार हर्षिता के करियर का टर्निंग पॉइंट साबित हुआ, उसके लिए उन्होंने पहले मना कर दिया था। वे बताती हैं, 'मैंने एक टीवी शो किया था साड्डा हक, उसमें हमारे मिर्जापुर के निर्देशक गुरमीत असिस्टेंट डायरेक्टर हुआ करते थे। उन्होंने मुझे मिर्जापुर के सीजन वन के लिए डिंपी पंडित की भूमिका का ऑफर दिया। उस वक्त तक हम ओटीटी क्या होता है, जानते नहीं थे। मैंने रोल के लिए मना कर दिया था, क्योंकि आपकी लिमिटेड अंडरस्टैंडिंग होती है। मुझे कहा गया कि दो भाइयों की बहन का रोल है और मैंने उसे नकार दिया, लेकिन फिर उनका दोबारा कॉल आया। मैं जब दूसरी बार मिली, तो मुझे वो सीन नरेट किया गया, जहां मुन्ना (दिव्येंदु शर्मा) के अटैक करने पर डिंपी बोलती है, गाड़ी रोक वरना ठोक देंगे। उस बार मुझे पूरा माहौल और किरदार जम गया और मैंने हां कर दी। आज मिर्जापुर के तीन सीजन के बाद जब मिर्जापुर द मूवी आ रही है, तो लगता है कि अगर मैंने डिंपी के लिए मना कर दिया होता, तो ये मेरे करियर की सबसे बड़ी बेवकूफी होती।

संक्षिप्त समाचार

9/11 की बरसी पर बदला ट्रंप का प्लान: पेंटागन के कार्यक्रम में होंगे शामिल, कहा- अपनों को याद करने का है दिन

वाशिंगटन, एजेंसी। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पेंटागन में 11 सितंबर के हमलों की 25वीं बरसी पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल होंगे। ट्रंप ने शुक्रवार को अपने इस कार्यक्रम की पुष्टि की। व्हाइट हाउस ने बताया कि उपराष्ट्रपति जेडी वेंस न्यूयॉर्क में होने वाले कार्यक्रम में शामिल होंगे। वहीं, प्रशासन के अन्य अधिकारी पेंसिल्वेनिया के शैंक्सविले में आयोजित समारोह में जाएंगे। इस साल अल-कायदा के आतंकवादियों की ओर से हाईजैक किए विमानों से किए गए हमलों को 25 साल पूरे हो रहे हैं। इन हमलों में तीन जगहों पर लगभग 3,000 लोगों की जान गई थी। इसने अमेरिकी विदेश नीति और राष्ट्रीय सुरक्षा को पूरी तरह बदल दिया था। शुक्रवार को ह्यूस्टन की यात्रा से लौटने के बाद, एयर फोर्स वन के पास पत्रकारों ने ट्रंप से पूछा कि वे न्यूयॉर्क में होने वाले समारोह में क्यों शामिल नहीं होंगे? जैसा कि कुछ प्रकाशित रिपोर्टों में कहा गया था। उन्होंने जवाब दिया,क्योंकि मैं पेंटागन जा रहा हूं। सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में, ट्रंप ने 9/11 को पीड़ितों और उनके प्यारे परिवार के सदस्यों को याद करने का दिन बताया। पिछले साल, ट्रंप ने पेंटागन में सालाना समारोह में इस दिन को याद किया। वहां उन्होंने उस दिन की घटनाओं का जिक्र किया, जिसमें हाईजैक किए गए विमानों में सवार यात्रियों की बातचीत के कुछ अंश भी शामिल थे।

डाक से मतदान वाले आदेश पर लगी रोक, प्रशासन ने फैसले के खिलाफ दायर की अपील; जज ने क्या कहा

वाशिंगटन, एजेंसी। डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ने उस फैसले के खिलाफ अपील की है, जिसमें एक जज ने राष्ट्रपति के आदेश पर रोक लगा दी थी। इस आदेश में डाक के जरिये मतदान को लेकर कुछ नई शर्तें रखी गई थीं। यह मामला ऐसे समय अदालत पहुंचा है, जब मध्यावधि चुनाव के लिए कुछ राज्यों में 4 सितंबर से मतपत्र भेजे जाने हैं। शुक्रवार को इस फैसले के खिलाफ ट्रंप प्रशासन ने अपील दायर की। इससे पहले बोस्टन के संघीय अदालत के जज ने ट्रंप के कार्यकारी आदेश पर अगले दो हफ्तों के लिए रोक लगा दी थी। सुप्रीम कोर्ट ने पहले प्रक्रिया से जुड़े आधार पर इस योजना को आगे बढ़ने की अनुमति दी थी। लेकिन अदालत ने अभी यह फैसला नहीं किया है कि यह योजना कानूनी है या नहीं। ट्रंप के आदेश के मुताबिक, अमेरिकी डाक सेवा कुछ राज्यों के मतपत्र पहुंचाने से इनकार कर सकती थी। इसके लिए राज्यों को उन मतदाताओं की सूची देनी होती, जो वोट देने के योग्य हैं। साथ ही मतपत्र भेजने के लिए एक तय तरह के लिफाफे का इस्तेमाल करना होगा। अमेरिकी जिला अदालत की जज इंदिरा तलवानी ने कहा कि राज्यों के पास नए मतपत्र तैयार करने और छापने के लिए पर्याप्त समय या पैसा नहीं है। उन्हें अपनी व्यवस्था में बदलाव करना होगा। साथ ही अधिकारियों को मतदाताओं की जानकारी डाक सेवा पर डालने के लिए प्रशिक्षण भी देना होगा।

ट्रंप को झटका: हश मनी केस की सजा खत्म कराने की कोशिश नाकाम, याचिका खारिज कर जज ने क्या कहा?

अल्बानी, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को एक बार फिर झटका लगा है। वह अपनी हश मनी यानी चुप रहने के लिए पैसे देने से जुड़े मामले में मिली सजा खत्म कराना चाहते थे। लेकिन उनकी कोशिश नाकाम हो गई। शुक्रवार को एक संघीय जज ने ट्रंप की याचिका खारिज कर दी। ट्रंप चाहते थे कि न्यूयॉर्क की राज्य अदालत में चले इस मामले को संघीय अदालत में भेज दिया जाए। इसके बाद मामले को राष्ट्रपति की कानूनी छूट के आधार पर खत्म कर दिया जाए। जज एल्विन के. हेलरस्टीन ने ट्रंप की याचिका खारिज करने का अपना पहले का फैसला बरकरार रखा। उन्होंने कहा कि ट्रंप ने मामला संघीय अदालत में भेजने के जो नए कारण बताए हैं, वे न तो नए हैं और न ही कानून के हिसाब से पर्याप्त हैं। उन्होंने कहा कि ट्रंप यह भी नहीं बता पाए कि उन्होंने मामला संघीय अदालत में भेजने में इतनी देर क्यों की। वह यह भी साबित नहीं कर पाए कि उन्होंने इस मामले में समय पर पूरी गंभीरता से कार्रवाई की। यह तीसरी बार है, जब हेलरस्टीन ने ट्रंप की कोशिश रोकी है। ट्रंप चाहते थे कि मैनहट्टन की अमेरिकी जिला अदालत इस मामले को न्यूयॉर्क की अदालत से अपने हाथ में ले ले। इसी न्यूयॉर्क अदालत में ट्रंप पर मुकदमा चला था। वहीं उन्हें दोषी भी ठहराया गया था। ट्रंप को मई 2024 में दोषी ठहराया गया था। उस समय वह राष्ट्रपति पद पर नहीं थे। वह अपने पहले और दूसरे कार्यकाल के बीच थे।

नेपाल बाढ़ लाइव: त्रिशुली में रुका बचाव अभियान, अब तक 616 लोगों की मौत; 1900 से ज्यादा लापता

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में अचानक आई बाढ़ के कारण 579 से अधिक लोगों की मौत हुई है। 1900 से अधिक लोग अब भी लापता हैं। इनमें करीब 30 देशों के नागरिक शामिल हैं। भारत के कई पर्यटकों ने सुरक्षित स्वदेश वापसी के बाद राहत की सांस ली। हालांकि, उन्होंने जलप्रलय और बाढ़ की विभीषिका पर रोंगटे खड़े करने वाले विवरण साझा किए हैं। नेपाल बाढ़ त्रासदी में मरने वालों का आंकड़ा 616 पहुंच गया है। वहीं, लापता लोगों का आंकड़ा भी 2000 से ज्यादा हो गया है। बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक, चीनी सरकारी मीडिया ने बताया है कि तिब्बत में भूस्खलन के मलबे के बीच बनी झील में जलस्तर एक बार फिर बढ़ रहा है। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि इसकी वजह से एक बार फिर से भूस्खलन या मिट्टी के खिसकने का खतरा लगातार बना हुआ है। वहीं, नेपाल में राहत एवं बचाव कार्य में जुटे खोज दल जीवित बचे लोगों को खोजने के लिए मौसम के अनुकूल सीमित समय का पूरा फायदा उठा रहे हैं। सड़क को दोबारा खोलने के प्रयास भी जारी हैं।

बाढ़ राहत कार्यों में सहायता के लिए नेपाल पहुंचा 11 सदस्यीय भारतीय बचाव दल : अचानक आई बाढ़ में 500 से अधिक लोगों की मौत हो गई और लगभग 2,000 अन्य लापता हो गए। इस बचाव अभियान में स्थानीय अधिकारियों की सहायता के लिए 11 सदस्यीय भारतीय दल शनिवार को नेपाल पहुंचा। भारतीय दूतावास के सूत्रों के अनुसार, चिकित्सा कर्मियों और सुरंग बचाव विशेषज्ञों सहित इस टीम को नेपाल सरकार के अनुरोध पर भेजा गया था। टीम को हिमालयी देश में अचानक आई बाढ़ से प्रभावित क्षेत्रों में भेजा जा रहा है, जहां बड़े पैमाने पर बचाव और राहत अभियान चलाए जा रहे हैं। बुधवार को रसुवा और मध्य नेपाल के अन्य हिस्सों में भीषण बाढ़ आई, जिसमें 500 से अधिक लोगों की मौत हो गई और बस्तियों, सड़कों, पुलों और जलविद्युत अवसंरचना को व्यापक क्षति पहुंची। शुक्रवार को नेपाल ने कहा कि वह अपने सुरक्षा बलों की अधिकतम तैनाती को ÷प्राथमिकता÷ देना चाहता है, जो स्थानीय पर्यावरणीय परिस्थितियों और दुर्गम भूभाग से भलीभांति परिचित हैं। हालांकि, विदेश मंत्री शिशिर खनाल ने कहा कि सरकार उन कठिन मामलों में अंतरराष्ट्रीय सहायता लेने के लिए तैयार है, जहां अत्यंत जटिल भौतिक संरचनाओं के लिए विशेष तकनीकी कौशल की आवश्यकता होती है।

मौसम बिगड़ने से रुका राहत और बचाव कार्य : त्रिशुली नदी में भारी बारिश के कारण मौसम की स्थिति बिगड़ने से बचाव अभियान अस्थायी रूप से रोक दिया गया है। जानकारी के अनुसार खराब मौसम के चलते हेलीकॉप्टर उड़ान नहीं भर पा रहे हैं। नदी का जलस्तर लगातार बढ़ने के कारण, आसपास के क्षेत्रों के लोगों को एहतियात के तौर पर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है।

राहत कार्यों में विदेशी मदद लेने को तैयार हुआ नेपाल : नेपाल ने अपना फैसला बदलते हुए बाढ़ राहत कार्यों के लिए विदेशी मदद लेने पर सहमति जताई है। जिन देशों के नागरिक लापता हैं, उन देशों के दबाव के कारण सरकार को अपने फैसले से पीछे हटना पड़ा। अधिकारियों का कहना है कि वे टनल में बचाव कार्य और शवों की पहचान में अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों की मदद लेंगे। भोटेकोशी बाढ़ की कवरेज करने वाले विदेशी पत्रकारों के लिए नेपाल ने नए नियम लागू किए हैं। पत्रकारों को पासपोर्ट और वीजा, अपने संगठन द्वारा जारी पहचान पत्र, वेतन और भत्तों का विवरण आदि जमा करना होगा।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) नेपाल में आई बाढ़ को लेकर अपनी मदद का दायरा बढ़ा रहा है, जिसके तहत तत्काल 150,000 अमेरिकी डॉलर की धनराशि जारी की गई है। आवश्यकता आकलन जारी रहने के साथ-साथ अतिरिक्त संसाधन जारी किए जाने की उम्मीद है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के महानिदेशक ने टेड्रोस अधानोम घेब्रेयेसस सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में बताया कि आपदा शुरू होने के कुछ ही घंटों के भीतर, डब्ल्यूएचओ ने आपातकालीन आपूर्ति भेजी, जिसमें अंतर-एजेंसी आपातकालीन स्वास्थ्य आपूर्ति भी शामिल थी, जो लगभग 10,000 लोगों को 3 महीने तक आवश्यक सामग्री प्रदान कर सकती है। इसके अलावा, इसमें टेंट, 10,000 मास्क, दस्ताने और हैंड सैनिटाइजर भी शामिल थे। नेपाल में आई विनाशकारी बाढ़ के बीच लापता हुए पश्चिम बंगाल के 39 पर्यटकों में से दो पर्यटकों से संपर्क स्थापित हो गया है, जबकि 37 लोग अब भी लापता हैं।

नॉर्वे के महाराजा हेराल्ड पंचम का निधन, 89 की उम्र में ली आखिरी सांस, पीएम मोदी ने दुख जताया

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी। नॉर्वे के पांचवें महाराजा हेराल्ड का 89 साल की उम्र में निधन हो गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किंग हेराल्ड के निधन पर शोक जताया और उन्हें श्रद्धांजलि दी। शाही महल की ओर से गुरुवार को जानकारी दी गई थी कि किंग की हालत काफी गंभीर है और उनका इलाज ओस्लो के नेशनल हॉस्पिटल में चल रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, ÷नॉर्वे के किंग हेराल्ड पंचम के निधन से मुझे गहरा दुख हुआ। इस साल की शुरुआत में अपनी नॉर्वे यात्रा के दौरान महामहिम से हुई मुलाकात को मैं स्नेहपूर्वक याद करता हूं और राष्ट्र के प्रति उनकी गर्मजोशी और सेवा की गहरी भावना से मैं अत्यंत प्रभावित हुआ था। शाही परिवार और नॉर्वे के लोगों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदनाएं।

यूरो न्यूज की ओर से साझा जानकारी के अनुसार, किंग हेराल्ड की बिगड़ती सेहत को लेकर चिंता बढ़ने पर सैकड़ों लोग ओस्लो रॉयल पैलेस के बाहर फूल और मोमबत्तियां लेकर इकट्ठा हुए। यूरोप के सबसे उम्रदराज शासक किंग हेराल्ड 17 अगस्त से हीमोलिटिक एनीमिया के कारण अस्पताल में भर्ती थे। बाद में बैक्टीरियल ब्लडस्ट्रीम इंफेक्शन से उनकी स्थिति और गंभीर हो गई। हालत बिगड़ने पर क्वीन सोन्या और क्राउन प्रिंस हाकोन, जो रीजेंट के तौर पर काम कर रहे हैं, ने अपने

आधिकारिक कार्यक्रम रद्द कर दिए और शाही परिवार के अन्य सदस्यों के साथ नॉर्वे किंग के पास पहुंचे। इस खबर के बाद ओस्लो में लोगों का हुजूम उमड़ पड़ा। सैकड़ों लोग रॉयल पैलेस के बाहर इकट्ठा हुए, जहां उन्होंने फूल रखे, मोमबत्तियां जलाईं और राजा के लिए हाथ से लिखे संदेश और चित्र छोड़े। नॉर्वे के अन्य शहरों में भी इसी तरह लोगों के जुटने की खबरें आईं, जहां लोग राजा के स्वास्थ्य पर आगे की जानकारी का इंतजार कर रहे थे। यूरो न्यूज ने बताया कि तबीयत बिगड़ने के बाद सरकार के वरिष्ठ नेताओं ने भी अपने कार्यक्रमों में बदलाव किया। प्रधानमंत्री जोनास गाहर स्टोरे ने जर्मनी की अपनी नियोजित यात्रा रद्द कर दी और कहा कि वह पूरे देश के साथ राजा और शाही परिवार के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त करते हैं। संसद अध्यक्ष मसूद घराहखानी ने भी अपनी विदेश यात्रा बीच में ही रोककर नॉर्वे लौटने का फैसला किया। हेराल्ड 1991 से नॉर्वे के राजा थे और हाल के वर्षों में उन्हें कई स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करना पड़ा है।

ट्रंप के चेहरे जैसी दवा पर नीदरलैंड में अलर्ट; संघर्षविराम के बावजूद गाजा में आईडीएफ के हमले, पांच की मौत

वाशिंगटन, एजेंसी। नीदरलैंड के ट्रिंबोस इंस्टीट्यूट ने ट्रंप के सिर के आकार जैसी दिखने वाली एक्स्टसी गोलियों को लेकर चेतावनी जारी की है। संस्थान ने लोगों से इन गोलियों का इस्तेमाल नहीं करने को कहा है। हाल में ड्रग टेस्टिंग केंद्रों पर ऐसी कई गोलियां पहुंची हैं। इन गोलियों में नाम का खतरनाक रसायन मिला है। इसकी मात्रा काफी अधिक बताई गई है। तुलना में देर से होता है। इससे व्यक्ति को लग सकता है कि गोली ने काम नहीं किया। वह दूसरी गोली ले सकता है। इससे ओवरडोज का खतरा बढ़ जाता है। संस्थान के मुताबिक, ज्यादा मात्रा जानलेवा साबित हो सकती है। हालांकि, अभी ऐसी गोलियों से गंभीर बीमारी या मौत का कोई मामला सामने नहीं आया है। नीदरलैंड में एक्स्टसी का उत्पादन और इस्तेमाल गैरकानूनी है। इससे पहले 2017 में जर्मनी में भी ट्रंप के चेहरे वाली हजारों गोलियां जब्त हुई थीं। संघर्षविराम के बावजूद गाजा में इस्राइली सेना के हमले, पांच की मौत अमेरिका की मध्यस्थता में हुए संघर्षविराम के बावजूद गाजा में इस्राइली सेना के हवाई हमले जारी हैं। शुक्रवार को इन हमलों में पांच लोगों की मौत हुई। स्थानीय अस्पताल अधिकारियों के मुताबिक, खान यूनिस के पास एक घर पर हुए हमले में दो भाइयों समेत तीन लोगों की जान गई। गाजा सिटी में अलग-अलग हमलों में दो अन्य लोगों की मौत हुई। ईरान ने अमेरिकी आर्थिक प्रतिबंधों को 'आर्थिक आतंकवाद' बताया है। दूसरी ओर, फिनलैंड ने को सहायता देने का समझौता आगे नहीं बढ़ाने का फैसला किया है। ब्रिटेन ने गाजा संघर्षविराम निगरानी केंद्र से अपने अधिकारियों को हटाने के किसी भी इस्राइली कदम का विरोध किया है। अमेरिका के एक न्यायाधीश ने रक्षा मुख्यालय पेंटागन की तरफ से एंथ्रोपिक को काली सूची में डालने के फैसले पर रोक लगा दी। कैलिफोर्निया की संघीय अदालत में एंथ्रोपिक के मुकदमे में आरोप लगाया गया है कि रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने अपनी अधिकार-सीमा से बाहर जाकर क्लाउड बनाने वाली कंपनी एंथ्रोपिक को राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए आपूर्ति श्रृंखला जोखिम करार दिया।

नेपाल बाढ़: विदेश से मदद लेने पर बालेन सरकार का यू-टर्न, लापता लोगों की तलाश में भारत समेत ये देश देंगे साथ

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल सरकार ने भोटेकोशी में आई बाढ़ से प्रभावित इलाकों में अंतरराष्ट्रीय खोज और बचाव टीमों को न आने देने के अपने फैसले को बदल दिया है। यह फैसला उन देशों के राजनयिक दबाव के बाद लिया गया है, जिनके नागरिक इस आपदा के बाद से लापता हैं।

नेपाल सरकार ने पहले क्या फैसला लिया था : सरकार ने बुधवार को कहा था कि नेपाली बचावकर्मी खोज अभियान संभालने में सक्षम हैं। विदेशी बचाव टीमों को अनुमति नहीं दी जाएगी। हालांकि, एक दिन के भीतर ही अधिकारियों ने सुरंग से बचाव कार्य, डीएनए टेस्टिंग और फोरेंसिक जांच जैसे विशेष क्षेत्रों में सीमित अंतरराष्ट्रीय मदद लेने का फैसला किया।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने क्या बताया : सरकार के एक वरिष्ठ

अधिकारी ने द काठमांडू पोस्ट को बताया, अंतरराष्ट्रीय समुदाय की ओर से हम पर भारी दबाव था कि कम से कम खोज और बचाव दलों और कुछ विशेषज्ञों को आने की अनुमति दी जाए, क्योंकि बाढ़ में उनके नागरिक भी लापता हो गए हैं। हम कुछ खास इलाकों में सीमित संख्या में विशेषज्ञों को आने की अनुमति दे रहे हैं।

विदेश मंत्री ने क्या कहा : विदेश मंत्री शिशिर खनाल ने रॉयटर्स को बताया, चीन के साथ हिमालयी सीमा पर आई विनाशकारी बाढ़ के बाद नेपाल को उन खास और तकनीकी क्षेत्रों में विदेशी मदद की जरूरत है जिनमें उसके पास विशेषज्ञता की कमी है लेकिन खोज और बचाव कार्यों के लिए उसे विदेशी मदद की जरूरत नहीं है।

किन देशों को मिली है मंजूरी : नेपाल के राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन के आकलन के आधार पर, एक अंतर-मंत्रालयी समन्वय समिति ने भारत, चीन, ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण कोरिया से मदद को मंजूरी दी है। इन चार देशों के विशेषज्ञ और तकनीशियन सुरंग से बचाव अभियान, डीएनए टेस्टिंग और फोरेंसिक जांच में मदद करेंगे। राहत सहायता की पेशकश करने वाले कई अन्य देशों ने भी विशेषज्ञ टीमें भेजने की इच्छा जताई है। हालांकि, नेपाल ने ऐसी मांगों को स्वीकार नहीं किया है। काठमांडू में कम से कम दो विदेशी दूतावासों के अधिकारियों ने कहा कि उन्होंने अपने लापता नागरिकों का पता लगाने में मदद के लिए टीमें भेजने का बार-बार अनुरोध किया था, लेकिन उन्हें कोई सकारात्मक जवाब नहीं मिला। इसके साथ ही नेपाल सरकार ने बाढ़ की कवरेज करने वाले घरेलू और विदेशी मीडिया संस्थानों के लिए नए नियम लागू किए हैं। सूचना और संचार मंत्रालय के तहत सूचना प्रशासन और प्रेस शाखा के अनुसार, विदेशी पत्रकारों को अपने पासपोर्ट और वैध वीजा की कॉपी के साथ-साथ अपने मीडिया संस्थान से मिला अपॉइंटमेंट लेटर या एग्रीमेंट जमा करना होगा।

टीम बिना कोई चैंपियन नहीं: जरूरत पर मदद लेना कमजोरी नहीं, मजबूत सहयोगी होने के संकेत; सफल इंसान की पहचान क्या

अल्बानी, एजेंसी। मियामी तट के पास अटलांटिक महासागर की तेज लहरों में 86 वर्षीय मां पानी निगलकर बेहोश हो चुकी थी। फेफड़ों में भरता पानी और थमती सांसें। बेटी ने अपनी पूरी ताकत से हाथ-पैर मारकर मां को खींचने की कोशिश की, लेकिन समंदर की ताकत के आगे उसकी हर कोशिश नाकाम हो रही थी।

जब लगा कि दोनों डूब जाएंगे, तभी बेटी ने अपनी रणनीति बदली। एक हाथ से मां का सिर पानी के ऊपर रखा और दूसरा हाथ हवा में लहराते हुए पूरी ताकत से चीख पड़ी...मदद करो। रेस्क्यू बोट के प्रशिक्षित तैराकों ने तुरंत छलांग लगाई, दोनों को पानी से निकाला और समय पर अस्पताल पहुंचाया। यह दास्तान किसी आम इंसान की नहीं, बल्कि जुनून और दृढ़

संकल्प पर दुनिया की सबसे चर्चित बेस्टसेलर किताब लिखने वाली प्रसिद्ध साइकोलॉजिस्ट डॉ एंजेला डकवर्थ की है। डकवर्थ लिखती हैं, उस दिन मेरी और मां की जान समंदर की लहरों से अकेले लड़ने से नहीं बची, बल्कि सही समय पर मदद की गुहार लगाने से बची।

अकेले जीतने का भ्रम : समाज में थॉमस एडिसन के हजारों प्रयोगों या स्टीव जॉब्स के अकेले दम पर क्रांति लाने की कहानियां गढ़कर लोगों को यह सिखाया जाता है कि हर मुश्किल से अकेले जूझना ही मर्दानगी या असली कामयाबी है।

रिसर्च का निष्कर्ष : दुनिया के शीर्ष सफल लोगों का गहन अध्ययन करने के बाद डकवर्थ कहती हैं, शीर्ष स्तर के सफल लोगों ने अपनी सफलता का श्रेय उन लोगों को दिया जिन्होंने मुश्किल वक्त में उनका हाथ थामा। मदद मांगना कमजोरी नहीं = रिसर्च से साबित हुआ है कि जो लोग सलाह और सहयोग मांगने में संकोच नहीं करते, वे अकेले जूझने वालों के मुकाबले कई गुना ज्यादा तेजी से सीखते हैं।

सबसे बड़े वेल्थ फंड के सीईओ निकोलाई टैंगेन : निकोलाई अपनी लीडरशिप किताब में अपनी निजी खूबियों से ज्यादा अपनी असिस्टेंट ग्रेटे स्टारहाइम की भूमिका को विस्तार से दर्ज करते हैं। निकोलाई कहते हैं, मैं उस पर आंख मूंदकर भरोसा करता हूं। जब वह कहती है कि मैं गलत हूं, तो मैं अपनी गलती मान लेता हूं। क्या यह स्वीकार करने में कोई शर्म है कि हमें दूसरों की मदद की जरूरत है? कोनन ओ%ब्रायन की हार्वर्ड स्पीच = प्रसिद्ध टीवी होस्ट कोनन ओ%ब्रायन ने हार्वर्ड के दीक्षांत समारोह में कहा था, अगर मैं आज उन सभी लोगों को यहां बुला लूं जिन्होंने मुझे इस मुकाम तक पहुंचाने में मदद की है, तो पूरा शहर खचाखच भर जाएगा।

मोहन भागवत ने किया इस्कॉन मंदिर का दौरा, लोगों में उत्साह; विरोध करने वाला यूएससीआईआरएफ क्या बोला

अल्बानी, एजेंसी। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के अमेरिका दौरे के बीच न्यूयॉर्क में उनका 26 सेकंड एवेन्यू जाना चर्चा में रहा। यह वही स्थान है जहां स्वामी प्रभुपाद ने इस्कॉन का पहला मंदिर स्थापित किया था। भागवत ने जरूरतमंद और बेघर लोगों के लिए आयोजित भोजन वितरण कार्यक्रम में भी भाग लिया।

अमेरिका के न्यूयॉर्क में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक मोहन भागवत के प्रस्तावित कार्यक्रम को लेकर विवाद छिड़ा हुआ है। इस बीच मोहन भागवत ने शुक्रवार को न्यूयॉर्क में 26 सेकंड एवेन्यू का दौरा किया। इसी स्थान पर स्वामी प्रभुपाद ने पहला इस्कॉन मंदिर स्थापित किया था। इस दौरान भागवत ने शहर में बेघर लोगों की मदद के लिए आयोजित भोजन वितरण अभियान में भी हिस्सा लिया। न्यूयॉर्क के 26 सेकंड एवेन्यू पर इस्कॉन की स्थापना के 60 वर्ष पूरे होने के मौके पर समारोह हो रहा है। वहीं, मोहन भागवत की अमेरिका यात्रा को लेकर अमेरिका की विश्व हिंदू परिषद की अध्यक्ष तेजल शाह ने कहा, यह ऐसा आयोजन है, जो बहुलता, विविधता में एकता और पूरे समुदाय के एक साथ आने का संदेश देता है। हम केवल रक्षाबंधन का त्योहार ही नहीं मना रहे हैं, बल्कि यह भी जता रहे हैं कि समुदाय का हर सदस्य एक-दूसरे के साथ किस तरह संबंध रख सकता है।

न्यूयॉर्क में रक्षाबंधन के कार्यक्रम में शामिल होंगे आरएसएस प्रमुख : तेजल शाह ने आगे कहा, इसके नतीजतन हम आने वाले समय में दुनिया को बेहतर जगह बना सकते हैं। संदेश बिल्कुल स्पष्ट है कि आगे आएं, मतभेदों को एक तरफ रखें, मानवता के लिए मिलकर काम करें और बेहतर भविष्य के लिए मिलकर काम करें। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत न्यूयॉर्क में भारतीय समुदाय के लोगों के साथ मुलाकात करेंगे और रक्षाबंधन के एक कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे।

यूएससीआईआरएफ क्यों चाहता है भागवत के साथ बातचीत : लॉस एंजिलिस में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत के साथ खुले संवाद की संभावना पर अमेरिका के अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता आयोग के आयुक्त डॉ. आसिफ महमूद ने कहा, अगर ऐसा कोई अवसर मिलता है तो मैं निश्चित रूप से उनके साथ बैठकर बातचीत करने के लिए तैयार हूं। अगर इसकी व्यवस्था की जा सकती है तो हमें उनके साथ बैठकर बातचीत करने और अधिक जागरूकता पैदा करने में खुशी होगी। उन्होंने कहा, हो सकता है कि कुछ आश्वासन और गारंटी हों, जो वे दे सकते हैं और इससे हमारी सोच बदल सकती है।

भारतीय पेशेवरों पर संकट: अमेरिका में नौकरी गई तो 60 दिन की राहत हो सकती है खत्म, प्रस्ताव की समीक्षा पूरी

वॉशिंगटन, एजेंसी। ट्रंप प्रशासन ने एच-1बी और अन्य विदेशी पेशेवरों की नौकरी खत्म होने के बाद मिलने वाली 60 दिन की विवेकाधीन राहत अवधि को समाप्त करने के प्रस्ताव की समीक्षा पूरी कर ली है। इससे हजारों भारतीय कर्मचारियों और उनके परिवारों पर असर पड़ सकता है। अमेरिकी गृह सुरक्षा विभाग ने %विवेकाधीन 60 दिन की राहत अवधि समाप्त करना शीर्षक वाला प्रस्ताव छह अगस्त को व्हाइट हाउस के सूचना और नियामक मामलों के कार्यालय को भेजा था।

आधिकारिक नियामक रिकॉर्ड के अनुसार, प्रस्ताव की समीक्षा 27 अगस्त को पूरी हुई। इसमें कार्रवाई की स्थिति बदलाव के साथ अनुरूप दर्ज की गई है। इसका मतलब है कि प्रस्ताव कुछ बदलावों के साथ व्हाइट हाउस की समीक्षा प्रक्रिया से आगे बढ़ गया है। हालांकि, प्रस्ताव अभी प्रकाशित नहीं हुआ है और इसके पूरे प्रावधान उपलब्ध नहीं हैं। इसलिए मौजूदा 60 दिन की राहत अवधि फिलहाल लागू है।

समीक्षा पूरी होने के बाद अब आगे क्या होगा : अगले चरण में प्रस्तावित नियम को आम तौर पर संघीय रजिस्टर में प्रकाशित किया जाएगा। इसके बाद लोगों और संगठनों से इस पर सार्वजनिक टिप्पणियां मांगी जाएंगी। गृह सुरक्षा विभाग को इन टिप्पणियों पर विचार करने के बाद अंतिम नियम जारी करना होगा। इसके बाद ही कोई बदलाव प्रभावी हो सकेगा।

इस प्रस्ताव का नियामक सूचना नंबर 1615-एडी22 है और इसे अमेरिकी नागरिकता एवं आव्रजन सेवा द्वारा तैयार किया जा रहा है। नियामक रिकॉर्ड में इसे ऐसा प्रस्तावित नियम बताया गया है, जिसका आर्थिक प्रभाव महत्वपूर्ण नहीं है और इसे लागू करने की कोई कानूनी समयसीमा नहीं है। मौजूदा नियम के तहत पात्र कर्मचारियों को नौकरी खत्म होने के बाद लगातार 60 दिनों तक या उनके अधिकृत प्रवास की अवधि खत्म होने तक, इनमें से जो अवधि कम हो, उतनी राहत मिल सकती है। एच-1बी लाभार्थियों में सबसे ज्यादा भारतीय इस

अवधि में प्रभावित कर्मचारी ऐसे नए नियोक्ता की तलाश कर सकते हैं, जो उन्हें प्रायोजित करने के लिए तैयार हो। वे अपनी आव्रजन स्थिति में बदलाव के लिए आवेदन कर सकते हैं या अमेरिका छोड़ने की तैयारी कर सकते हैं। यह प्रावधान एच-1बी, एल-1, ओ-1 और कई अन्य अस्थायी रोजगार वीजा धारकों पर लागू होता है।

एच-1बी लाभार्थियों में भारतीय नागरिकों की संख्या सबसे अधिक है। ऐसे में अगर प्रशासन इस प्रस्ताव को आगे बढ़ाता है तो भारतीय पेशेवरों के सामने विशेष रूप से अनिश्चितता पैदा हो सकती है। एशियाई अमेरिकी, मूल हवाईवासी और प्रशांत द्वीपवासी मामलों पर राष्ट्रपति की सलाहकार समिति के पूर्व सदस्य अजय जैन भूटोरिया ने प्रस्तावित बदलाव की आलोचना की। उन्होंने कहा कि मौजूदा राहत अवधि को खत्म करने के बजाय बढ़ाया जाना चाहिए।

भारतीय समुदाय ने की प्रस्तावित बदलावों की आलोचना : भूटोरिया ने कहा, मैं गृह सुरक्षा विभाग की इस प्रस्तावित नीति की कड़ी निंदा करता हूं और इसका विरोध करता हूं। 60 दिन की राहत अवधि खत्म करना अमानवीय और व्यावहारिक रूप से असंभव है। जब किसी उच्च कौशल वाले कर्मचारी को अचानक नौकरी से निकाल दिया जाता है, तब भी 60 दिन का समय बहुत कम था। इस सुरक्षा को पूरी तरह खत्म करने से हजारों कानून का पालन करने वाले लोगों के पास अपनी जिंदगी समेटने के लिए बिल्कुल भी समय नहीं बचेगा। उन्होंने चेतावनी दी कि अचानक नौकरी खत्म होने के बाद प्रभावित परिवारों के पास अपना घर, बच्चों की पढ़ाई और अन्य निजी मामलों को संभालने के लिए पर्याप्त समय नहीं हो सकता है। भूटोरिया ने कहा कि 2023 में उन्होंने राष्ट्रपति की सलाहकार समिति से राहत अवधि को 60 दिन से बढ़ाकर 180 दिन करने की सिफारिश को सर्वसम्मति से मंजूरी दिलाई थी। उन्होंने कहा कि प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य सेवा और इंजीनियरिंग क्षेत्रों में भर्ती प्रक्रिया में अक्सर कई चरणों में साक्षात्कार होते हैं। इसके बाद नए नियोक्ता के पास कर्मचारी की आव्रजन स्थिति स्थानांतरित करने के लिए जरूरी कागजी कार्रवाई भी करनी पड़ती है।

भूटोरिया ने कहा, नौकरी से निकाले गए एच-1बी कर्मचारियों के लिए 60 दिन की राहत अवधि खत्म करना एक बड़ा कदम पीछे जाने जैसा है। जब मैंने मार्च 2023 में राष्ट्रपति की सलाहकार समिति के सामने इस अवधि को बढ़ाकर 180 दिन करने की सिफारिश रखी थी, तो वह कंपनियों में होने वाली भर्ती की वास्तविक स्थिति पर आधारित थी।

Printed, Published and Owned by SARABJIT MAKAN and Printed by ILEVAN HASMUKHRAI THAKAR Printed at Jay Graphics & Printers, C/15, Vikram Chambers, Ashram Road, Ahmedabad - 380009. and published from F/1 first floor, rajas apartment, near old railway crossing, maninagar east maninagar, Ahmedabad, Gujarat-380008. Editor SARABJIT MAKAN, Mo.: 9638877700, 9662420070.